@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 29 जून 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 229 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

स्पेस स्टेशन में शुभांशु से पीएम मोदी ने की बातचीत, सफलता पर दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से वीडियो कॉल के जरिए बातचीत की और उन्हें अंतरिक्ष में भारत का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि आज आप भारतभूमि से दूर हैं, लेकिन भारतवासियों के सबसे करीब हैं। आपके नाम में भी शुभ है और आपके कार्य से देश के लिए शुभ संकेत हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से हालचाल जाना और कहा, कि आप वहां कुशल मंगल हैं न? यहां 140 करोड़ भारतवासी आपके साथ हैं। मेरी आवाज में पूरे देश की भावनाएं और उत्साह शामिल हैं। इसके जवाब में शुभांशु शुक्ला ने कहा, यह यात्रा बहुत खास है। पृथ्वी से 400 किमी दूर कक्षा (ऑर्बिट) तक पहुंचना गर्व का क्षण है। मुझे खुशी है कि मैं अंतरिक्ष में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं। यह सब देशवासियों के आशीर्वाद और प्यार से संभव हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत के दौरान हल्के-फुल्के अंदाज़ में पूछा कि आप जो गाजर का हलवा साथ ले गए थे, क्या वह अपने साथियों को खिलाया? इस पर शुभांशु ने मुस्कराते हुए हामी भरी और बताया, कि हलवा मिशन के तनाव भरे पलों में एक सुखद याद की तरह है। यह पहली बार है जब कोई भारतीय वायुसेना अधिकारी कमर्शियल मिशन के तहत अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचा है। शुभांशु 14 दिन तक अंतरिक्ष में रहेंगे और इन दिनों अनुसंधान कार्यों में हिस्सा ले रहे हैं।

पीएम मोदी ने आचार्य विद्यानंद जी महाराज के शतब्दी समारोह में कहा-

भारत सेवा प्रधान देश, जीवंत सभ्यता का प्रतीक

-'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से हुए सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित आचार्य विद्यानंद जी महाराज के शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जैन समुदाय द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान डाक टिकट और स्मृति सिक्के भी जारी किए गए।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में आचार्य विद्यानंद जी महाराज को भारत की अध्यात्म परंपरा का प्रकाश स्तंभ बताया और उनके जीवन और विचारों को देश की सांस्कृतिक चेतना का अमूल्य हिस्सा कहा। मोदी ने कहा, कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता है, क्योंकि हमारे विचार, चिंतन और दर्शन अमर हैं। हमारे ऋषि-मुनि, संत और आचार्य इस परंपरा के स्रोत रहे हैं और आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज इसी परंपरा के आधुनिक प्रकाश स्तंभ हैं।

सम्मानित किए जाने पर पीएम मोदी ने मंच से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि को प्रसाद की तरह स्वीकार करते हैं और उसे भारत माता के चरणों में अर्पित करते हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि 28 जून, 1987 को ही आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज को आचार्य पद की उपाधि प्राप्त हुई थी, जिससे यह तिथि और भी विशेष बन जाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने आचार्य जी के विचारों को उद्धृत करते हुए कहा- जीवन तभी धर्ममय हो सकता है, जब वह सेवामय हो। यही विचार भारत की आत्मा से जुड़ा है, और यही सेवा भावना भारत को मानवता प्रधान राष्ट्र बनाती है। पीएम मोदी ने भारत की अहिंसा, सेवा और सह-अस्तित्व की परंपरा पर बल देते हुए कहा कि जब दुनिया हिंसा से हिंसा को समाप्त करने की कोशिश कर रही थी, तब भारत ने अहिंसा को समाधान के रूप में प्रस्तुत किया।

इस गरिमामय कार्यक्रम में अनेक साधु-संतों समेत जैन धर्मावलंबियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। प्रधानमंत्री ने अंत में आचार्य विद्यानंद जी के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके आशीर्वाद की कामना की।

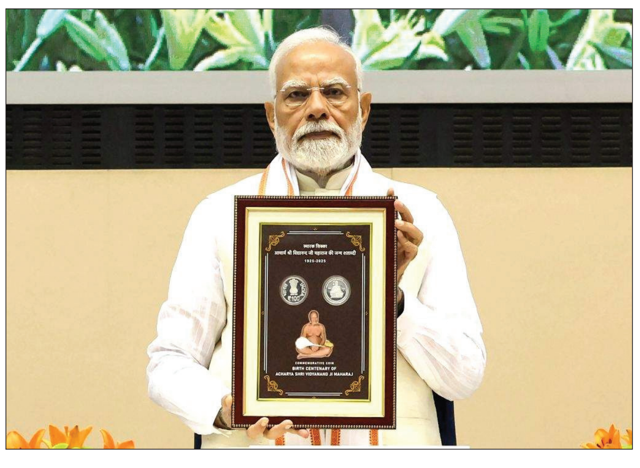

रॉ के नए चीफ बने पराग जैन, ऑपरेशन सिंदूर में निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ को नया बॉस मिल गया। रिसर्च एनालिसिस विंग (रॉ) के नए चीफ पराग जैन बन गए हैं। पराग जैन पंजाब कैडर के 1889 बैच के आईपीएस अफसर हैं। बतौर रॉ चीफ उनका कार्यकाल दो साल का होगा। वह रवि सिन्हा की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 जून को खत्म हो रहा है। पराग जैन फिलहाल एविएशन रिसर्च सेंटर का नेतृत्व कर रहे हैं। इस रिसर्च सेंटर ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी सशस्त्र बलों के बारे में खुफिया जानकारी इकट्ठा करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। रॉ की स्थापना 21 सितंबर 1968 को हुई थी। इस संस्था के पहले चीफ आरएन काव थे। रॉ सबसे प्रमुख काम विदेशों में भारत के खिलाफ साजिश का पता लगाना होता है। इसके अलावा यह सीक्रेट मिशन को भी अंजाम देते है। रॉ के प्रभारी प्रधानमंत्री की तरह ही होते हैं। रॉ चीफ अपनी डेली रिपोर्ट नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर को देते हैं।

मध्य प्रदेश की बेटी नंदिनी शर्मा मिस ग्रैंड इंडिया 2025 प्रतियोगिता में फहराएगी परचम

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की बेटी नंदिनी शर्मा मिस ग्रैंड इंडिया 2025 प्रतियोगिता में 'हर घर ग्रैंड मिस इंडिया' अभियान के तहत राज्य का परचम फहराने के लिए तैयार हैं। भोपाल की रहने वाली नंदिनी 13 जुलाई को दिल्ली में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में एमपी का प्रतिनिधित्व करेंगी। नंदिनी का सपना मिस ग्रैंड इंडिया का खिताब जीतना है, जिसे मध्य प्रदेश की कोई भी प्रतिभागी अब तक हासिल नहीं कर सकी है। अपने जीवन के संघर्षों और उपलब्धियों को साझा करते हुए नंदिनी ने बताया कि उन्होंने कम उम्र में ही एयर होस्टेस के रूप में काम करना शुरू कर दिया था और इस दौरान उन्हें कई देशों की यात्रा करने और विभिन्न संस्कृतियों से जुड़ने का मौका मिला। नंदिनी का मानना है कि आत्मविश्वास और मेहनत से हर सपना सच हो सकता है। वे उन सभी लड़कियों के लिए मिसाल बनना चाहती हैं जो छोटे शहरों से आती हैं लेकिन बड़े सपने देखती हैं। उन्होंने कहा, ꠸खुद पर भरोसा रखो, मेहनत करते रहो, और समय आने पर आपकी आवाज़ सब तक ज़रूर पहुंचेगी। नंदिनी का यह सफर न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे प्रदेश की बेटियों के लिए एक प्रेरणास्रोत है, जो अपने सपनों को साकार करने की राह पर चलने का हौसला पा रही हैं।

गुंडिचा मंदिर पहुंची भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

● अब नौ दिनों तक अपनी मौसी के यहां ठहरेंगे भगवान

दो दिन की रथ यात्रा में 10 लाख से ज्यादा भक्त पहुंचे

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में सालाना जगन्नाथ यात्रा का शनिवार को दूसरा दिन है। आज सुबह 10 बजे फिर रथयात्रा शुरू हुई। भक्तों ने तीनों रथों को खींचना शुरू किया। सुबह 11.20 बजे भगवान बलभद्र का रथ तालध्वज और दोपहर 12.20 बजे देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ और इनके बाद भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष रथ 1.11 बजे गुंडिचा मंदिर पहुंच गया है। मुख्य मंदिर से गुंडिचा मंदिर की दूरी 2.6 किमी दूर है। 8 लाख से ज्यादा श्रद्धालु होने की वजह से अभी दो से तीन घंटे और लग सकते हैं। गुंडिचा मंदिर में भगवान 9 दिन ठहरेंगे। पुरी में सुबह से हल्की बारिश हो रही है। इससे मौसम में अच्छा हो गया है। कल की अपेक्षा आज भीड़ 10-20 फीसदी कम रही, लेकिन कई लोग बीमार हो गए। पिछले दिन में 650 से श्रद्धालुओं के तबीयत खराब होने की खबर है। शुक्रवार को रथ यात्रा में 10 लाख से ज्यादा लोग थे। देर शाम देवी सुभद्रा के रथ के आसपास भीड़ का दबाव बढ़ने से 625 से श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ गई। प्रशासन के मुताबिक, 70 अस्पताल में भर्ती किया गया। इनमें से 9 की हालत गंभीर है। ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग ने कहा कि श्रद्धालुओं के बीमार होने का मुख्य कारण भीड़ है।

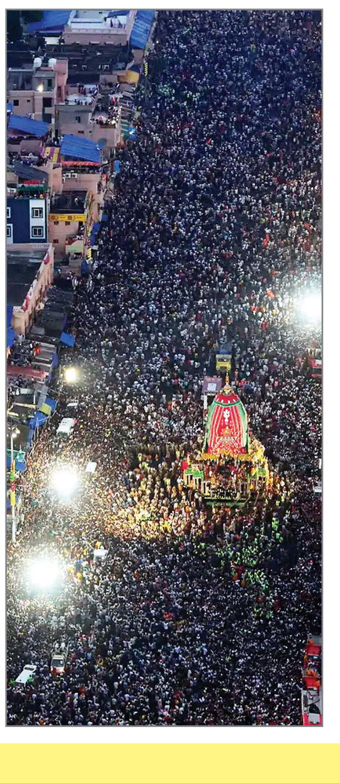

बीएचईएल को अडाणी पावर से मिला 6,500 करोड़ का ऑर्डर

मुंबई (एजेंसी)। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड यानी बीएचईएल को अडाणी पावर लिमिटेड से 6,500 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिला है। बीएचईएल ने शुक्रवार (27 जून) को इस बात की जानकारी दी है। इस ऑर्डर के तहत बीएचईएल को छह थर्मल पावर यूनिट्स बनाने का काम मिला है, जिनमें से हर एक की कैपेसिटी 800 मेगावाट होगी।

इस डील में बीएचईएल स्टीम टरबाइन जनरेटर और अन्य जरूरी डिवाइस सप्लाई करेगा। इसके अलावा कंपनी इन छह थर्मल यूनिट्स की स्थापना और शुरूआत की निगरानी भी करेगी। इस खबर से पहले आज भेल का शेयर 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ 263.45 रुपए पर बंद हुआ। हालांकि, बीते पांच दिन में कंपनी का शेयर 4 फीसदी चढ़ा है। एक महीने में 2 फीसदी और छह महीने में 12 फीसदी चढ़ा है। वहीं एक साल में कंपनी का शेयर 11 फीसदी गिरा है। कंपनी का मार्केट कैप 91.90 हजार करोड़ रुपए है।

समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता... बाबा साहब के संविधान नहीं : धनखड़

-आपातकाल के दौरान इन शब्दों को जोड़ा गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में कोई परिवर्तन नहीं हो सकता, क्योंकि यह वह बीज है जिस पर यह सारा दस्तावेज विकसित होता है। उन्होंने कहा कि भारत के अलावा किसी अन्य संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि लेकिन इस प्रस्तावना को 1976 के 42वें संविधान (संशोधन) अधिनियम द्वारा बदला गया था। उन्होंने कहा कि इसमें समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द जोड़े थे। धनखड़ ने कहा कि बी आर अंबेडकर ने संविधान पर बहुत मेहनत की और उन्होंने निश्चित रूप से इस पर ध्यान केंद्रित किया होगा। उन्होंने कहा कि भारत के अलावा किसी भी देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं हुआ। उपराष्ट्रपति धनखड़ का यह बयान पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में उनकी टिप्पणी आरएसएस द्वारा संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा करने के आह्वान के बाद आई है। संघ ने कहा कि इन्हें आपातकाल के दौरान शामिल किया था और ये अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा कभी नहीं थे। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने संघ महासचिव दत्तात्रेय होसबोले द्वारा इस बात पर राष्ट्रीय बहस के आह्वान की आलोचना की है कि क्या धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्दों को प्रस्तावना में रहना चाहिए या नहीं। आपातकाल के दिनों (1975-77) के दौरान संविधान की प्रस्तावना में शामिल किए गए दो शब्दों की समीक्षा के लिए होसबोले की जोरदार वकालत ने राजनीतिक विवाद को जन्म दिया।

गजब!

यूपी पुलिस का सिपाही इमरान ही है 'आस्तीन का सांप'

● नकली नोट से करता था ठगी, गैंग का निकला मास्टर माइंड

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। गाजियाबाद पुलिस में तैनात सिपाही इमरान के ठग गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। यह मामला तब सामने आया जब मेरठ की स्वाट टीम और मवाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर फर्जी नोटों की गड्डियां बनाकर लोगों से ठगी करने वाले गैंग का भंडाफोड़ किया। चौंकाने वाली बात यह रही कि इस गैंग का सरगना कोई और नहीं बल्कि खुद पुलिस विभाग का सिपाही निकला। गिरफ्तार सिपाही इमरान गाजियाबाद के भोजपुर थाने में तैनात है। आरोप है कि वह करीब 8-10 बदमाशों के साथ मिलकर फर्जी नोटों की गड्डियां दिखाकर लोगों को निवेश के नाम पर फंसा कर ठगी करता था। इस गिरोह ने कई लोगों को नकली नोटों के लालच में फंसाया और लाखों रुपये की वसूली की। पुलिस के अनुसार, इमरान और उसके साथियों की ठगी का तरीका बेहद शातिराना था। पहले वे लोगों को असली लगने वाली नकली नोटों की गड्डियां दिखाते थे और फिर मोटे मुनाफे का झांसा देकर उनसे रकम ठग लेते थे। जब पीड़ित को सच्चाई का एहसास होता, तब तक गिरोह फरार हो चुका होता। पुलिस ने इस कार्रवाई में इमरान समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से बड़ी मात्रा में नकली नोटों की गड्डियां, असलहा और कई वाहन बरामद किए गए हैं। पुलिस अब गिरोह के बाकी सदस्यों की तलाश में जुटी है। स्वाट टीम और मवाना पुलिस की यह कार्रवाई बेहद सराहनीय रही, जिसने एक पुलिसकर्मी के भेष में छिपे अपराधी को बेनकाब किया।

देश में पहली बार मोबाइल एप से वोटिंग

मोतिहारी की विभा पहली ई-वोटर बनीं

पटना (एजेंसी)। देश में पहली बार मोबाइल एप से वोटिंग हुई। बिहार के 26 जिलों की 42 नगर पालिकाओं के उपचुनाव शनिवार को हुए। इसमें छह नगर पालिकाओं में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर ई-वोटिंग हुई। यह प्रोजेक्ट वोटिंग सेंटर्स तक पहुंचने में असमर्थ लोगों को आसानी से वोटिंग कराने के लिए किया गया है। वोटिंग के लिए दो ऐप लॉन्च किए गए हैं। यह सुविधा लेने के लिए पहले से रजिस्ट्रेशन कराना था। चुनाव आयोग के अनुसार ई-वोटिंग के लिए 50 हजार से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक ई-वोटिंग हुई। दुबई, कतर जैसे देशों में रह रहे प्रवासी बिहारियों ने भी ऐप के जरिए वोटिंग की। मोतिहारी की विभा ने एप से पहला वोट डाला, जिससे वह देश की पहली ई-वोटर बन गई हैं।

पटना में दो विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित करने की तैयारी

● अब बिहार में उद्योग को मिलेगा बढ़ावा, सरकार हुई ऐक्टिव

पटना (एजेंसी)। बिहार में बनने वाले दो विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में उन औद्योगिक इकाइयों को जगह मिलेगी जो निर्यात को ध्यान में रखकर अपने उत्पाद तैयार करेंगी। दोनों एसईजेड में आधारभूत संरचना विकसित करने के लिए बियाडा की तकनीकी समिति ने प्रशासनिक स्वीकृति के लिए 109 करोड़ और 116 करोड़ रुपये का प्राक्कलन बियाडा बोर्ड को भेजा है। पिछले साल जुलाई में बिहार के लिए दो एसईजेड को मंजूरी दी गई थी पिछले साल 31 जुलाई को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बिहार के लिए दो एसईजेड को अपनी मंजूरी दी थी। एक एसईजेड बक्सर के नवानगर और एक पश्चिम चंपारण के कुमार बाग में बनाया जाना है। कुमारबाग एसईजेड पिछले साल पांच नवंबर को अधिसूचित किया गया था। बक्सर के नवानगर विशेष आर्थिक क्षेत्र को 19 नवंबर को अधिसूचित किया गया था। दोनों एसईजेड को औद्योगिक क्षेत्र में जमीन उपलब्ध करा दी गई है। उद्योग विभाग ने एसईजेड के संचालन की पूरी व्यवस्था को समझने के लिए पिछले साल दिसंबर में अपनी तीन सदस्यीय टीम मुंबई भेजी थी।

यदि कोई आपके प्रति अपनेपन की भावना रखता तो आप भी स्नेह और करुणा रखें

संघ प्रमुख बोले-हिंदू समुदाय ने विश्व को एकता के सूत्र में बांधने की जिम्मेदारी ली

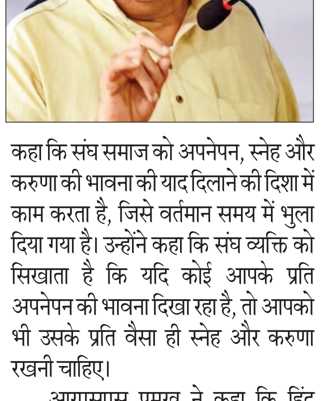

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने समाज में स्नेह और करुणा को बढ़ावा देते हुए कहा कि ऐसे दौर में जब सामाजिक स्नेह कम होता जा रहा है, आरएसएस इन मूल्यों को फिर से स्थापित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। भागवत ने ये टिप्पणी एक पुस्तक के विमोचन कायर्क्रम के दौरान की।

भागवत ने शुक्रवार को कहा कि आरएसएस का मिशन यह तय करना है कि संपूर्ण हिंदू समाज अपनापन और स्नेह की भावना से एक सूत्र में बंधा रहे। उन्होंने कहा कि पशुओं के विपरीत मनुष्य के पास बुद्धि होती है। बुद्धि के विवेकपूर्ण इस्तेमाल से वह और भी बेहतर बन सकता है, लेकिन उसी बुद्धि का गलत तरीके से इस्तेमाल करने से वह और भी बुरा बन सकता है। एकमात्र चीज जो उसे बुरा बनने से रोकती है, वह है स्नेह और अपनापन की भावना।

उन्होंने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं कि लोग स्वार्थी हो जाने पर बुराई की ओर झुक जाते हैं। वहीं, अगर कोई व्यक्ति स्नेह और करुणा की ओर झुक जाता है, तो वह ईश्वरीय स्वरूप प्राप्त कर लेता है और खडीवाले की जीवन यात्रा इसकी एक बानगी है। भागवत ने कहा कि संघ समाज को अपनेपन, स्नेह और करुणा की भावना की याद दिलाने की दिशा में काम करता है, जिसे वर्तमान समय में भुला दिया गया है। उन्होंने कहा कि संघ व्यक्ति को सिखाता है कि यदि कोई आपके प्रति अपनेपन की भावना दिखा रहा है, तो आपको भी उसके प्रति वैसा ही स्नेह और करुणा रखनी चाहिए।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि हिंदू समुदाय ने पूरे विश्व को एकता की भावना के सूत्र में बांधने की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी में 'गिविंग बैक' शब्द हाल ही में प्रचलन में आया है, लेकिन भारत में यह भावना काफी समय से मौजूद है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने ग्वाटेमाला और होंडुरास के साथ शरणार्थियों को लेने का समझौता किया

वाशिंगटन, एजेंसी। ग्वाटेमाला और होंडुरास ने अमेरिका के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत, अब ये देश उन लोगों को शरण देंगे, जो पहले अमेरिका में शरण मांगने की सोचते थे। यह जानकारी अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने दी। वह इस समय मध्य अमेरिका के दौरे पर हैं। क्रिस्टी नोएम ने कहा कि इस समझौते से लोगों को अमेरिका के अलावा किसी और सुरक्षित देश में रहने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि अमेरिका इन समझौतों को लागू करवाने के लिए ग्वाटेमाला और होंडुरास पर कई महीनों से दबाव बना रहा था। उन्होंने कहा, अब से होंडुरास और ग्वाटेमाला ऐसे देश होंगे, जो दूसरे देशों से आए लोगों को शरण देंगे और उन्हें शरणार्थी का दर्जा भी देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका कभी नहीं चाहता था कि वह शरणार्थियों के लिए एकमात्र विकल्प हो। जरूरी यह है कि उन्हें किसी भी सुरक्षित जगह शरण मिले, चाहे वह अमेरिका हो या कोई और देश।

जापान में नौ लोगों के हत्यारे को फांसी की सजा

टोक्यो, एजेंसी। जापान के न्याय मंत्रालय ने कहा कि टोक्यो में अपने अपार्टमेंट में नौ लोगों की हत्या और शवों के टुकड़े-टुकड़े करने के मामले में दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति को शुक्रवार को फांसी दे दी गई। ट्विटर किलर ताकाहिरो शिराशी को 2017 में नौ लोगों की हत्या के लिए 2020 में मौत की सजा सुनाई गई थी। इनमें से ज्यादातर ने सोशल मीडिया पर आत्महत्या के विचार पोस्ट किए थे। उसे महिला पीड़ितों का यौन शोषण करने का भी दोषी ठहराया गया था। शिराइशी को टोक्यो डिटेंशन हाउस में अत्यंत गोपनीयता के साथ फांसी दी गई। पुलिस ने 2017 में उसके अपार्टमेंट में कोल्ड स्टोरेज केस में आठ महिलाओं और एक पुरुष के शव मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया था।

एआई के प्रभाव को लेकर भारत के साथ काम कर रहा यूनेस्को

पेरिस, एजेंसी। यूनेस्को के सामाजिक एवं मानव विज्ञान क्षेत्र की एआई इकाई के नैतिकता प्रमुख इराकली खोडेली ने कहा कि यूनेस्को तकनीकी नवाचार के साथ सामाजिक और आर्थिक मुद्दों के समाधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव पर भारत के साथ काम कर रहा है। भारत को अगले साल की शुरुआत में एआई प्रभाव पर वैश्विक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करनी है। उन्होंने कहा कि डिजिटल परिवर्तन के मामले में तथा तकनीकी नवाचार और सही नीति के साथ कुछ सामाजिक और आर्थिक मुद्दों के समाधान के मामले में भारत शेष विश्व के लिए एक चमकता सितारा है। दुनिया इस बारे में जानने के लिए भारत की ओर देख रही है। यह अगले साल के शिखर सम्मेलन का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि एआई के प्रभाव को प्रदर्शित करने के लिए कार्रवाई की जाए। हमें उम्मीद है कि हम भारत सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे क्योंकि हम अगले साल की शुरुआत में भारत द्वारा आयोजित एआई प्रभाव पर वैश्विक शिखर सम्मेलन की तैयारी शुरू कर रहे हैं।

क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक 1 जुलाई को

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो 1 जुलाई को वाशिंगटन डीसी में क्वाड देशों- ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेंगे। यह जानकारी बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने दी। प्रेस ब्रीफिंग में पिगॉट ने कहा, अगले हफ्ते, विदेश मंत्री रुबियो 1 जुलाई को क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेंगे। यह बैठक इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को स्वतंत्र, खुला और सुरक्षित बनाने के हमारे लक्ष्य को आगे बढ़ाएगी। यही अमेरिकी नेतृत्व की पहचान है- ताकत, शांति और समृद्धि।

मेक्सिकन राष्ट्रपति ने बैंकों पर यूएस प्रतिबंधों की निंदा की

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को अमेरिका द्वारा मेक्सिको के तीन बैंकों पर लगाए गए प्रतिबंधों की निंदा की। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने इन बैंकों पर धन शोधन के जो आरोप लगाए हैं, उनके लिए अभी तक कोई सबूत नहीं दिया है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने बुधवार को सीआईबैंको, इंटरकैम बैंको और वेक्टर कासा डी बोल्सा पर प्रतिबंध लगाए। इन पर आरोप है कि इन्होंने मेक्सिकन ड्रग माफिया को करोड़ों डॉलर का धन हस्तांतरण की सुविधा प्रदान की है। लेकिन राष्ट्रपति शिनबाम ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने बार-बार पूछे जाने पर भी ये नहीं बताया कि आखिर क्या सबूत हैं कि इन बैंकों ने कोई गलत काम किया है। उन्होंने कहा, ट्रेजरी विभाग ने कोई सबूत नहीं दिया कि मनी लॉन्ड्रिंग हुई थी। हम किसी को बचा नहीं रहे, लेकिन अगर उन्होंने आरोप लगाए हैं तो उन्हें सबूत भी देने चाहिए।

ओबामा बोले- अमेरिका लोकतंत्र से भटक रहा: ट्रम्प सरकार देश को खोखला कर रही, ट्रेड वॉर से खतरे में देश की गरिमा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने पिछले हफ्ते अमेरिकी राज्य कनेक्टिकट के हार्टफोर्ड शहर में एक कार्यक्रम में भाषण दिया। प्रसिद्ध इतिहासकार हीदर कॉक्स के साथ चर्चा में ओबामा ने देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चिंता जताई और युवाओं से देश को बचाने की अपील की। ओबामा ने ट्रम्प सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जो लोग आज अमेरिका की सरकार चला रहे हैं, वे लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जरूरी है कि सरकार के बाहर और अंदर दोनों जगह से गलत चीजों का विरोध हो। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। ओबामा ने कहा कि व्यापारिक सौदों में डराया जा रहा है, जो केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक रूप से भी खतरनाक है। उन्होंने अपने कार्यकाल की तुलना करते हुए कहा कि चीन की बढ़ती ताकत के बावजूद उन्होंने टैरिफ जैसे उपायों का बेजा इस्तेमाल नहीं किया था, क्योंकि यह अमेरिका की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने ट्रेड वॉर को गलत बताते हुए कहा कि इससे देश की गरिमा खतरे में है।

हंगरी जैसे देशों के रास्ते पर बढ़ रहा अमेरिका : ओबामा ने अमेरिका की तुलना हंगरी जैसे देशों से की, जहां चुनाव तो होते हैं, लेकिन वहां सच में लोगों की आवाज की कद्र नहीं होती और नेता मनमानी करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका भी अब ऐसे ही रास्ते पर बढ़ रहा है, जहां कानून और लोकतंत्र की असली भावना कमजोर हो रही है। ओबामा ने चेतावनी दी कि अमेरिका में भी हालात उस दिशा में बढ़ते दिख रहे हैं। ओबामा ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव का उदाहरण दिया, जिसमें बाइडेन ने जीत हासिल की थी, लेकिन हारने वाले डोनाल्ड ट्रम्प ने धोखाधड़ी के झूठे आरोप लगाए। ओबामा ने पुतिन और केजीबी का उदाहरण दिया ओबामा ने इंटरव्यू में कहा कि सत्ता में बैठे लोग अक्सर उस माहौल का फायदा उठाते हैं, जहां लोगों को यह पता ही नहीं होता कि सच क्या है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन और उनके केजीबी (जासूसी एजेंसी) की एक कहावत है, जिसे अमेरिका में ट्रम्प के सलाहकार स्टीव बैनन ने भी अपनाया। इस कहावत का मतलब है कि अगर आप चाहते हैं कि लोगों का दिमाग उलझ जाए, तो उन्हें सच्चाई समझाने की जरूरत नहीं है। उस माहौल में इतना ज्यादा झूठ और बकवास भर दो कि लोगों को लगे, अब किसी बात पर यकीन करना ही फिजूल है।

जब लोग सच से हार मान लें, तभी तानाशाही पनपती है : ओबामा ने आगे कहा- इससे फर्क नहीं पड़ता कि कोई नेता बार-बार झूठ बोल रहा है, या कोई राष्ट्रपति यह दावा कर रहा है कि उसने चुनाव नहीं हारा, बल्कि जीत हासिल की है, और चुनाव में गड़बड़ी हुई थी। लेकिन जब वही नेता चुनाव जीत जाता है, तो वह गड़बड़ी अचानक गायब हो जाती है। झूठ पर कौन यकीन करता है, ये इतना मायने नहीं रखता, असली समस्या तब है जब लोग इन सबसे हार मानकर कहने लगते हैं, अब तो कुछ फर्क ही नहीं पड़ता। जब लोग सच से हार मान लेते हैं, तभी तानाशाही पनपती है। ओबामा ने आगे कहा कि अमेरिका की एक बड़ी राजनीतिक पार्टी (रिपब्लिकन पार्टी) में आज यही हो रहा है। कई नेता जानते हैं कि जो बातें हो रही हैं वो सच नहीं हैं, लेकिन फिर भी वे ऐसा नाटक करते हैं जैसे सबकुछ ठीक और सच हो। यह बहुत खतरनाक स्थिति है।

ओबामा ने लोगों से कानून के पक्ष में खड़े होने की अपील की : ओबामा ने कहा कि अमेरिकी संविधान में लोकतांत्रिक नियम-कायदे भले ही शुरुआत में अधूरे थे, लेकिन समय के साथ इन्हें मजबूत किया गया। इससे नागरिकों को बुनियादी अधिकार मिले, जैसे कि बिना कानूनी प्रक्रिया के किसी को सड़क से उठाकर किसी और देश नहीं ले जाया जा सकता। यह कोई राजनीतिक विचार नहीं था, बल्कि एक साझा अमेरिकी मूल्य था। ओबामा ने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से अब तक का यह दौर अमेरिकी लोकतंत्र के लिए सबसे कठिन समय है। अमेरिकी सरकार का नेतृत्व ऐसे हाथों में है जिन्हें कानून के शासन, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और प्रेस की आजादी में आस्था नहीं है। यह सत्ता संविधान की शपथ लेकर भी उस पर आस्था नहीं दिखा रही। ओबामा ने कहा कि आज जरूरत है कि सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि सरकार में मौजूद अधिकारी, चाहे वे किसी भी पार्टी से हों, कानून के पक्ष में खड़े हों और कहें, नहीं, यह गलत है। कानून यही कहता है और हमें उसका पालन करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकारी तंत्र में ऐसे लोग न हों, तो लोकतंत्र की दिशा बिगड़ सकती है। लोकतंत्र अपने आप नहीं चलता। इसके लिए लोगों की जरूरत होती है। जज, न्याय विभाग के अफसर, सरकार के अंदर ऐसे लोग जो संविधान की रक्षा की शपथ को गंभीरता से लें, ओबामा ने कहा। अगर ऐसा नहीं होता, तो देश धीरे-धीरे तानाशाही जैसी व्यवस्था की ओर बढ़ सकता है। कार्यक्रम के अंत में जब उनसे पूछा गया कि वह युवाओं को क्या संदेश देना चाहते हैं, तो ओबामा ने कहा कि वह अब भी आशावादी हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि गलत चीजों के खिलाफ गुस्सा जरूरी है, लेकिन बदलाव लाने के लिए जोड़ने वाली सोच जरूरी है। उन्होंने कहा कि आपको उन लोगों से भी बातचीत करनी होगी जो आपसे हर बात पर सहमत नहीं हैं, लेकिन कुछ बातों पर हो सकते हैं।

मधेसी पार्टी जसपा ने वापस लिया समर्थन, उच्च सदन में अल्पमत में आई ओली सरकार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में प्रमुख मधेसी पार्टी जनता समाजवादी पार्टी (जसपा) नेपाल ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन से औपचारिक रूप से समर्थन वापस ले लिया है। इससे ओली सरकार उच्च सदन नेशनल असेंबली में अल्पमत में आ गई है। हालांकि उपेंद्र यादव के नेतृत्व वाली जसपा के समर्थन वापस लेने से गठबंधन सरकार पर तत्काल कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि उसके पास प्रतिनिधि सभा में पर्याप्त संख्या है। ओली की पार्टी ने कहा कि उसे जसपा नेपाल के समर्थन वापस लेने का कोई कारण नहीं दिखता है। जसपा नेपाल ने 23 और 24 जून को हुई पार्टी की कार्यकारी परिषद की बैठक के दौरान सरकार से समर्थन वापस लेने का निर्णय लिया था। जसपा नेपाल के उपाध्यक्ष शिव लाल थापा ने बताया कि पार्टी अब कुछ दिनों में संसदीय दल की बैठक बुलाने के बाद संसद के अध्यक्ष को आधिकारिक रूप से अपना निर्णय बताएगी। उन्होंने बताया कि पिछले साल नेपाली कांग्रेस के समर्थन से सरकार का नेतृत्व संभालते समय ओली ने भ्रष्टाचार समाप्त करने, सुशासन लाने, आर्थिक प्रगति करने और संविधान में संशोधन करने का वादा किया था। हमने इन चार एजेंडों पर सरकार को समर्थन दिया था। लेकिन एक साल बाद भी हमें नहीं लगता कि सरकार को इन मुद्दों की कोई चिंता है। इसलिए हमने ओली के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लेने का फैसला किया है। नेशनल असेंबली में 18 सदस्यों के साथ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी सेंटर) सबसे बड़ी पार्टी है। इसके बाद 16 सदस्यों के साथ नेपाली कांग्रेस है जबकि ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के 11 सदस्य हैं और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत समाजवादी) के पास आठ सीटें हैं।

ईरान पर अमेरिकी हमलों के बाद परमाणु अप्रसार संधि को लेकर फ्रांस चिंतित, मैक्रों ने ट्रंप से कही ये बात

ब्रुसेल्स, एजेंसी। ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के बाद परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) को लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं। इस मुद्दे पर फ्रांस की चिंता बढ़ गई है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का कहना है कि अमेरिकी हमलों से ईरान को नुकसान हुआ है। अब साफ है कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) से खुद को बाहर कर लेगा। मैक्रों का कहना है कि यह स्थिति सबसे खराब होगी। इस मामले को लेकर मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से बात भी की है। मैक्रों ने कहा कि अमेरिकी हमलों का नतीजा यह होगा कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि से बाहर निकल जाएगा। इसलिए यह एक भटकाव और सामूहिक रूप से कमजोर हो जाएगा। हमारी कोशिश है कि हम संधि को कायम रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांचों सदस्य से बात करेंगे। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप से बात की और कहा कि हमले के बाद हमने तेहरान से संपर्क किए हैं। हमें उम्मीद है कि हमारे विचार समान होंगे। हमारा उद्देश्य यह है कि ईरान द्वारा परमाणु निर्माण कार्य पुनः शुरू न किया जाए। ईरान ने 1950 के दशक के अंत में अमेरिका की तकनीकी सहायता से अपने परमाणु कार्यक्रम की नींव रखी। उस समय शाह मोहम्मद रजा पहलवी ईरान के शासक थे।

बांग्लादेश में मंदिर पर चला बुलडोजर, भारत ने जताई नाराजगी; कहा- सुरक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बने एक अस्थायी दुर्गा मंदिर को ढहाने को लेकर भारत ने कड़ी नाराजगी जताई है। भारत ने साफ कहा है कि बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को मंदिर को सुरक्षा देनी चाहिए थी, लेकिन उसने इसे अवैध कब्जा बताकर गिरा दिया। इस घटना में मूर्ति को भी नुकसान पहुंचा है। दिल्ली में साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हमें जानकारी मिली है कि कुछ चरमपंथी ढाका के खुलीखेत में बने दुर्गा मंदिर को गिराने की मांग कर रहे थे। लेकिन अंतरिम सरकार ने मंदिर की सुरक्षा करने के बजाय इसे अवैध कब्जा बता दिया और आज मंदिर ढहा दिया गया।

मूर्ति को भी नुकसान, भारत ने जताई चिंता : जयसवाल ने आगे कहा कि इस कार्रवाई के दौरान मंदिर में स्थापित मूर्ति को भी नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा कि हम इस बात से बेहद दुखी हैं कि बांग्लादेश में ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हिंदू समुदाय, उनकी संपत्ति और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

रेलवे जमीन पर बना था अस्थायी मंदिर : दरअसल, बांग्लादेश रेलवे प्रशासन ने गुरुवार को ढाका के खुलीखेत इलाके में बने अस्थायी दुर्गा मंदिर को गिरा दिया। प्रशासन का दावा है कि मंदिर रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से बनाया गया था। मंदिर गिराने की यह कार्रवाई ऐसे वक्त हुई जब तीन दिन पहले ही भीड़ ने मंदिर हटाने की मांग की थी।

स्थानीय लोगों और संगठनों ने की निंदा : मंदिर कमेटी और अल्पसंख्यक संगठनों ने मंदिर गिराने की निंदा की है। मंदिर कमेटी के सचिव अर्जुन रॉय ने बताया कि उन्होंने पिछले साल दुर्गा पूजा के लिए रेलवे से अस्थायी अनुमति ली थी, लेकिन इस बार बिना कोई नोटिस दिए मंदिर गिरा दिया गया। उन्होंने कहा कि हमें बहुत दुख है कि प्रशासन ने बिना सूचना के कार्रवाई कर दी।

प्रशासन ने बताया गैरकानूनी कब्जा : ढाका रेलवे डिवीजन के संपत्ति अधिकारी मोहम्मद नासिर उद्दीन महमूद ने दावा किया कि रेलवे की जमीन पर अवैध निर्माण किया गया था। उन्होंने कहा कि हमें सोमवार को जानकारी मिली कि वहां एक अस्थायी मंदिर बनाया गया है।

अमेरिका ने दोबारा हमला बोला तो ईरान उसके सैन्य ठिकाने पर हमला करेंगे: खामनेई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने कहा कि ईरान भविष्य में किसी भी अमेरिकी हमले का जवाब पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला करके देगा। उन्होंने यह बात ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध विराम के बाद पहली बार टेलीविजन पर दिए गए अपने बयान में कही। इससे पहले बीते दिन खामनेई ने कहा था, ;उनके देश ने अमेरिका के चेहरे पर तमाचा मारा है। उनकी यह टिप्पणी इसलिए अहम है, क्योंकि 12 दिनों के वार-पलटवार के बाद इस्राइल के साथ संघर्षविराम हुआ। इससे पहले अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया। इसके बाद पहली बार गुरुवार को खामनेई का संदेश देश के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित हुआ। इस्राइल के साथ जारी संघर्ष के बीच अमेरिकी हस्तक्षेप को लेकर खामनेई ने कहा था, अमेरिका ने युद्ध में केवल इसलिए हस्तक्षेप किया, क्योंकि उसे लगा कि अगर हस्तक्षेप नहीं किया गया, तो इस्राइल में यहूदी शासन पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। खामनेई ने कहा कि अमेरिका को इस युद्ध से कोई लाभ नहीं हुआ। उन्होंने यह भी कहा था कि इस्लामी गणराज्य विजयी रहा। बदले में ईरान ने अमेरिका के चेहरे पर तमाचा मारा। उन्होंने कथित तौर पर सोमवार को कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डे- अल उदीद पर ईरानी मिसाइल हमले की तरफ संकेत दिया। खामनेई ने चेतावनी दी और कहा कि ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी दोहराई जा सकती है। टकराव शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखे गए थे खामनेई 86 वर्षीय खामनेई बीते 13 जून को इस्राइल के साथ टकराव शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखे गए थे। इस्राइली सेना ने ईरान के परमाणु ठिकानों, प्रमुख सैन्य कमांडरों और वैज्ञानिकों को निशाना बनाया था। इसके बाद खामनेई गुप्त स्थान पर चले गए थे। सीजफायर होने के दो दिन बाद गुरुवार को देश की जनता को संबोधित करने सामने आए खामनेई भूरे रंग के साधारण परदों के सामने बैठकर संदेश देते दिखाई दिए। उन्होंने 19 जून को भी ऐसा ही किया था। बीते 22 जून को अमेरिकी सेना ने ईरान पर हमले के लिए बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल किया था। तीन परमाणु ठिकानों को निशाना बनाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अगले ही दिन कहा था कि ईरान ने कतर में उनके सैन्य अड्डे पर पलटवार करते हुए अपनी भड़ास निकाल ली है। अमेरिका ने ईरान के 14 में 13 मिसाइल नाकाम कर दिए। 12 दिनों तक चले मिसाइलों के ताबड़तोड़ हमलों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते 24 जून को कहा कि इस्राइल और ईरान के बीच युद्धविराम को लेकर सहमति बन गई है।

ट्रंप की बेटी से लेकर बिल गेट्स तक, बेजोस की शादी में सितारों ने लगाए चार चांद; खर्च पर उठे सवाल

वेनिस, एजेंसी। दुनिया के चौथे सबसे अमीर व्यक्ति और अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ने पत्रकार लॉरेन सांचेज से शादी करने के लिए इटली के खूबसूरत शहर वेनिस को चुना है। इस शादी को सदी की सबसे बड़ी शादी कहा जा रहा है। वेनिस में तीन दिनों तक चलने वाले इस भव्य समारोह की शुरुआत गुरुवार को हुई, जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। शादी में शामिल होने के लिए दुनियाभर से करीब 200 से 250 हाई-प्रोफाइल मेहमान पहुंचे हैं। इनमें बिल गेट्स, ओपरा विन्फ्रे, ऑरलैंडो ब्लूम, जॉर्डन की क्वीन, क्रिस जेनर, किम और क्लोई कार्डेशियन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका और दामाद जेरेड कुश्नर पहले ही शहर में पहुंच गए हैं और समय का आनंद लेते हुए वो लोग खरीदारी कर रहे हैं। दरअसल , इस शादी का जश्न एक दिन नहीं बल्कि 3 दिन तक चलेगा।

शादी पर विरोध भी जारी : इस आलीशान समारोह को लेकर स्थानीय लोगों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी भी देखी जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने इसे वेनिस को अमीरों के लिए बेचने की मिसाल बताया है। गुरुवार को एक प्रदर्शनकारी ने सेंट मार्क स्क्वायर पर चढ़कर दुनिया को 1त्न अमीर लोग बर्बाद कर रहे हैं लिखी हुई बैनर लहराया। गुरुवार शाम को वेनिस के ऐतिहासिक मदोन्ना डेलऑर्टो चर्च में पहला कार्यक्रम आयोजित हुआ। यह चर्च अपनी 16वीं सदी की प्रसिद्ध पेंटिंग्स के लिए जाना जाता है। स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के चलते शाम 4:30 बजे से आधी रात तक इलाके में लोगों और नावों की आवाजाही पर रोक लगा दी। शानदार होटल में ठहरे बेजोस और सांचेज बेजोस और सांचेज हेलीकॉप्टर से बुधवार को वेनिस पहुंचे और ग्रैंड कैनाल के किनारे स्थित आलीशान अमान होटल में रुके। यहां एक कमरे का किराया करीब 4,000 यूरो यानी लगभग 4.68 लाख रुपये प्रति रात है। शुक्रवार को सेंट मार्क स्क्वायर के सामने स्थित सैन जॉर्जियो द्वीप पर शादी का मुख्य कार्यक्रम होगा। हालांकि, इसे केवल प्रतीकात्मक शादी बताया जा रहा है। जहां कुछ लोग इस आयोजन को वेनिस की गरिमा के खिलाफ बता रहे हैं, वहीं कई स्थानीय लोग इसे शहर की अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद मानते हैं। होटल मालिकों और टूर गाइड्स का कहना है कि अमीर मेहमानों के खर्च से शहर को फायदा होता है।

ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई को मारना चाहता था इजराइल

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने गुरुवार को कहा कि इजराइल ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को खत्म करना चाहता था। काट्ज ने चैनल 13 के साथ एक इंटरव्यू में कहा, अगर खामेनेई हमारी पहुंच में होते, तो हम उन्हें मार गिराते। काट्ज ने कहा, इजराइल खामेनेई को खत्म करना चाहता था, लेकिन ऐसा करने का कोई मौका नहीं था। काट्ज से जब पूछा गया कि क्या इजराइल ने अमेरिका से इसकी इजाजत मांगी थी, उन्होंने जवाब दिया, हमें इन चीजों के लिए किसी की इजाजत की जरूरत नहीं है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बाद अब अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने दोहराया है कि 22 जून को उसके हमले से ईरान के न्यूक्लियर ठिकानें पूरी तरह से तबाह हो गए। हेगसेथ ने जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन के साथ डिफेंस डिपार्टमेंट के हेडक्वार्टर पेंटागन में ईरान हमले पर मीडिया को संबोधित किया। हेगसेथ ने कहा, ईरान पर अमेरिका का हमला ऐतिहासिक रूप से सफल हमला था। हेगसेथ ने उस खुफिया रिपोर्ट की जानकारी देने के लिए पत्रकारों को फटकार लगाई, जिसमें कहा गया था कि ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम को हमलों से मामूली नुकसान पहुंचा है। इजराइली सेना बोली- ईरान के खिलाफ सभी टारगेट हासिल किए इजराइली सेना ने कहा है कि उसने ईरान के साथ 12 दिनों तक चले संघर्ष में सभी टारगेट हासिल किए हैं। सेना ने इसे ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया था। सेना ने इस ऑपरेशन को साहसी, सटीक और सफल बताया है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि, 12 दिनों के भीतर हमने लक्ष्य पूरे किए और ईरान के अंदर गहराई तक हमला किया। इससे ईरान का सैन्य परमाणु कार्यक्रम, बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता और इजराइल के खिलाफ साजिश रचने वाले प्रमुख लोगों को खत्म कर दिया गया। इजराइल मंत्री बोले- खतरा लगा तो फिर ईरान पर हमला करेंगे इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने चेतावनी दी है कि अगर इजराइल को ईरान से कोई खतरा महसूस हुआ, तो वह उस पर एक बार फिर हमला करेगा। उन्होंने कहा कि इस बार हमला गाजा या लेबनान से सौ गुना ज्यादा बड़ा होगा। अमेरिकी विदेश मंत्री ने इजराइल-ईरान सीजफायर पर पाकिस्तान पीएम से बात की अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने इजराइल-ईरान सीजफायर पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बात की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी है। इसमें क्षेत्रीय स्थिरता और शांति बनाए रखने के लिए कूटनीतिक तरीकों पर चर्चा हुई। इससे पहले पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात की थी। ट्रम्प ने बैठक के दौरान कहा था कि ईरान को लेकर पाकिस्तान की समझ बाकी देशों से बेहतर है। ईरान पर हमलों को लेकर अमेरिकी सीनेट सदस्यों को ब्रीफिंग दी गई ईरान की तीन परमाणु साइटों पर अमेरिकी हमलों को लेकर गुरुवार को सीनेट के सदस्यों को ब्रीफिंग दी गई। यह ब्रीफिंग बंद कमरे में हुई। यह गोपनीय ब्रीफिंग सीआईए डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ, विदेश मंत्री मार्को रूबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के प्रमुख जनरल डैन केन ने दी।

नगर निगम क्षेत्र को जलभराव मुक्त और विकसित बनाना हमारा साझा संकल्प

यमुनानगर। बारिश में हुए जलभराव की वास्तविक स्थिति व जलभराव के कारण जानने को लेकर मेयर सुमन बहमनी तीन दिन से फील्ड में उतरी हुई है। वार्ड नंबर 21, 20 व 22 का दौरा करने के बाद मेयर सुमन बहमनी ने अब वार्ड नंबर एक, 10 व आठ में जलभराव का जायजा लिया। निगम द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों का निरीक्षण कर गुणवत्ता की जांच की। जलभराव के प्रभावित लोगों के घर जाकर उनकी समस्याएं सुनी और उनके प्रति संवेदना प्रकट करते हुए उनकी समस्याओं का जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया। सबसे पहले मेयर सुमन बहमनी वार्ड नंबर एक में पहुंची। यहां उन्होंने वार्ड पार्षद रीना रस्तोगी के साथ रटौली गांव में बन रहे नाले के निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। स्थानीय नागरिकों द्वारा नाले निर्माण में निम्न गुणवत्ता की सामग्री इस्तेमाल किए जाने की शिकायत की। महापौर ने निगम अधिकारियों और निर्माण कार्य कर रही एजेंसी को सख्त निर्देश दिए। अधिकारियों को नाले की निर्माण सामग्री की जांच कराने के आदेश दिए। मेयर बहमनी ने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं होगा। कार्य को सही ढंग से और तय मानकों के अनुसार पूरा किया जाए। वहीं, उन्होंने वार्ड में जलभराव वाले इलाकों का दौरा किया। वार्ड एक के बाद मेयर सुमन बहमनी अधिकारियों के साथ वार्ड नंबर 10 में पहुंची। यहां उन्होंने पार्षद प्रतिनिधि पवन प्रताप यादव खालसा कॉलेज रोड व आजाद नगर की विभिन्न गलियों और यमुना नहर तक जलभराव के सभी प्रमुख प्वाइंट का निरीक्षण कर उन्हें चिन्हित किया। मेयर बहमनी ने सफाई अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पार्षदों के साथ समन्वय बनाकर चिन्हित जलभराव स्थलों पर त्वरित कार्रवाई करें। नालों में जहां गंदगी व गाद जमा है, उसे तुरंत साफ कराए। ताकि बारिश के मौसम में नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो। इसके उपरांत मेयर अधिकारियों संग वार्ड नंबर 8 की प्रोफेसर कॉलोनी पहुंची। हाल में हुई बारिश के कारण प्रोफेसर कॉलोनी के मुकंद लाल कॉलेज होस्टल रोड पर सड़क में बड़ा गड्ढा बन हुआ था। मेयर ने विभाग पहुंचा इसका निरीक्षण किया। उन्होंने वीडियो कॉल के माध्यम से अधिकारियों को मौके की स्थिति दिखाई और गड्ढों को तुरंत ठीक करने के निर्देश दिए। इसके अलावा मेयर ने प्रोफेसर कॉलोनी के लोगों के घरों में जलभराव की स्थिति का भी जायजा लिया।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने ओएनजीसी कम्युनिटी सेंटर में आयोजित ऑल इण्डिया ऑइल सैक्टर मीट कार्यक्रम में प्रतिभाग किया

कौमी पत्रिका

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को ओएनजीसी कम्युनिटी सेंटर, देहरादून में आयोजित ऑल इण्डिया ऑइल सैक्टर मीट कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार इकॉनमी, इकोलॉजी और टेक्नोलॉजी में समन्वय के साथ ग्रीन एनर्जी को ब ?ावा देने का कार्य कर रही है। राज्य में मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना से स्वच्छ और हरित ऊर्जा को ब ?ावा दिया जा रहा है। प्रदेश में टिहरी, कोटेश्वर, पीपलकोटी, लखवा ?, विष्णुगा ? जैसी जल विद्युत परियोजनाएं उत्तराखंड को ऊर्जा हब में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राज्य में जियो थर्मल के क्षेत्र में अनेकों संभावना है, जिस पर राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा प्राकृतिक संसाधन किसी भी राष्ट्र को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ईंधन, राष्ट्र के विकास के साथ ही हमारी दैनिक आवश्यकताओं को भी पूरा करता है। देश में कच्चे तेल का कुल उत्पादन का 70 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस उत्पादन का 84 प्रतिशत योगदान देकर ओएनजीसी भारत की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर और विकसित भारत का संकल्प हमारे सामने रखा है। देश 2047 में विकसित भारत बनने का संकल्प लेकर आगे ब ? रहा है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश

की ऊर्जा सुरक्षा के लिए पेट्रोलियम भंडार की स्थापना की गई है। ग्रीन हाइड्रोजन के साथ सौर ऊर्जा को भी ब ?ावा दिया जा रहा है। ऊर्जा के कई वैकल्पिक स्रोतों पर कार्य किया जा रहा है। इन सभी प्रयासों ने भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में सक्षम बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेल एवं प्राकृतिक गैस के क्षेत्र में अनेक कार्य किए गए हैं। वन नेशन, वन ग्रिड के अंतर्गत गैस पाईप लाईनों का विस्तार किया जा रहा है। गैस वितरण प्रणाली को विस्तार देकर पहले से सुविधाजनक बनाया गया है। बायो सीएनजी प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। उज्ज्वला गैस योजना जैसी योजनाओं ने समाज में क्रांति लाने का काम किया है। तेल उत्पादन के लिए कई नीतियां भी लागू की गई हैं। भारत ने विदेशों में भी तेल एवं प्राकृतिक क्षेत्र में निवेश को ब ?ाया है। उन्होंने कहा ओएनजीसी ने उत्तराखंड कई ऐसे कार्य किए हैं, जिसका लाभ राज्य को मिल रहा है। इस अवसर पर अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ श्री हिरान्मय पंड्या, श्री अनुपम, श्री गोपाल जोशी, श्री नीरज शर्मा, श्री पवन कुमार, श्री देवेंद्र बिष्ट , श्री सुमित सिंघल एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

13 जुलाई को अराध्य देव महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती राज्य स्तरीय तौर पर भिवानी में मनाई जाएगी- कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा

कौमी पत्रिका

यमुनानगर। जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी व लोक निर्माण (भवन एवं सड ?) मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि 13 जुलाई को अराध्य देव महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती राज्य स्तरीय तौर पर भिवानी में मनाई जाएगी। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। इसके साथ-साथ कार्यक्रम में मंत्रीगण, विधायकगण व अन्य गणमान्य लोग विशेष तौर पर उपस्थित रहेंगे। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा शनिवार को लोक निर्माण विश्राम गृह जगाधरी में प्रेसवार्ता को सम्बोधित कर रहे थे। इसके उपरांत यहां पहुंचने पर लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक अभियंता संदीप गोयल, कार्यकारी अभियंता पुनीत मित्तल व कार्यकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री को पुष्प गुच्छ व फूलमाला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर उनके साथ पूर्व पिछड़ा वर्ग चेयरमैन सतबीर वर्मा उपस्थित रहे। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने लोक निर्माण विश्राम गृह में इसके उपरांत कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते हुए जयंती का निमंत्रण देते हुए उन्हें अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी निरंतर संत व महापुरुषों को मान-सम्मान देने का काम कर रही है और यह जयंतियां सरकारी तौर पर राज्य स्तर पर मनाने का काम कर रही है। हाल ही में संत कबीरदास जयंती राज्य स्तर पर सिरसा में, महर्षि कश्यप जयंती इंद्री में, परशुराम जयंती रोहतक में, भगत धन्ना जयंती उचाना में तथा इसके साथ-साथ महर्षि वाल्मीकि व संत रविदास जयंती मनाते हुए संतो व महापुरुषों को सम्मान देने का काम किया गया है। इसी कड़ी में 13 जुलाई को भिवानी में अराध्य देव महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती राज्य स्तर पर मनाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे लिए खुशी की बात है कि महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती राज्य स्तर पर मनाई जा रही है और इस जयंती में हमें अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर प्रजापति संगठन की ताकत भी दिखानी है और कार्यक्रम को भव्य तरीके से मनाने का काम करना है। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी हर वर्ग को सम्मान देने का काम कर रहे हैं। हर वर्ग को साथ लेकर हरियाणा प्रदेश को निरंतर उन्नति के पथ की ओर ले जाने का काम कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने संतो व महापुरुषों की जयंतियों को सरकारी तौर पर मनाने की शुरूआत की थी। उसी तर्ज पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी संतों व महापुरुषों की जयंतियों को सरकारी तौर राज्य स्तर पर मनाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किए जा रहे हैं। वर्तमान सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के मूल मंत्र के साथ अंतिम छोर में बैठे वंचित वर्ग के लिए कार्य कर रही है। वर्तमान सरकार ने इस समाज को उसका हक देकर उसका मान-सम्मान किया है। युवाओं को मैरिट के आधार पर नौकरी देने का काम किया जा रहा है और जो नौकरियों में जो बैकलॉग था उसे भरने का काम किया है। जबकि पूर्व की सरकारों में प्रजापति समाज के योग्य व्यक्तियों को अयोग्य घोषित करके उन्हें नौकरी नहीं दी जाती थी। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि घोषणा पत्र के अनुसार जो वायदे किए गए है उसे पूरा करने का काम किया गया है। वंचित अनुसूचित जाति (डीएससी) में 10 प्रतिशत आरक्षण अलग से देने का काम किया जा रहा है। पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा हरियाणा में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है, वह हरियाणा छोड़ दें। मुख्यमंत्री द्वारा पुलिस को स्पष्ट निर्देश हैं कि ऐसे अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए उन्हें सलाखों के पीछे भेंजे। उन्होंने यह भी बताया कि हरियाणा में लगभग 14300 किलोमीटर सड ?ों पर जो गड्ढे थे उन्हें सम्बन्धित एंजैसी द्वारा दुरूस्त करने का काम किया गया है। इसके साथ-साथ लगभग 5000 किलोमीटर जो सड ?ें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त थी उन्हें भी शैड्यूल बनाकर ठीक करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मानसून के सीजन को ध्यान में रखते हुए जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सीवरेज व्यवस्था को और बेहतर करने तथा लोक निर्माण विभाग को सड ?ों के साथ-साथ जो नाले हैं उन्हें ठीक करने बारे निर्देश दिए गए हैं ताकि बरसाती सीजन में लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न आए। महाग्राम योजना के तहत 10 हजार आबादी से अधिक गांव में सीवरेज व्यवस्था देने का काम किया जाएगा। शहरों में जो सुविधाएं रहती है वह इन गांवों में उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश तरक्की कर रहा है। उन्होंने कहा कि हिसार में छात्रों के साथ सरकार है, समिति ने छात्रों की बात सुनीं। उन्होंने कहा कि बच्चे पढ़ाई करें हम उनके साथ है, बच्चें गुमराह न हो। मुख्य अतिथि का यहां पहुंचने पर समाज के लोगों ने भव्य अभिनंदन किया। प्रजापति समाज की ओर से मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ व शाल भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। प्रजापति समाज के लोगों ने कैबिनेट मंत्री को आश्वस्त किया कि यमुनानगर जिले से राज्य स्तरीय कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में लोग शामिल होकर कार्यक्रम की भव्यता को बढ़ाने का काम करेंगे। इस मौके पर कार्यकारी अभियंता जन स्वास्थ्य विभाग सौरभ अहलावत व दिनेश गाबा, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार, पूर्व पिछड़ा वर्ग चेयरमैन सतबीर वर्मा, पूर्व विधायक ईश्वर पलाका, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा, जिला उपाध्यक्ष कृष्ण सिंगला, पूर्व चेयरमैन रामेश्वर चौहान, फकीर चंद, प्रजापति अमन एमसी, गुरूदेव प्रजापति व प्रजापति समाज के गणमान्य लोग व अन्य उपस्थित रहे।

महीने भर से भी कम समय में टूट गई कार्पोरेशन द्वारा बनवाई सडक, विधायक धालीवाल ने की जांच की मांग

फगवाड़ा। कार्पोरेशन फगवाड़ा और आम आदमी पार्टी के नेताओं द्वारा शहर के करवाये जा रहे विकास के दावों की सच्चाई जानने के लिये कांग्रेस पार्टी के एक प्रतिनिधिमण्डल ने विधायक बलविन्द्र सिंह धालीवाल के नेतृत्व में आज शहर का दौरा किया। इस दौरान लोगों ने उन्हें बताया कि कटैहरा चौक से सिन्दूरा देवी चौक तक जो सड? कुछ ही सप्ताह पहले बनाई गई है, वह टूटनी भी शुरु हो गई है। जिस पर कांग्रेस नेताओं ने उक्त सड? का जायजा लिया तो पाया कि सड? की हालत वास्तव में खस्ता होने लगी है। इतना ही नहीं मेयर रामपाल उप्पल के अपने वार्ड निवासियों ने पेयजल सप्लाई की आवश्यक आपूर्ति न होने और नालियों में गंदगी इत्यादि की समस्याओं को भी प्रमुखता के साथ कांग्रेस नेताओं के समक्ष रखा। विधायक धालीवाल के अलावा पार्षद संजीव बुग्गा और उनके साथ मौजूद रहे ब्लाक कांग्रेस (शहरी) प्रधान एवं पार्षद तरनजीत सिंह बंटी वालिया, पार्षद सुशील मैनी, पार्षद जतिन्द्र वरमानी सहित पंजाब डेलीगेट मैंबर गुरजीत पाल वालिया, वरिष्ठ नेता विनोद वरमानी, पार्षद पति मुकेश भाटिया, संजीव टीटू, हैप्पी डाबर और पार्षद पति धीरज घई ने सड? के निर्माण में घटिया मैटीरियल के प्रयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि कार्पोरेशन द्वारा विकास का झूठा प्रचार किया जा रहा है। जबकि सच्चाई यह है कि विकास के नाम पर लोगों के टैक्स की कमाई से भरे कार्पोरेशन के खजाने को लूटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो सड? बनने के तुरंत बाद ही टूटने लगी है, वह मानसून की पहली बौछार भी सहन नहीं कर पायेगी। संजीव बुग्गा ने कहा जो मेयर खुद अपने वार्ड के लोगों को संतुष्ट नहीं कर सका वह शहर का क्या विकास करवायेगा। उन्होंने कहा कि वह शुरु से कहते आ रहे हैं कि आप नेता, पार्षद और कार्पोरेशन के अधिकारियों की कथित मिलीभगत के चलते निगम स्तर पर बहुत बड़े घोटाले हो रहे हैं। विधायक धालीवाल ने मांग कर कहा कि कटैहरा चौक से सिन्दूरा देवी चौक तक बनी सड? में हुए कथित घोटाले की विजीलेंस जांच करवाई जाये। जांच में जो भी दोषी साबित हो, उसके विरुद्ध केस दर्ज करके कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिये। साथ ही लोगों को पेयजल, सीवरेज स्वच्छता जैसी पेश आ रही परेशानियों का भी प्राथमिकता के आधार पर समाधान होना चाहिये। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट कहा कि जनता के खजाने पर डाका बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। यदि निगम कमिशनर, निकाय विभाग और पंजाब सरकार ने कोई एक्शन न लिया तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन का रास्ता अपनायेगी।

जनहित को ध्यान में रखकर शहर में कराए जा रहे विकास कार्य: मेयर

यमुनानगर। नगर निगम द्वारा वार्ड नंबर 13 की जम्मू कॉलोनी में 18 लाख 23 हजार रुपये की लागत से स्वागत द्वार का निर्माण किया जाएगा। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा व मेयर सुमन बहमनी ने शुक्रवार को पार्षद स्वागत द्वार का शिलान्यास किया। यह स्वागत द्वारा जम्मू कॉलोनी के सामुदायिक केंद्र के नजदीक मुख्य गली में लगाया जाएगा। स्वागत द्वार पर स्वच्छता संबंधित जागरूकता संदेश भी अंकित होंगे। स्वागत द्वार के शिलान्यास के साथ ही मेयर व विधायक ने नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। विधायक घनश्यामदास अरोड़ा ने निगम अधिकारियों को विकास कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने और नियमित समय पर विकास कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि नगर निगम द्वारा जनहित को ध्यान में रखकर शहर में विकास कार्य कराए जा रहे है। नगर निगम क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास कार्य किए जा रहे हैं। सभी वार्डों में जनहित को ध्यान में रखकर विकास कराया जा रहा है। हर वार्ड में पक्की गलियों, अंडरग्राउंड नालियों, पार्कों के सौंदर्यीकरण, स्वागत द्वार, क्षतिग्रस्त सड़कों के निर्माण व अन्य विकास कार्य कराए जा रहे हैं। नियमित हुई कॉलोनियों में भी मूलभूत सुविधाएं, गलियों, नालियों, सीवरेज, स्ट्रीट लाइट व अन्य कार्य कराए जा रहे हैं। नए विकास कार्यों के लिए अभियंता शाखा को एस्टीमेट तैयार कर टेंडर लगाने के निर्देश दिए गए है। जिन कॉलोनियों में कच्ची व क्षतिग्रस्त गलियों की समस्या है, उनके भी एस्टीमेट तैयार किए जा रहे है। हाल ही में नगर निगम द्वारा करोड़ों रुपये के विकास कार्यों के टेंडर जारी किए है। नगर निगम क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास कार्य जल्द होंगे। मेयर बहमनी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में विकास कार्य शुरू करवाए गए है, वहां की जनता इन कार्यों को करवाने में सहयोग करें। यदि कहीं गुणवत्ता से खिलवाड़ हो तो इसकी सूचना तुरंत उन्हें दें। विकास कार्यों में कहीं भी गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में सरकार बेहतर काम कर रही है। देश व प्रदेश में सड़कों के जाल बिछाए जा रहे है।

तंजानियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ वित्तीय बातचीत

कौमी पत्रिका

चंडीगढ। हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज यहां तंजानिया गणराज्य के संयुक्त वित्त आयोग (जेएफसी) के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, श्री रस्तोगी ने भारत के राजकोषीय ढांचे को रेखांकित करते हुए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच कर संग्रह जिम्मेदारियों, राजस्व स्रोतों, ऋण वित्तपोषण तंत्र, ऋण और अनुदान के विभाजन की जानकारी दी। उन्होंने राजकोषीय अनुशासन के लिए हरियाणा की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि राज्य बजट से बाहर उधार लेने से बचता है। श्री रस्तोगी ने भारत में राजकोषीय संघवाद के सिद्धांतों की व्याख्या करते हुए बताया कि राज्यों को वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर केंद्रीय कर राजस्व का हिस्सा मिलता है। उन्होंने बताया कि 16वें वित्त आयोग द्वारा 31 अक्टूबर, 2025 तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है। उन्होंने नाबार्ड और एनसीआर योजना बोर्ड जैसी प्रमुख संस्थाओं की भूमिकाओं पर भी चर्चा की। गौरतलब है कि नाबार्ड कृषि और ग्रामीण विकास परियोजनाओं को गति देने का काम करता है। इसी तरह, एनसीआर योजना बोर्ड राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मुख्य सचिव ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक राज्य विकास ऋण (एसडीएल) या राज्य सरकार की प्रतिभूतियों की सुविधा प्रदान करता है। विदेशी संस्थाओं और अंतरराष्ट्रीय बैंकों से व्याख्या करते हुए बताया कि राज्यों को वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर केंद्रीय कर राजस्व का हिस्सा मिलता है। उन्होंने बताया कि 16वें वित्त आयोग द्वारा 31 अक्टूबर, 2025 तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है। उन्होंने नाबार्ड और एनसीआर योजना बोर्ड जैसी ऋणों, आमतौर पर परियोजना-विशिष्ट ऋणों का प्रबंधन केन्द्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा किया जाता है। श्री रस्तोगी ने वित्तीय प्रबंधन, ऋण सेवा और ब्याज दरों पर प्रतिनिधिमंडल के प्रश्नों का भी जवाब दिया। संयुक्त वित्त आयोग सचिवालय के अध्यक्ष अहमद सआदत ने व्यावहारिक सत्र के लिए हरियाणा सरकार का आभार व्यक्त किया। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव श्री पंकज अग्रवाल, विदेश सहयोग विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्रीमती अमनीत पी. कुमार, हरियाणा राज्य वेयरहाउसिंग कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक डॉ. शालीन, मुख्यमंत्री के विदेश सहयोग सलाहकार श्री पवन कुमार चौधरी तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पैरा एशियाई खेलों के 13 खिलाड़ियों और पदक विजेताओं के लिए 19.72 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मंजूर

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़। हरियाणा पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष और हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव द्वारा की गई तत्काल और त्वरित कार्रवाई के बाद हरियाणा सरकार ने चौथे पैरा एशियाई खेलों 2022 में भाग लेने वाले हरियाणा के 13 खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार के लिए 19.72 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मंजूर की है। इन पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में एथलेटिक्स खिलाड़ी हैनी को स्वर्ण पदक जीतने पर 3 करोड़ रुपये मिलेंगे। नितेश कुमार (पैरा बैडमिंटन) को स्वर्ण पदक जीतने पर 3 करोड़ रुपये और रजत पदक जीतने पर 1.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। सरिता अधाना (पैरा तीरंदाजी) को रजत पदक जीतने पर 1.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। पूजा, धर्मबीर, रिंकू, प्रमोद, योगेश कथुनिया, रामपाल और मोनू घनघस को रजत पदक जीतने पर 1.50-1.50 करोड़ रुपये मिलेंगे। पैरा लॉन बॉल खिलाड़ी अंजू बाला, एथलेटिक्स खिलाड़ी जसबीर और कैनोइंग खिलाड़ी जयदीप को खेलों में भाग लेने की एवज में 7.50-7.50 लाख रुपये मिलेंगे। इसके अलावा, एथलेटिक्स खिलाड़ी प्रणव सूरमा, रमन शर्मा, सुमित और तरुण ढिल्लों को भी स्वर्ण पदक जीतने पर 3-3 करोड़ रुपये मिलेंगे। उनकी पुरस्कार राशि आने वाले दिनों में मंजूर की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने कहा कि हमारे पैरा-एथलीटों ने हरियाणा और देश को बहुत गौरवान्वित किया है। यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य था कि उन्हें बिना देरी के सम्मानित कर पुरस्कृत किया जाए। मैं मुख्यमंत्री को तत्काल कार्रवाई करने के लिए धन्यवाद देती हूं। प्रदेश सरकार हर उस एथलीट को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो भारत को गौरव दिलाने के लिए चुनौतियों को पार करता है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार पैरा-स्पोर्ट्स के लिए एक सहायक वातावरण बनाने के लिए समर्पित है। उल्लेखनीय है कि खिलाड़ियों ने नकद पुरस्कार वितरण के संबंध में कुछ दिन पहले कुमारी आरती सिंह राव से मुलाकात की थी। मंत्री ने इस मामले को मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के समक्ष उठाया, जिसके परिणामस्वरूप त्वरित कार्रवाई की गई और पुरस्कार राशि वितरित की गई है।

नीतीश के जातीय गढ़ में बसपा की घुसपैठ क्या कुर्मी-कोइरी संग बन पाएगा नया समीकरण ?

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। बिहार की सियासत में चुनावी बिसात बिछ चुकी है। हर दल अपनी-अपनी गोटियां चला रहा है और समीकरणों की जोड़-घटाव में दिन-रात जुटा है। लेकिन इस बार जो सबसे चौंकाने वाली और साहसी एंट्री हुई है, वह बहुजन समाज पार्टी की है। मायावती की पार्टी ने अब तक बिहार में बड़ी भूमिका नहीं निभाई, लेकिन अब पार्टी के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद की एंट्री ने कई सियासी समीकरणों को झकझोर कर रख दिया है।पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती पर हुए सम्मेलन में आकाश आनंद ने साफ कर दिया कि बसपा अब बिहार में दलितों के साथ-साथ कुर्मी और कोइरी जातियों को साधने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। उन्होंने बसपा के 2025 विधानसभा चुनाव में सभी 243 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा भी कर दी। लेकिन अब सवाल यह है कि क्या बसपा सचमुच बिहार की सियासत को प्रभावित कर सकती है? या फिर यह भी एक चुनावी शिगूफा बनकर रह जाएगी? सवाल बड़ा है और जवाब उससे भी ज्यादा पेचीदा। बिहार की राजनीति में 'लव-कुश समीकरण' शब्द पहली बार नीतीश कुमार के राजनीतिक अभियान में प्रमुखता से सामने आया था। लव यानी कुशवाहा (कोइरी) और कुश यानी कुर्मी जाति का गठबंधन। नीतीश खुद कुर्मी जाति से आते हैं और उन्होंने कुशवाहा समाज के नेताओं के साथ मिलकर एक मजबूत सामाजिक समीकरण खड़ा किया, जिसने उन्हें 2005 में लालू यादव की सत्ता से बेदखल करने में मदद दी। यह समीकरण दो दशकों से नीतीश की राजनीति की बुनियाद बना हुआ है। लेकिन अब समय बदल रहा है। बीजेपी ने सम्राट चौधरी जैसे कुशवाहा नेता को बिहार प्रदेश अध्यक्ष बनाकर इस समीकरण में सेंध लगाने की कोशिश की है। वहीं उपेंद्र कुशवाहा भी एक बार फिर राजनीति में सक्रिय हैं और खुद को लव-कुश के नए प्रतीक के तौर पर पेश कर रहे हैं।ऐसे में बसपा ने इस दरार का फायदा उठाने की रणनीति बनाई है। आकाश आनंद ने ठीक उसी बिंदु पर निशाना साधा है, जिससे नीतीश कुमार को सबसे ज्यादा चोट लग सकती है। आकाश आनंद ने अपने पूरे भाषण में छत्रपति शाहूजी महाराज को सामाजिक न्याय का प्रतीक बनाकर पेश किया। उन्होंने बताया कि कैसे शाहूजी महाराज ने अपने शासन में 50त्न आरक्षण लागू किया और समाज के दलित व पिछड़े तबकों को सम्मान दिलाया। यह सिर्फ इतिहास का संदर्भ नहीं था। यह एक गहरी रणनीति थी। शाहूजी महाराज खुद कुर्मी जाति से आते थे और बसपा ने उन्हें आगे कर कुर्मी समाज को भावनात्मक रूप से जोड़ने की कोशिश की है। यही नहीं, बसपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार भी कुर्मी जाति से हैं। यानी एक जातीय पहचान के जरिए पूरे समुदाय को जोड़ा जा रहा है, और दलितों के साथ कुर्मी वोटबैंक को जोड़ने की जमीन तैयार की जा रही है। यह वही सामाजिक इंजीनियरिंग है जो मायावती ने उत्तर प्रदेश में की थी। वहां उन्होंने दलितों के साथ कुर्मी, कोइरी और अति पिछड़ी जातियों को जोड़कर एक व्यापक बहुजन गठबंधन खड़ा किया था और 2007 में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। बिहार की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जातियों की आबादी करीब 16त्न है। कुर्मी समाज लगभग 2.5त्न और कोइरी यानी कुशवाहा जाति लगभग 5त्न मानी जाती है। यानी कुल मिलाकर करीब 23-24त्न वोटर ऐसे हैं, जो इस बसपा के सामाजिक समीकरण का हिस्सा बन सकते हैं।अगर बसपा इस वोट बैंक का आधा भी अपने पक्ष में करने में सफल रही, तो वह चुनावी नतीजों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। हालांकि, यह भी सच है कि बिहार में बसपा की जमीनी पकड़ बेहद कमजोर है। पार्टी अब तक कोई बड़ा जनाधार नहीं बना सकी है।लेकिन यही वजह है कि अब संगठन को मजबूत करने की कवायद शुरू हो चुकी है। आकाश आनंद के नेतृत्व में पार्टी ने हर जिले में सम्मेलन, समीक्षाएं और बूथ स्तर की बैठकों का सिलसिला शुरू कर दिया है। बसपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि क्या वह खुद को सिर्फ उत्तर प्रदेश तक सीमित रहने वाली पार्टी के बजाय एक राष्ट्रीय ताकत के तौर पर स्थापित कर पाएगी? बिहार में चुनाव लड़ना और जीतना दो अलग चीजें हैं। खासकर तब, जब वहां पहले से ही आरजेडी, जेडीयू और बीजेपी जैसी मजबूत पार्टियां मौजूद हों।दूसरी चुनौती यह है कि बसपा के जितने भी विधायक अब तक बिहार में जीतकर आए, उन्होंने बाद में दूसरी पार्टियों का दामन थाम लिया। संगठनात्मक स्तर पर बसपा की स्थिति कमजोर रही है तीसरी चुनौती यह है कि बिहार की राजनीति में स्थानीय चेहरे बेहद मायने रखते हैं। लोगों को जमीन से जुड़े नेता चाहिए, जो उनके मुद्दों को उठाएं। आकाश आनंद अभी एक बाहरी चेहरे के रूप में देखे जा रहे हैं। उन्हें खुद को बिहार की मिट्टी का नेता साबित करना होगा। हालांकि, मायावती के पास अनुभव है और आकाश आनंद के पास ऊर्जा। अगर इन दोनों का संतुलन बना, तो बसपा न सिर्फ जातीय समीकरणों में सेंध लगा सकती है, बल्कि खुद को एक नए विकल्प के रूप में भी स्थापित कर सकती है।नीतीश कुमार के लिए यह सबसे गंभीर खतरा है। अगर बसपा ने कुर्मी और कोइरी वोट बैंक में सेंध लगा दी, तो उनके लिए सत्ता बचा पाना मुश्किल हो जाएगा। बीजेपी पहले ही इस वोट बैंक में घुसपैठ कर रही है, और अब बसपा की एंट्री से मुकाबला त्रिकोणीय हो जाएगा।आरजेडी को भी चिंता है कि कहीं पिछड़े वोटों का एक हिस्सा बसपा की ओर न खिसक जाए। दलित वोटरों में भी बदलाव की संभावना है, खासकर उन इलाकों में जहां मायावती की नीतियों का असर रहा है। बसपा की इस बार की रणनीति साफ है जातियों को जोड़ो, सामाजिक न्याय की बात करो, और खुद को एक वैकल्पिक ताकत के रूप में स्थापित करो। यह प्रयोग नया नहीं है, लेकिन बिहार की राजनीति में इस बार अगर मायावती की बसपा लव-कुश समीकरण को तोड़ने में सफल हुई, तो यह 2025 के चुनाव नतीजों को पूरी तरह बदल सकता है अब देखना यही है कि क्या आकाश आनंद बिहार की सियासत में नई लकीर खींच पाएंगे या फिर यह भी एक असफल प्रयोग बनकर रह जाएगा। लेकिन इतना तय है कि बसपा की हुंकार ने नीतीश, लालू और बीजेपी के खेमे में बेचैनी जरूर बढ़ा दी है।

जेके ऑर्गनाइजेशन ने रक्तदान शिविर आयोजित किए

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। अग्रणी औद्योगिक समूह, जेके ऑर्गनाइजेशन ने जेके ऑर्गनाइजेशन के पूर्व अध्यक्ष और 4 बिलियन डॉलर के समूह के विकास में मुख्य भूमिका निभाने वाले एक प्रमुख वास्तुकार स्वर्गीय श्री हरि शंकर सिंघानिया की 92वीं जयंती मनाने के लिए अपने विभिन्न संयंत्रों और बिक्री कार्यालयों में रक्तदान शिविर आयोजित किए। समूह की कंपनियों के लगभग 7,800 कर्मचारियों ने इस मानवीय पहल का समर्थन करने के लिए स्वेच्छा से योगदान दिया । रक्तदान से पहले, सभी प्रतिभागियों ने रक्तचाप, हीमोग्लोबिन और वजन के आकलन सहित बुनियादी स्वास्थ्य जांच करवाई । प्रत्येक रक्तदान दाता को उनके योगदान के सम्मान में प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। समूह विभिन्न सामाजिक पहल करता रहता है, इस दिन आयोजित रक्तदान शिविर के माध्यम से स्वर्गीय श्री हरि शंकर सिंघानिया को एक विशेष श्रद्धांजलि दी गई, जो समाज को समर्थन देने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध थे। पद्म भूषण से सम्मानित, श्री सिंघानिया ने जेके ऑर्गनाइजेशन के विकास और समेकन को आगे बढ़ाने, नए उद्यम स्थापित करने और कई कंपनियों को समूह के दायरे में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने संबोधन के दौरान, जेके ऑर्गनाइजेशन के चेयरमैन श्री भरत हरि सिंघानिया ने एक भावपूर्ण संदेश साझा किया- हमारे संस्थापकों का दृढ़ विश्वास था कि व्यवसाय को एक उच्च उद्देश्य की पूर्ति करनी चाहिए – और यह विश्वास आज भी हमारा मार्गदर्शन करता है। सौ से अधिक वर्षों से, जेके ऑर्गनाइजेशन ने समुदायों की भलाई को अपने मिशन के केंद्र में रखा है। %सीएसआर% शब्द के अस्तित्व में आने से बहुत पहले, दूसरों को कुछ देना हमारे डीएनए का हिस्सा था। जेकेओ ग्रुप की कंपनियों में फैला यह रक्तदान अभियान, तत्काल ज़रूरतमंदों की सहायता करने का एक विनम्र लेकिन सार्थक तरीका है। यह स्वर्गीय श्री हरि शंकर सिंघानिया की जयंती पर उनकी चिरस्थायी विरासत को हमारी श्रद्धांजलि भी है – एक ऐसे लीडर, जिनका जीवन राष्ट्र निर्माण, सामाजिक सेवा और आर्थिक प्रगति के लिए समर्पित था। जेके ऑर्गनाइजेशन के तहत सभी समूह कंपनियाँ इस पहल में भाग लेने के लिए एक साथ आईं, जिनमें जेके टायर, जेके पेपर, जेके लक्ष्मी सीमेंट, जेके एग्री जेनेटिक्स, जेके फेनर, जेके फूड्स, डेलोप्ट, क्लिनीरिक्स टैंगेंट रिसर्च लिमिटेड, जेके इंश्योरेंस, इंडिका ट्रैवल्स, पीएसआरआई हॉस्पिटल और जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी शामिल हैं। जेके ऑर्गनाइजेशन एक विविधतापूर्ण बहुराष्ट्रीय समूह है जिसका मुख्यालय भारत में है, जिसकी विरासत 140 वर्षों से अधिक पुरानी है। कई उद्योगों, उत्पादों और भौगोलिक क्षेत्रों में परिचालन के साथ, समूह की वैश्विक उपस्थिति मजबूत है। इसके अंतरराष्ट्रीय विनिर्माण पदचिह्न में मेक्सिको, इंडोनेशिया, रोमानिया, बेल्जियम, पुर्तगाल और यूएई में सुविधाएँ शामिल हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा की आईपीएस अधिकारी स्मिति चौधरी का निधन

चंडीगढ़। हरियाणा की आईपीएस अधिकारी स्मिति चौधरी (48) का निधन हो गया। वह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थीं। कुछ दिनों पहले वह छुट्टी लेकर अपने पति के पास मुंबई के नासिक में गई थीं। वहीं पर इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। 2012 बैच की हरियाणा कैडर की अधिकारी स्मिति चौधरी वर्तमान में अंबाला में एंटी करप्शन ब्यूरो में एसपी के पद पर तैनात थीं। उनका जन्म 15 अगस्त 1976 को जींद के डूमरखां गांव में हुआ था। फिलहाल उनका परिवार पंचकूला में रह रहा है। अपने करियर के दौरान उन्होंने अंबाला में हरियाणा सशस्त्र पुलिस की पहली बटालियन में कमांडेंट के रूप में भी काम किया।

रात्रि ठहराव जनसंवाद में डीसी पलवल ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, दिव्यांग बच्ची प्रिया को मिलेगा कृत्रिम हाथ

पलवल। जिले के गांव भवाना में आयोजित रात्रि ठहराव जनसंवाद कार्यक्रम में उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरता से सुनी और समाधान के निर्देश दिए। सरकारी स्कूल परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 46 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 20 का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। ग्रामीणों ने बिजली, पानी की आपूर्ति, अवैध कब्जे, परिवार पहचान पत्र में त्रुटियों और पेंशन संबंधित मुद्दे उठाए। शेष शिकायतों के लिए संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। डीसी ने आश्वासन दिया कि प्रत्येक समस्या का समाधान निर्धारित अवधि में किया जाएगा। गांव भवाना की छठी कक्षा की दिव्यांग छात्रा प्रिया, जिसने दुर्घटना में दोनों हाथ खो दिए, को कार्यक्रम के दौरान विशेष सहानुभूति मिली। उपायुक्त ने जिला रेडक्रॉस सोसाइटी और समाज कल्याण विभाग को निर्देश दिए कि प्रिया को शीघ्र कृत्रिम अंग मुहैया कराए जाएं, ताकि वह आत्मनिर्भर जीवन जी सके। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड मौके पर ही बनाए गए। वहीं, नशामुक्त अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने वाले जिले के 33 गांवों के सरपंचों को पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया।

दृष्टिबाधित सुमित को डिजिटल अलार्म छड़ी देकर पलवल उपायुक्त ने पहुंचाई राहत

पलवल। जिला सचिवालय स्थित सभागार में लगाए गए समाधान शिविर में अपनी पेंशन बनवाने के लिए आवेदन करने आए दृष्टिबाधित विद्यार्थी सुमित को रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से मौके पर ही डिजिटल अलार्म छड़ी उपलब्ध करवाकर उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बड़ी राहत पहुंचाई। इसके अलावा सुमित की पेंशन संबंधी कार्रवाई जल्द करने के साथ-साथ स्पेशल मोबाइल भी उपलब्ध करवाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। वहीं हथीन के गांव कोट निवासी रसीदन की भी मौके पर ही बुढ़ापा पेंशन बनवाकर सरकार की योजना का लाभ दिया। इस अवसर पर लाभपात्र जनों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ समेत प्रशासन के कार्य की सराहना की। उपायुक्त डा.हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला में सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में आने वाले शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का प्राथमिकता से समय निर्धारित करते हुए निवारण करवाया जा रहा है। उन्होंने आमजन से इन समाधान शिविरों में पहुंचकर अपनी समस्याओं को निवारण करवाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इन समाधान शिविरों की मॉनिटरिंग स्वयं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कर रहे हैं।

धार्मिक कार्यक्रम में पहुंचे राजस्थान के राज्यपाल

सिरसा। सिरसा में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरि भाऊ किशन राव बागड़े ने शिरकत की। यहां पहुंचने पर ओडिसा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल व उनके बेटे भाजपा नेता मनीष सिंगला ने उनका स्वागत किया। इस दौरान भगवान जगननाथ के रथ के पवित्र पहियों की पूजा अर्चना हुई और लोगों ने दर्शन किए।ओडिशा के पूर्व राज्यपाल प्रो गणेशी लाल ने कहा कि आज के दिन ओडिशा में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जा रही हैं। इसके दर्शन के लिए लोग वहा जाते हैं और साक्षात दर्शन पाकर अपने कष्टों को दूर करते हैं। भगवान जगन्नाथ सांस्कृतिक देवता है और वे स्वयं लोगों के बीच पहुंचते है और दर्शन देते है। जिस व्यक्ति को भगवान के रथ के पहियों के दर्शन होते है, वह सौभाग्यशाली होता है लेकिन ऐसा मौका सभी नहीं मिल पाता। मनीष सिंगला ने कहा कि वर्ष 2022 में सिरसा में यह पहिए स्थापित किए गए थे जिनका नाम ज्ञान व प्रेम है। चूंकि आज ओडिशा व अन्य जगहों पर भगवान जगननाथ की यात्रा निकाली जा रही है इसलिए सिरसा में दर्शन कार्यक्रम रखा गया है और भक्तों में महाप्रसाद वितरित किया गया। इनके दर्शन मात्र से ही तमाम कष्टों का निवारण हो जाता है। मनीष सिंगला ने कहा कि भगवान जगन्नाथ के रथ का नाम नंदीघोष है।

थानेसर विधायक से दुर्व्यवहार मामले की जांच प्रिविलेज कमेटी करेगी: स्पीकर

गुरुग्राम में राष्ट्रीय सम्मेलन का 3 जुलाई को लोकसभा स्पीकर करेंगे उदघाटनदेशभर के शहरी निकायों के अध्यक्ष करेंगे दो दिवसीय सम्मेलन में सहभागिता

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने कहा है कि थानेसर से कांग्रेस विधायक अशोक अरोड़ा के साथ हुए दुर्व्यवहार का मामला प्रिविलेज कमेटी को सौंपा गया है। कमेटी पूरी तथ्यों की जांच करने के बाद अपनी रिपोर्ट सौंपेंगी। उसी आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। वहीं बाढड़ा विधायक उमेद पातुवास के साथ हुए दुर्व्यवहार मामले की शिकायत आने पर संज्ञान लिया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण गुरुग्राम में एक देश-एक विधायिका को लेकर होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन के संबंध में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा

कि देशभर के शहरी निकायों के अध्यक्ष और चेयरपर्सन का गुरुग्राम में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन होगा, जिसका उदघाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे। इस कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी और केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि शहरी स्थानीय निकायों की 'संवैधानिक लोकतंत्र और राष्ट्र निर्माण में भूमिका' विषय पर 3 जुलाई तथा 4 जुलाई को होने वाले सम्मेलन में राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्ष शिरकत करेंगे। राज्यसभा के सभापति हरिवंश नारायण सिंह, हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि होंगे। 4 जुलाई को सम्मेलन के समापन पर प्रतिभागियों को लोकसभा भ्रमण भी करवाया जाएगा।कल्याण ने कहा कि देश में पहली बार होने वाला यह राष्ट्रीय सम्मेलन 'एक राष्ट्र एक विधायिका' की दिशा में बढ़ता हुआ महत्त्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार देश की संसद और राज्यों के विधान मंडल कार्य करते हैं, उसी प्रकार पंचायती राज संस्थाओं, सहकारी संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों को भी कार्य करना चाहिए। शहरी स्थानीय निकायों की देश के विकास में सहभागिता को बढ़ाने का रोडमैप तैयार हो रहा है। इस वर्ष पटना में आयोजित पीठासीन अधिकारियों के अखिल भारतीय सम्मेलन में भी इस संकल्प को दोहराया गया था कि ऐसी संस्थाओं को मजबूत करने के लिए लगातार ऐसे सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इस कड़ी में यह राष्ट्रीय सम्मेलन पहला कदम है।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन को कामयाब बनाने के लिए बड़े स्तर पर तैयारी की जा रही है। इस सिलसिले में वे लगातार विधान सभा सचिवालय और प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। प्रत्येक व्यवस्था की गहन योजना बनाई जा रही है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस सम्मेलन की कामयाबी न सिर्फ स्थानीय शहरी निकायों को सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी, बल्कि विधायिका की कार्य प्रणाली तथा हरियाणा के आतिथ्य भाव की मिसाल भी पेश की जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में प्रदेश स्तर पर भी इस प्रकार के सम्मेलन होंगे।

गुरुग्राम में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने किया भगवान जगन्नाथ यात्रा का शुभारंभ

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने गुरुग्राम स्थित साईं का आंगन में आयोजित श्री जगन्नाथ रथ यात्रा-2025 का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने भगवान श्री जगन्नाथ, बहन सुभद्रा एवं भाई बलभद्र के भव्य रथ की आरती कर यात्रा की शुरुआत की। डॉ. चंद्रभानु सतपथी जी के मार्गदर्शन में यात्रा की शुरुआत दोपहर 3 बजे पाहंडी अनुष्ठान से हुई, जिसके पश्चात छेरा पहंरा की रस्म राज्यपाल द्वारा निभाई गई, जो भगवान के प्रति सेवा और विनम्रता का प्रतीक मानी जाती है। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि श्री जगन्नाथ रथ यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, यह हमारी सांस्कृतिक आत्मा है। ऐसे आयोजन समाज को जोड़ते हैं और अध्यात्म व मानवीय मूल्यों को बल देते हैं। मेरी प्रार्थना है कि भगवान श्री जगन्नाथ सभी को सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें। इस अवसर पर केंद्रीय जनजातीय

कार्य मंत्री जुएल ओराम ने भी शिरकत की। उन्होंने कहा कि यह रथ यात्रा भारतीय संस्कृति, आस्था और परंपरा का प्रतीक है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने आयोजकों को इस अनुशासित और भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। करीब 25 फीट ऊँचे रथ को हजारों श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन करते हुए खींचा। अमेरिका, यूएई, ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों से आए श्रद्धालुओं ने भी भाग लेकर इसे अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। जय जगन्नाथ के नारों से पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर रहा। पुरी से आए ओडिया रसोइयों द्वारा तैयार महाप्रसाद को श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। वहीं सांस्कृतिक मंच पर ओड़िशा के लोकनृत्य और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की ध्वनि ने रथ यात्रा को भक्तिमय उत्सव में बदल दिया। यात्रा से पूर्व जगन्नाथ संस्कृति और पुरी की परंपराओं को लेकर विशेष जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों और युवाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। साईं का आंगन प्रबंधन समिति और सी.बी. सतपथी सांस्कृतिक फाउंडेशन ने सभी श्रद्धालुओं, अतिथियों, कलाकारों एवं स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक चेतना का पर्व रहा, बल्कि गुरुग्राम के सांस्कृतिक परिदृश्य में भी ऐतिहासिक बन गया।

गुरुग्राम पुलिस ने 436 पटाखा बाइक राइडर्स के काटे 43 लाख के चालान

एजेंसी

गुरुग्राम। स्थानीय यातायात पुलिस के रडार पर पटाखा बाइक राइडर्स हैं। इस साल अभी तक पुलिस ने 436 पटाखा बाइक राइडर्स के 43 लाख 70 हजार रुपये के चालान काटे हैं। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार एक जनवरी 2025 से 26 जून 2025 तक पटाखा बाइक राइडर्स पर कड़ी नजर रखते हुए उनके चालान किए गए। बाइक में पटाखा प्रयोग करके साईलेंसर-नॉन-फंक्शनल के यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले राईडर्स पर अंकुश लगाने व यातायात नियमों की पालना कराने के उद्देश्य से गुरुग्राम पुलिस द्वारा यह कार्रवाई की गई। एक जनवरी से 26 जून 2025 तक बाइक में पटाखा प्रयोग करने वाले 437 राईडर्स के चालान किए गए। इन पर कुल जुर्माना राशि 43 लाख 70 हजार रुपए लगाई गई। गुरुग्राम पुलिस की

ओर से कहा गया है कि बाइक व अन्य वाहनों में पटाखा/प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करना यातायात नियमों की अवहेलना है। कोई भी वाहन चालक अपने वाहन में पटाखा/प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करता है तो निश्चित ही गुरुग्राम पुलिस द्वारा उस वाहन चालक के खिलाफ कार्यवाही को जाएगी।

कालांवाली पालिका चुनाव के अंतिम दिन सांसद सैलजा ने किया प्रचार

एजेंसी

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा शुरू से ही समाज को बांटकर और झूठे वायदे पर वोट हासिल करती है और बाद में जनता और जनता से किए गए वायदों को भूल जाती है। साथ ही कहा कि जिला प्रशासन उम्मीदवार पर किसी भी प्रकार का दवाब बनाने के बजाए निष्पक्ष होकर मतदान करवाए यही लोकतंत्र की जरूरत है।

सैलजा कालांवाली नगरपालिका चुनाव प्रचार के अंतिम दिन चुनाव प्रचार के बादं पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। सांसद पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रतिष्ठान और आवास पर पहुंची और उनका हालचाल जाना साथ ही चुनाव को लेकर भी चर्चा की। इस मौके पर उनके साथ कालांवाली के विधायक शीशपाल केहरवाला, ऐलनाबाद के विधायक भरत सिंह बैनीवाल, डॉ. केवी सिंह, अध्यक्ष पद के उम्मीदवार महेश झोरड (गोयल), राजकुमार शर्मा, आदि मौजूद थे।कुमारी सैलजा ने कहा कि यह चुनाव भाइचारे का चुनाव है, चुनाव अच्छा होना चाहिए। सांसद ने

कहा कि ये लोकतंत्र है, चुनाव निष्पक्ष होना चाहिए मतदाता बिना किसी दवाब के अपने मन से मतदान करें। सैलजा ने कहा कि कालांवाली की जनता काफी समझदार है, सोच समझकर अपने मन से फैसला लेकर बिना किसी दवाब के दशकों से मतदान करती है, विधानसभा और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को रिकार्ड मतों से जिताया था। कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार का काम होता है निष्पक्ष होकर बिना किसी भेदभाव के काम करवाना, यह कहना सरासर गलत है कि अगर काम करवाना है तो उसके उम्मीदवार को वोट दो। सांसद ने कहा कि कांग्रेस जनता के साथ है जनता के लिए काम करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विकास की तो बात करती है पर प्रदेश में कही पर भी विकास दिखाई नहीं देता है, कांग्रेस जनता के हक की लड़ाई लड़ती है और आगे भी लड़ती रहेगी।

डीएपी खाद के लिए किसानों में मची होड़, पुलिस ने संभाला मोर्चा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा जिला के नाथूसरी चोपटा में इफको केंद्र पर डीएपी खाद के एक ट्रक के पहुंचते ही किसानों की भीड़ उमड़ गई। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को बुलाना पड़ा। पुलिस की मौजूदगी में खाद वितरित की गई। जानकारी के अनुसार चोपटा के खाद वितरण केंद्र पर डीएपी खाद से लदा एक ट्रक आया था, जिसमें 500 बैग खाद उपलब्ध थे। किसानों को इसकी जानकारी मिली तो वे केंद्र पर पहुंच गए, क्योंकि क्षेत्र में लंबे समय से खाद की किल्लत चल रही थी। किसान महेंद्र सिंह, सतवीर सिंह, केहर सिंह, भगत सिंह ने बताया कि वे सुबह से भूखे-प्यासे ही लाइन में खड़े रहे, ताकि उन्हें खाद मिल सके। कुछ किसानों ने यह भी कहा कि खाद न मिलने की स्थिति में फसलें खराब होने का डर था, इसलिए वे किसी भी कीमत पर डीएपी लेना चाहते थे। इफको केंद्र के सेल्ज ऑफिसर संजय कुमार ने बताया कि सुबह एक ट्रक में 500 बैग डीएपी खाद केंद्र पर पहुंचा था। जैसे ही वितरण शुरू हुआ, भारी संख्या में

किसान केंद्र पर उमड़ पड़े, जिससे अफरा-तफरी मच गई। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए नाथूसरी चोपटा पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लाइन बनवाई और शांति से खाद का वितरण कराया। केंद्र में आई खाद का वितरण कर दिया गया। हालांकि कुछ किसानों को खाली हाथ लौटना पड़ा, जिससे उनमें मायूसी देखी गई। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि केंद्र पर नियमित रूप से खाद की आपूर्ति की जाए ताकि उन्हें इस प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

जनसुनवाई में 23 शिकायतें, 18 का समाधान, खिलाड़ियों को मिलेगी बेहतर सुविधा

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा सरकार की जन समस्याओं के समाधान के लिए राज्य मंत्री गौरव गौतम ने सोनीपत में जिला स्तरीय ग्रीवांस मीटिंग की अध्यक्षता की, जहां उन्होंने जन शिकायतों की गहनता से सुनवाई करते हुए त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इसके साथ ही पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने राज्य व राष्ट्रीय मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। सोनीपत में आयोजित ग्रीवांस मीटिंग में गौरव गौतम ने 23 शिकायतों की सुनवाई की, जिनमें से 18 का मौके पर ही निपटारा किया गया, जबकि 5 मामलों में जांच के आदेश दिए गए। एसवाईएल नहर के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हरियाणा को उसके हिस्से का पानी दिलाने के लिए सकारात्मक प्रयास कर रही है। हिसार यूनिवर्सिटी विवाद पर उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार के दो मंत्री छात्रों से लगातार संवाद कर रहे हैं, लेकिन कुछ राजनीतिक तत्व इस मामले को भटकाना चाहते हैं। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे ऐसे लोगों के बहकावे में न आएं। सोनीपत के जिला उपायुक्त के पीए शशांक की गिरफ्तारी पर उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार करने वाला कोई भी व्यक्ति बच नहीं पाएगा।

इटावा हिंसा को लेकर उन्होंने समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव की मानसिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता उन्हें फिर सबक सिखाएगी। खेल क्षेत्र को लेकर मंत्री ने बताया कि राज्य में लगभग 2000 खेल नर्सरियां स्थापित की गई हैं, जो खिलाड़ियों की प्रतिभा को संवारने में सहायक होंगी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को हर प्रकार की आधारभूत सुविधा, प्रशिक्षण और इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराया जा रहा है। स्पोर्ट्स कोटे से ग्रुप डी में नियुक्त कर्मचारियों की वेतन समस्या पर उन्होंने कहा कि वेरिफिकेशन पूरा हो चुका है, अब वेतन भुगतान जल्द होगा। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस की जड़ें हरियाणा में कमजोर हो चुकी हैं, वह केवल मीडिया बयानबाजी तक सिमट गई है। जन समस्याओं ा समाधान, भ्रष्टाचार पर वार और खेलों को नई रफ्तार–गौरव गौतमकी स्पष्ट कार्यशैली का प्रमाण।

जिले में हर दुर्घटना संभावित जगह को किया जाए दुरुस्त: हरीश कुमार वशिष्ठ

एजेंसी

पलवल। पलवल जिला उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति व सुरक्षित वाहन पॉलिसी को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला में ब्लैक स्पॉट प्वाइंट, जहां दुर्घटना होने का अधिक अंदेशा हो, की पहचान करके उनको दुरुस्त करने पर जोर दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर संबंधित विभाग और एजेंसी लगातार आवश्यक कार्य व मॉनीटरिंग करते रहें। इसमें लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने सड़क सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय राज मार्गों के दोनों ओर बनाए गए ढाबों की जांच की जाए और यदि कोई ढाबा बिना अनुमति के बनाया गया है तो उन पर निर्धारित नियमों के तहत त्वरित कार्रवाई की जाए। इसके अलावा नियमों के विरुद्ध बनाए गए शराब के ठेकों पर भी कार्रवाई करते हुए बंद करवाया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन के जीवन की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए यह सुनिश्चित करें कि जिला के किसी भी मार्ग पर ब्लैक स्पॉट न हो। उन्होंने सभी रोड एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिला में सड़कें पूरी तरह से दुरुस्त होनी चाहिए।

किसानों को कपास सहित अन्य फसलों में लगने वाले कीट एवं व्याधि से निपटने की दी जानकारी

एजेंसी

पलवल। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के क्षेत्रीय एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन केंद्र फरीदाबाद एवं जिला कृषि विभाग पलवल के अधिकारियों ने कपास सहित अन्य फसलों का सर्वेक्षण किया। क्षेत्रीय एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन केंद्र फरीदाबाद के क्षेत्रीय हेड एवं उप निदेशक डा. वंदना पांडेय के निर्देशन में जिला पलवल कृषि विभाग के खंड कृषि अधिकारी सुभाष चंद्र ने खंड होडल के गांव पेंगलतू, सौंध, औरंगाबाद व निकटवर्ती गांवों में कपास एवं अन्य फसलों के विभिन्न क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया।

उन्होंने किसानों को कपास व अन्य फसलों में लगने वाले कीट एवं व्याधि से निपटने के यांत्रिक एवं बायो पेस्टीसाइड उपायों की जानकारी प्रदान दी। उन्होंने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि फसल के शुरुआती दौर में एक खेत में कीटों की निगरानी/रोकथाम के लिए 4 फेरोमन ट्रैप और कपास के ल्यूर/अन्य फसल के ल्यूर का इस्तेमाल करें। सर्वेक्षण के दौरान किसानों को एनपीएसएस मोबाइल ऐप राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली, मोबाइल ऐप के उपयोग के बारे में जानकारी भी दी गई, जिससे कि किसान को इस ऐप के माध्यम से अपनी फसल में लगने वाले कीट एवं व्याधि की जानकारी और सलाह तत्काल प्रभाव से प्राप्त हो और अनावश्यक केमिकल पेस्टिसाइड का इस्तेमाल को रोका जा सके।

उप कृषि निदेशक डा. अनिल सहरावत ने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार अपने कपास के खेत के पास पुरानी फसल के अवशेषों को पॉलीथीन से ढक दें या दबा दें। सर्वेक्षण के दौरान टीम

में भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के आरसीआईपीएमसी फरीदाबाद से वनस्पति संरक्षण अधिकारी डा. जमुना नेगी, सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी लक्ष्मीकांत, वैज्ञानिक सहायक रूबी, कृषि विभाग से धीरेंद्र सहित अन्य गणमान्य किसान उपस्थित रहे। साथ ही खंड कृषि अधिकारी होडल ने कृषि वैज्ञानिकों से अनुरोध किया कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों का समय-समय पर आयोजन किया जाना चाहिए।

आर्द्रा नक्षत्र पर तिरुपति धाम में निकली रामानुज स्वामी की सवारी शोभा यात्रा

एजेंसी

हिसार। आर्द्रा नक्षत्र के पावन अवसर पर श्री तिरुपति बालाजी धाम में रामानुज स्वामी का तिरुमंजन विधि विधान से किया गया। इस दौरान विधिपूर्वक पूजा व अर्चना की गई और रथ में स्थापित पालकी में सायंकाल रामानुज स्वामी के विग्रह को पूरी श्रद्धा के साथ विराजमान किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पूरी निष्ठा के साथ रामानुज स्वामी की आराधना की और रथ को रस्सों से खींचकर धाम की परिक्रमा की। परिक्रमा करते हुए पूरा धाम जय तिरुपति बालाजी, जय भगवान वेंकटेश और रामानुज स्वामी की जय से गूंज उठा। परिक्रमा के उपरांत सभी श्रद्धालुओं में सात्विक गोष्ठी प्रसाद का वितरण किया गया।अग्रोहा रोड पर लांदड़ी टोल प्लाजा के पास स्थापित तिरुपति धाम में भगवान श्री वेंकटेश जी, माता पदमावती जी और माता गोदांबा जी के मुख्य मंदिर स्थापित किए गए हैं। धाम में ही रामानुज स्वामी का मंदिर भी शोभायमान है। दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित इन मंदिरों के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है। उल्लेखनीय है कि संत रामानुज स्वामी भगवान विष्णु के अनन्य उपासक रहे हैं। भक्ति मार्ग को अपनाकर उन्होंने समाज को नई दिशा दिखाई। रामानुज स्वामी ने एक दार्शनिक व विचारक के रूप में भी समाज के लिए काफी कार्य किया। दरअसल रामानुजाचार्य के रूप में प्रसिद्ध रामानुज स्वामी ने लोकजागरण का आधार भक्ति को ही मान्य किया और भक्ति के प्रचार-प्रसार के लिए व्यापक प्रयास किए। ज्ञान व भक्ति की गंगा बहाते हुए हिन्दू संस्कृति का पुनरुत्थान तथा सामाजिक जागरण का महान कार्य किया।रामानुज स्वामी सवारी शोभा यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं ने तिरुपति धाम में स्थापित श्री वेंकटेश भगवान जी, श्री पद्मावती माता जी, श्री गोदांबा माता जी, श्री गरुड़ जी, श्री लक्ष्मी नृसिंह जी, श्री सुदर्शन जी, श्री रामानुज स्वामी जी, श्री शठकोप स्वामी, श्री वरवर मुनि जी एवं श्री हनुमान जी के मंदिरों के दर्शन किए। इनके साथ ही 42 फुट ऊंचे सोने के श्री गरुड़ स्तंभ, बलिपीठम्, श्री तिरुपति यज्ञशाला, श्री पुष्करणी, विशाल घंटाघर एवं 71 फुट ऊंचे गोपुरम का भी भक्तों ने अवलोकन किया।

सात दिन में 2,900 रुपए तक गिरा सोना, चांदी भी 1582 हुई सस्ती

नई दिल्ली।

इस सप्ताह सोने और चांदी की कीमती में कमजोरी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार सोने और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। 21 जून शनिवार को सोने की कीमत 98,691 प्रति 10 ग्राम थी, जो 28 जून को घटकर 95,784 प्रति 10 ग्राम पर आ गई यानी इस एक सप्ताह में सोने की कीमत में 2,907 की गिरावट दर्ज की गई। वहीं चांदी की कीमत में भी` गिरावट आई है। 21 जून को यह 1,06,775 प्रति किलोग्राम थी, जो अब घटकर 1,05,193 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इस तरह चांदी 1,582 रुपए प्रति किलो सस्ती हुई है। वहीं दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,570 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,450, मुंबई में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,420 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300, कोलकाता में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,420 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300 और चेन्नई में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,420 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300 रुपए है।

इस साल अदाणी समूह की ब्रांड वेल्यू 82 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली।

अदाणी समूह इस साल सबसे तेजी से बढ़ने वाला भारतीय ब्रांड बन गया है। इसकी ब्रांड वैल्यू 82 प्रतिशत बढ़ गई है। लंदन स्थित ब्रांड फाइनेंस की सबसे मूल्यवान भारतीय ब्रांड 2025 रिपोर्ट में कहा गया है कि समूह की वृद्धि का श्रेय एग्रेसिव और इंटीग्रेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर फोकस, ग्रीन एनर्जी महत्वाकांक्षाओं में उछाल और प्रमुख हितधारकों में बढ़ी हुई ब्रांड इक्विटी को जाता है। अदाणी ब्रांड का मूल्य 2024 के 3.55 बिलियन डॉलर से बढ़कर 6.46 बिलियन डॉलर हो गया है, जो 2.91 बिलियन डॉलर की वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि समूह की रणनीतिक स्पष्टता, मजबूती और सस्टेनेबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष अदाणी ब्रांड के मूल्य में वृद्धि 2023 में रिपोर्ट किए गए पूरे ब्रांड वैल्यूएशन से अधिक है, जिससे अदाणी समूह को पिछले वर्ष के 16वें स्थान से 13वें स्थान पर आने में मदद मिली है। कंपनी ने रिकॉर्ड तोड़ राजस्व, शानदार वृद्धि और ऐतिहासिक लाभ अर्जित किया है। इस सप्ताह अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की 33वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने कहा` कि वित्त वर्ष 2025 में, हमारे आंकड़े मजबूत थे। हमारे सभी क्षेत्रों में हमने केवल विस्तार से कहीं अधिक किया। हमने प्रभाव पैदा किया, बदलाव को प्रेरित किया और सबसे महत्वपूर्ण बात, हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को गहरा किया।

पश्चिमोत्तर राज्यों में डायरेक्ट सेलिंग कारोबार 2172 करोड़ के पार

श्च

देश के पश्चिमोत्तर क्षेत्र के राज्यों जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ ने डायरेक्ट सेलिंग में 15.71 प्रतिशत से अधिक की विकास दर दर्ज कर वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 2172 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है। देश में डायरेक्ट सेलिंग उद्योग की प्रमुख संस्था इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) ने हाल ही में यहां आयोजित नॉर्दर्न डायरेक्ट सेलिंग समिट में पेश किये गए एक सर्वेक्षण के माध्यम से यह जानकारी दी। आईडीएसए की नॉलेज भागीदार इपसोस द्वारा संकलित इस सर्वेक्षण में देश में डायरेक्ट सेलिंग क्षेत्र के विकास और इसके निरंतर हो रहे विस्तार पर भी प्रकाश डाला गया है। इस अवसर पर हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले के मंत्री राजेश नागर और राज्य के इसी विभाग के प्रधान सचिव डी. सुरेश उपस्थित थे।

मीशो को आईपीओ लॉन्च करने की शेयरधारकों से मिली मंजूरी

बेंगलुरु।

ई-कॉमर्स कंपनी मीशो को अपना शुरुआती आईपीओ लॉन्च करने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। अब कंपनी बाजार नियामक सेबी के गोपनीय रूट के तहत अपना ड्राफ्ट आईपीओ प्रॉस्पेक्टस दाखिल करेगी। बता दें कंपनी का लक्ष्य आईपीओ के जरिए 4250 करोड़ रुपये यानी करीब 500 मिलियन डॉलर की पूंजी जुटाना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मीशो की बोर्ड बैठक में आईपीओ प्रस्ताव के अलावा कंपनी के फाउंडर विदित आत्रे को चेयरमैन, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ नियुक्त करने की योजना को भी मंजूरी दी गई है। बताया जा रहा है कि प्रस्तावित आईपीओ में 4,250 करोड़ रुपए तक के इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू और कंपनी के कुछ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल होगी। बता दें निवेशक एलिवेशन कैपिटल, पीक एक्सवी पार्टनर्स और प्रोसस मीशो के सबसे बड़े संस्थागत शेयरधारकों में से हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास 13 से 15 फीसदी हिस्सेदारी है। जापानी निवेशक सॉफ्टबैंक के पास कम कीमत पर मूल्य खुदरा बिक्री पर केंद्रित ई-रिटेलर में करीब 10 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी के अन्य निवेशकों में वेस्टब्रिज कैपिटल, फिडेलिटी जैसे निवेशक शामिल हैं। मीशो की आखिरी फंडिंग राउंड 550 मिलियन डॉलर का था। इसके जरिए मूल्यांकन लगभग 3.9 बिलियन डॉलर का था। इस राउंड में पीक एम्सवी पार्टनर्स और वेस्टब्रिज कैपिटल जैसे मौजूदा बैकर्स के अलावा टाइगर ग्लोबल, थिंक इन्वेस्टमेंट्स और मार्स ग्रोथ कैपिटल जैसे नए निवेशकों ने हिस्सा लिया। वहीं, मीशो ने 1.1 मिलियन ऑप्शन जोड़कर अपने 2024

कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन प्लान (ईसॉप) का विस्तार किया है। मीशो की प्रतिद्वंद्वी कंपनी, वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट है। इस कंपनी का आईपीओ भी लॉन्च होने वाला है। कंपनी अगले साल आईपीओ से पहले सिंगापुर से भारत में अपना निवास स्थान बदलने की प्रक्रिया में है।

देश का विदेशी ऋण बढ़कर 736.3 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि भारत का विदेशी ऋण मार्च 2025 के अंत तक 10 प्रतिशत बढ़कर 736.3 अरब डॉलर हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 668.8 अरब डॉलर था। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में बाह्य ऋण एक साल पहले के 18.5 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 के अंत तक 19.1 प्रतिशत हो गया। आरबीआई ने कहा कि समीक्षाधीन वित्त वर्ष में मुद्रा बाजारों में कुछ उतार-चढ़ाव देखा गया और रुपए तथा अन्य मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के मूल्य में वृद्धि के कारण मूल्यांकन प्रभाव 5.3 अरब डॉलर रहा। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यदि मूल्यांकन प्रभाव को छोड़ दिया जाए, तो बाह्य ऋण में 67.5 अरब डॉलर के बजाय 72.9 अरब डॉलर की बढ़ोतरी होती। आरबीआई ने कहा कि कुल ऋण में गैर-वित्तीय निगमों ने 261.7 अरब डॉलर, सरकार ने 168.4 अरब डॉलर और केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमा स्वीकार करने वाले निगमों ने 202.1 अरब डॉलर का ऋण लिया। मार्च 2025 के अंत में, दीर्घकालिक ऋण 601.9 अरब डॉलर था और इसमें सालाना आधार पर 60.6 अरब डॉलर की वृद्धि हुई।

दिल्ली में 1 जुलाई से 15 साल पुराने पेट्रोल एवं 10 साल पुराने डीजल वाहन पर प्रतिबंध

चारपहिया वाहनों पर 10,000 और दोपहिया पर 5,000 का जुर्माना वसूला जाएगा

नई दिल्ली।

दिल्ली में 1 जुलाई से 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहन पेट्रोल पंपों या सड़क पर दिखे तो उन पर सख्त कार्रवाई होगी। ऐसे वाहनों को उन्हें जब्त कर लिया जाएगा और वाहन मालिकों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक चारपहिया वाहनों पर 10,000 और दोपहिया वाहनों पर 5,000 का जुर्माना वसूला जाएगा। यह कार्रवाई उन सभी वाहनों पर लागू होगी, भले ही वे देश के किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने इससे पहले स्पष्ट निर्देश दिए थे कि 1 जुलाई से दिल्ली में इन पुराने वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। यह कदम प्रदूषण पर नियंत्रण के प्रयासों के तहत उठाया जा रहा है। अब दिल्ली में वैधता खत्म हो चुके वाहन पेट्रोल पंपों पर ईंधन नहीं भरवा सकेंगे। राजधानी के करीब 500 फ्यूल स्टेशनों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरे लगाए गए हैं, जो इन वाहनों की पहचान करेंगे। जब कोई वाहन पेट्रोल पंप में प्रवेश करेगा, तो यह खास कैमरा उसकी नंबर प्लेट को स्कैन करेगा। इसके बाद यह नंबर तुरंत केंद्रीय 'वाहन' डेटाबेस से मिलाया जाएगा। इस प्रक्रिया से वाहन की उम्र, ईंधन प्रकार और रजिस्ट्रेशन जैसी जानकारी सामने आ जाएगी। यदि पता चलता है कि वाहन ईओएल श्रेणी में है, तो सिस्टम उसे तुरंत फ्लैग कर देगा।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी बढ़ोतरी रही

सेंसेक्स 303 अंक उछलकर 84,058.90 अंक पर बंद

निफ्टी 8.80 अंक बढ़कर 25,637.80 अंक पर बंद

मुंबई (ईएमएस)। बीते कारोबारी सप्ताह के दौरान शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर और भारत और अमे रिका के बीच जल्द ट्रेड होने की संभावना से बाजार में` निवेशकों के सेंटीमेंट को मजबूती प्रदान की। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार के पांच कारोबारी` दिनों में कारोबार इस प्रकार रहा- अमेरिका की ओर से ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर बमबारी के बाद मध्य पूर्व में बढ़े तनाव के बीच सोमवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 931.41 अंक गिरकर 81,476.76 पर खुला और दिन के कारोबार में 900 अंक से अधिक की गिरावट के बाद कुछ हद तक उबरकर 511.38 अंक की गिरावट के साथ 81,896.79 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 140.50 अंक गिरकर 24,971.90 अंक पर खुला और 287.55 अंक गिरकर 24,824.85 पर बंद हुआ। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के इजरायल-ईरान युद्ध विराम की घोषणा के बाद भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को जोरदार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 600 से ज्यादा अंक चढ़कर 82,534.61 पर खुला और 158.32 अंक उछलकर 82,055.11 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी-50 भी मजबूत शुरुआत के साथ 25,179.90 पर खुला और 72.45 अंक बढ़कर 25,044.35 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में तेजी के चलते बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 426.79 अंक बढ़कर 82,481.90 पर खुला और 700.40 अंक उछलकर 82,755.51 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 123.25 अंक चढ़कर

25,167.60 पर खुला और 200.40 अंक बढ़कर 25,244.75 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार की गुरुवार को सपाट शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 163.27 अंक चढ़कर 82,918.78 पर खुला और 30 1,000.36 अंक चढ़कर 83,755.87 अंक पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 64.35 अंक चढ़कर 25,309.10 पर खुला और 304.25 अंक बढ़कर 25,549.0 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को सेंसेक्स 229.22 अंक चढ़कर 83,985.09 पर खुला और सेंसेक्स 303.03 अंक उछलकर 84,058.90 अंक पर बंद हुआ।

सुकन्या स हित छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दर में होगा बदलाव

नई दरें वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए प्रभावी होंगी

नई दिल्ली।

सार्वजनिक भविष्य निधि योजना, राष्ट्रीय बचत पत्र जैसी अन्य छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों की समीक्षा 30 जून सोमवार को होने वाली है।

नई दरें वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए प्रभावी होंगी। इस साल अब तक सुकन्या समृद्धि योजना और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना सहित डाकघर योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। संभावना जताई जा रही है कि पहली जुलाई 2025 से इसमें बदलाव हो सकता है। इस संभावना की वजह है भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में कटौती बताई जा रही है। आरबीआई ने सबसे पहले फरवरी में रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती की। फिर अप्रैल में 25 आधार अंक की कटौती की गई और जून में 50 आधार अंक की कटौती हुई। अब तक रेपो दर में एक फीसदी की कटौती हो चुकी है। रेपो रेट में कटौती के जवाब में बैंकों ने सावधि जमा पर ब्याज दर में कमी कर दी है। कुछ बैंकों ने अपनी विशेष एफडी भी बंद कर दी हैं, जो एक निश्चित अवधि के लिए सामान्य बैंक एफडी की तुलना में अधिक ब्याज दर प्रदान करती थीं। वर्तमान में पीपीएफ योजना में निवेशकों को 7.10 फीसदी की दर से ब्याज मिलता है। अनुमान जताया जा रहा है कि कई दशकों में पहली बार पीपीएफ की ब्याज दर सात फीसदी से भी नीचे जा सकती है। अप्रैल-जून 2025 तिमाही की शुरुआत से 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर औसत रिटर्न 6.30त्न रहा है। छोटी बचत योजनाओं के लिए गोपीनाथ कमेटी के फार्मूले में पीपीएफ की ब्याज दर पिछली तिमाही में औसत 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर रिटर्न से 25 आधार अंक अधिक रखा गया है। अगर इस फॉर्मूले को अपनाया गया तो जुलाई-सितंबर तिमाही में पीपीएफ की ब्याज दर 6.55 फीसदी हो सकती है। इसका मतलब कि पीपीएफ की ब्याज दर पांच दशक में पहली बार सात फीसदी के नीचे जा सकती है।

सीएनजी और पीएनजी की घट सकती है कीमतें

2-3 दिन में लिया जा सकता है फैसला

नई दिल्ली।

देशभर के सीएनजी और पीएनजी उपभोक्ताओं को अगले दो-तीन ` दिन में राहत भरा समाचार` मिल सकता है। बताया गया है` कि अब गैस की कीमतें आपकी लोकेशन या गैस सोर्स से दूरी पर निर्भर नहीं करेंगी। पेट्रोलियम और नैचुरल गैस रेगुलेटरी बोर्ड (पीएजीआरबी) ने नए यूनिफाइड टैरिफ फ्रेमवर्क को मंजूरी दे दी है, जिससे अब देश के अधिकतर हिस्सों में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की कीमतें घट सकती हैं। यूनिफाइड टैरिफ सिस्टम यानी अब तक देश को तीन टैरिफ जोन में बांटकर उपभोक्ताओं से अलग-अलग दरों पर शुल्क लिया जाता था। जो उपभोक्ता गैस ट्रांसपोर्ट नेटवर्क से ज्यादा दूर रहते थे, उन्हें ज्यादा पैसे चुकाने पड़ते थे। लेकिन अब इस ढांचे को तीन से घटाकर दो जोन में बदलने की तैयारी है, जिससे दूर-दराज के इलाकों में रहने वालों को ज्यादा राहत मिलने की उम्मीद है। नई व्यवस्था में एक ही जोन के सभी उपभोक्ताओं को एक समान टैरिफ देना होगा, चाहे वो गैस स्टेशन के पास हों या दूर। इससे सीएनजी व पीएनजी की दरों में एकरूपता आएगी और ट्रांसपोर्ट दूरी पर आधारित महंगे शुल्क से मुक्ति मिलेगी। सूत्रों के मुताबिक, आने वाले 2-3 दिनों में इस प्रस्ताव को लेकर आधिकारिक घोषणा हो सकती है।

कनाडा के डिजिटल टैक्स पर नाराज हुए ट्रंप, टैरिफ लगाने की दी चेतावनी

ट्रंप ने व्यापारिक बातचीत को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की घोषणा की

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कनाडा के साथ सभी व्यापारिक बातचीत को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि यह कदम कनाडा द्वारा टेक्नोलॉजी कंपनियों पर लगाए गए डिजिटल सर्विस टैक्स के जवाब में उठाया गया है। ट्रंप ने इसे अमेरिका पर सीधा और खुला हमला बताया। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा` कि इस अनुचित टैक्स के चलते, हम कनाडा के साथ चल रही सभी व्यापारिक बातचीत को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगले सात दिनों के भीतर अमेरिका कनाडा को उन टैरिफ की जानकारी देगा, जो उसे अमेरिका के साथ व्यापार करने के लिए चुकाने होंगे। उन्होंने कहा है कि अमेरिका के टेक्नोलॉजी कंपनियों पर डिजिटल सर्विसेज टैक्स लगाने के कनाडा के फैसले के बाद अब दोनों देशों के बीच व्यापार पर कोई बातचीत नहीं होगी। ट्रंप ने यह बयान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट के जरिए दिया। उन्होंने कहा ` कि हमें अभी जानकारी मिली है कि कनाडा, जो व्यापार के लिहाज से बेहद कठिन देश है, ने हमारी टेक कंपनियों पर डिजिटल टैक्स लगाने

का फैसला किया है। यह सीधा और खुला हमला है। ट्रंप ने यह भी आरोप लगाया कि कनाडा ने वर्षों से अमेरिकी किसानों के डेयरी उत्पादों पर 400 फीसदी तक शुल्क लगाया है।

ईवी इंफ्रा ने एनपीसीएल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का करेगी विस्तार

नई दिल्ली।

इंचार्ज ब्रांड के तहत परिचालन करने वाली सर्वोटेक ईवी इंफ्रा ने ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करने नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीएलएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। एनपीसीएल में पीएमएस और सस्टेनेबिलिटी के एक प्रमख अे धिकारी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

एनपीसीएल आरपी-संजीव गोयनका समूह और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के बीच एक ज्वाइंट वेंचर है। समझौते के तहत दोनों संगठन आवासीय परिसरों, कार्यालय भवनों, कॉमर्शियल सेक्टर और अस्पतालों सहित स्थानों पर ईवी चार्जिंग स्टेशनों की पहचान, विकास के लिए ज्वाइंट वेंचर से काम करेंगे।

एनपीसीएल संभावित स्थलों का सुझाव देकर और बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के साथ समन्वय स्थापित करके इस प्रयास का समर्थन करेगा। पहले चरण में ग्रेटर नोएडा की दो रिहायशी सोसायटियों में ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाए जा चुके हैं। स्टेलर जीवन में इंचार्ज ने 7.4 किलोवाट और 10 किलोवाट के एसी चार्जर लगाए हैं। ऐस डिविनो में, साइट में 40 किलोवाट का डीसी चार्जर और 10 किलोवाट का एसी चार्जर है, जिसमें एक साथ तीन दोपहिया वाहनों को चार्ज करने की क्षमता है।

इंचार्ज के सीईओ ने कहा` एनपीसीएल के साथ यह साझेदारी पूरे देश में एक स्मार्ट और स्केलेबल ईवी चार्जिंग नेटवर्क बनाने की दिशा में हमारी यात्रा में एक निर्णायक मील का पत्थर है। यह भारत को सौर ऊर्जा से जोड़ने और इसके शहरों को स्वच्छ ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने के सर्वोटेक के बड़े मिशन से ` मिलता जुलता है।

नए अपडेटेड मॉडल्स पर काम कर रही टीवीएस मोटर

नई दिल्ली।

हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर टीवीएस मोटर कंपनी ने एक टीज़र वीडियो जारी किया है, जिससे यह साफ संकेत मिल रहा है कि पॉपुलर बाइक्स अपाचे आरटीआर 160 2 वी और अपाचे आरटीआर 180 2 वी के नए अपडेटेड मॉडल्स पर काम कर रही है। इन दोनों बाइक्स को जल्द ही भारतीय बाजार में लॉन्च किया जा सकता है। हालांकि कंपनी ने इन बाइक्स से जुड़ी ज्यादा जानकारियां साझा नहीं की हैं, लेकिन ऑटो इंडस्ट्री से जुड़ी रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपडेटेड बाइक्स में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि नई अपाचे आरटीआर 160 और आरटीआर 180 को ओबीडी-2बी (ऑन-बोर्ड डायग्नोस्टिक) नॉर्म्स के अनुसार अपग्रेड किया जाएगा, जिससे ये बाइक्स पर्यावरण के अनुकूल बनेंगी। इसके अलावा, इन बाइक्स में विजुअल अपग्रेड्स और कुछ नए फीचर्स भी जोड़े जा सकते हैं, जैसे नई पेंट स्कीम, ग्राफिक्स और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर। मौजूदा अपाचे आरटीआर160 में 159.7सीसी का सिंगल-सिलिंडर, एयर-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 15.82बीएचपी की पावर और 13.85 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं अपाचे आरटीआर 180 में 177.4सीसी का एयर/ऑयल-कूल्ड इंजन है, जो 16.78बीएचपी की पावर और 15.5 एनएम का टॉर्क देता है। दोनों बाइक्स में 5-स्पीड गियरबॉक्स मिलता है। अपाचे आरटीआर सीरीज की बाइक्स भारतीय युवाओं में खासा लोकप्रिय हैं और खासतौर पर स्टंटिंग कम्युनिटी में इनकी डिमांड बनी हुई है। छोटे व्हीलबेस और दमदार टॉर्क की वजह से ये बाइक स्टंट और शहरी राइडिंग दोनों के लिए बेहतरीन मानी जाती हैं।

मॉनसून सर्विस कैंप शुरू करने की घोषणा की हयूदै ने

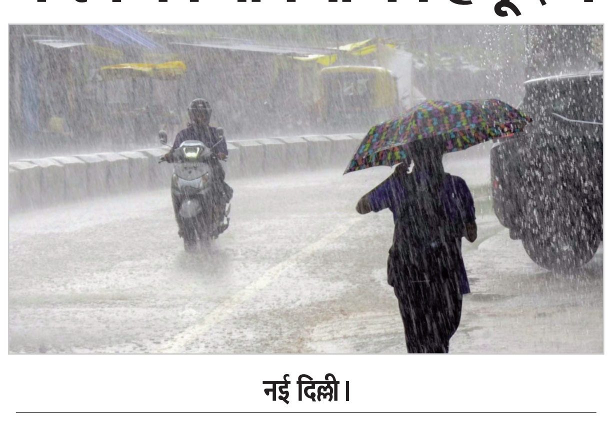

नई दिल्ली।

मानसून सीज़न में भारतीय ग्राहकों को राहत देने के लिए हयूदै मोटर्स इंडिया लिमिटेड ने एक विशेष मॉनसून सर्विस कैंप शुरू करने की घोषणा की है। इसका मकसद बारिश के मौसम में वाहनों की सुरक्षा और बेहतर परफॉर्मेंस सुनिश्चित करना है। यह कैंप 25 जून से 20 जुलाई 2025 तक देशभर के सभी अधिकृत हयूदै वर्कशॉप्स पर आयोजित किया जाएगा। इस दौरान ग्राहकों को 70 पॉइंट्स का मुफ्त वाहन हेल्थ चेकअप दिया जाएगा, जिसमें ब्रेक, टायर्स, लाइटिंग, बैटरी, वाइपर, अंडरबॉडी और इलेक्ट्रिकल सिस्टम जैसी अहम चीज़ों की जांच की जाएगी। इस सेवा कैंप में हयूदै ग्राहक कई आकर्षक छूटों का लाभ भी उठा सकते हैं। एक्सटेंडेड वारंटी पैकेज पर 35 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है, जबकि पीरियॉडिक मेंटेनेंस सर्विस के मैकेनिकल लेबर चार्ज, इंटीरियर और एक्सटीरियर ब्यूटीफिकेशन तथा अंडरबॉडी एंटी-रस्ट कोटिंग पर 15प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसके अलावा ब्रेक पैड, क्लच और सस्पेंशन जैसे वियर-एंड-टियर पार्ट्स तथा हेडलैम्प, टेललैम्प, बल्ब और वाइपर ब्लेड की खरीद पर 10प्रतिशत की छूट उपलब्ध है। लेबर से जुड़ी सेवाओं जैसे सनरूफ लुब्रिकेशन और काउल पैनल क्लीनिंग पर भी 10प्रतिशत की छूट दी जा रही है। एचएमआईएल के सीओओ तरुण गर्ग ने कहा कि हयूदै का लक्ष्य ग्राहकों को सुरक्षित और परेशानी मुक्त मानसून ड्राइविंग अनुभव देना है। उन्होंने सभी हयूदै मालिकों से इस सेवा कैंप का लाभ उठाने की अपील की।

एससीओ में रक्षामंत्री का चीन-पाक को कड़ा संदेश

ललित गर्ग

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्टे सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम के क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था। भारत की आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड के विरुद्ध इस दृढ़ता एवं साहसिकता की चर्चा विश्वव्यापी हो रही है। भारत ने विश्व को आगाह कर दिया है कि अब आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। राजनाथ सिंह के अडिगता एवं असहमति के इस कदम से एससीओ के रक्षामंत्रियों का सम्मेलन बिना संयुक्त वक्तव्य जारी किये ही समाप्त हो गया, जो पाकिस्तान एवं चीन के मुंह पर करारा तमाचा है। ऐसा होना भारत की ही जीत है और चीन-पाकिस्तान के लिये शर्मसार होने की घटना है। विशेषतः इस घटनाक्रम से चीन की बदनीयत एक बार फिर से उजागर हो गई है।

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले गुरुवार को उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ सोचने पर मजबूर करती है। पाक की आतंकी हरकतें रूक नहीं रही है, अमरनाथ यात्रा पहले ही आतंकियों के निशाने पर रही है और इस बार भी आतंकियों के निशाने पर है, विगत तीन दशक से तनाव की स्थिति में ही अमरनाथ यात्रा हो रही है। सुरक्षा बल शांतिपूर्ण यात्रा के लिए प्रयासरत हैं लेकिन एससीओ जैसे संगठनों को पाक को सख्त हिदायत देते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में पाक समर्थित आतंकवाद रूकना चाहिए।

निश्चित ही एससीओ सम्मेलन में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक निडर एवं साहसिक नेता के रूप में उभरे। उन्होंने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को आतंकवाद जैसी सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद दुनिया में शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे, आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम में निष्पक्ष बने। यह भी अच्छा हुआ कि रक्षामंत्री इस पर भी अड़े रहे कि एससीओ में आतंक का समर्थन करने वाले देशों की निंदा एवं भर्त्सना होनी चाहिए। इसका अर्थ था कि पाकिस्तान को बख्शा न जाए, लेकिन चीन ने आशंका के अनुरूप ढिठाई एवं बदनियत ही दिखाई।

चीन लगातार पाक के आतंकवाद पर सहयोगी दृष्टिकोण अपनाये हुए है। उसे आतंकवाद के खिलाफ सख्त होना चाहिए लेकिन वह पहले भी आतंकवाद के प्रति नरमी दिखा चुका है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वह पाक के आतंकी सरगनाओं का बचाव कर चुका है। इससे उसकी बदनामी भी हुई थी, लेकिन उस पर कोई असर नहीं पड़ा। चीन आतंक को लेकर जितना संवेदनशील होना चाहिए, पाक के कारण वह उतना नहीं हो पा रहा है। इससे उनकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि आहत हो रही है, लेकिन वह सुधरने को तैयार नहीं है। यह स्पष्ट है कि एससीओ में चीन-पाक के बीच बढ़ते शरारत भरे तालमेल पर भारत को इस संगठन में अपनी भूमिका को लेकर सतर्क एवं सावधान होना होगा। भारत को यह भी देखना होगा कि विस्तार ले रहे इस संगठन में अपनी महत्ता कैसे स्थापित करे। यह ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने रवैये के कारण चीन भारत से संबध सुधारना चाहता है और कुछ मामलों में अपना रुख बदलने के लिए विवश भी हुआ है, पर इसका यह मतलब नहीं कि वह भारत के हितों की अनदेखी करे या फिर अमेरिका एवं पश्चिम के अन्य देशों की तरह आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए और आतंक के समर्थक पाक का सहयोग एवं समर्थन जारी रखे। भारतीय नजरिये से देखें, तो अमेरिका और चीन, दोनों ही भारत में आतंकवाद के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। भूलना नहीं चाहिए, पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाक सैन्य जनरल का अपने भवन में भोज के साथ स्वागत किया है। ऐसे घटनाक्रमों से भारत के लिए संदेश साफ है कि वह आंतरिक स्तर पर आतंकियों के लिये अपने संघर्ष को तीखी धार दे। भारत को अपनी आर्थिक एवं सैन्य ताकत बढ़ानी होगी, तभी आतंकवाद को कुचला जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफ उसे अकेले की संघर्षरत रहना होगा।

दरअसल, एससीओ सम्मेलन में भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। इसीलिये सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपिरशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। इसी से दो देशों के बीच युद्ध की नौबत आ गई, एससीओ सम्मेलन में उस हमले को तवज्जो न देने की रणनीति दरअसल हकीकत के साथ मखौल एवं दौगलापन है। लेकिन सम्मेलन में रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था।

पाक और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए भारत ने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाक के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले एससीओ सम्मेलन में पाक के आतंकी मनसूंबों को लेकर स्पष्ट नजरिया बनना जरूरी है। एससीओ की घोषणा में अगर यह आरोप लगाया गया है कि बलूचिस्तान की गड़बड़ी में भारत शामिल है, तो फिर भारत को ज्यादा कड़ा रुख अख्तियार करने की जरूरत है। ऐसे झूठे एवं भ्रामक तथ्यों का प्रतिकार जरूरी है। ऐसे झूठ को फैलाकर ही पाक दुनिया से सहानुभूमि जुटाता रहा है। इसलिये किसी भी ऐसे विश्व स्तरीय सम्मेलन में अपनी बात भी पुरजोर ढंग से तथ्यपरक तरीके से रखनी चाहिए। वहां पारित होने वाले प्रस्तावों के प्रति रक्षामंत्री की भांति ज्यादा संवेदनशील एवं सख्त होने की जरूरत है। भारत अपनी इसी नीति को दोहरा कर शत्रु मानसिकता वाले देशों को सबक दे सकेगा। पाक के प्रति भारत की सख्ती हर मोर्चे पर दिखाई दे। भले ही पाक हकीकत न देखने की गलती दोहराता रहे। अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी उद्देश्यों के लिए आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित तथा प्रयोग करने वालों को इसके परिणाम भुगतने ही होंगे। ऐसा करते हुए वह कंगाल होने की कगार पर पहुंच चुका है, वह लगातार गरीबी और कमजोरी का शिकार हो रहा है। आतंकवाद को पोषित करते हुए यह देश अन्य देशों की दया पर आश्रित होता जा रहा है। लेकिन भीख में मिली दया या अनुदान से कब तक खुद को कायम रख पायेगा?

संपादकीय

पाकिस्तान फिर बेनकाब

शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भारत ने पाकिस्तान को एक बार फिर बेनकाब करते हुए भारत पर ही आरोप मढ़ने की उसकी चाल को विफल कर डाला। आतंकवाद के खिलाफ अपने कड़े रुख पर कायम रहते हुए भारत ने पहलगाम आतंकी हमले को नजरअंदाज करने और सीमा पार से होने वाले पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के प्रति भारत कीचिंताओं को अनदेखा करने पर बृहस्पतिवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। एससीओ रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने पहलगाम आतंकी हमले को वक्तव्य में शामिल करने की मांग की, जबकि पाकिस्तानी पक्ष ने बलूचिस्तान में चरमपंथी गतिविधियों पर टिप्पणी डलवाने पर जोर दिया, जो साफ-साफ भारत पर आरोप मढ़ने का प्रयास था। पाकिस्तान की इस हरकत के कारण सम्मेलन संयुक्त वक्तव्य के बिना ही समाप्त हो गया। वक्तव्य के मसौदे में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र ही नहीं था और न ही सीमा पार से होने वाले आतंकवाद पर भारत के रुख को दशार्या गया था। ये सारी चालें सम्मेलन के अत्यंत महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर भारत के रुख को कमजोर करने के लिए चली जा रही थी, मामले को भांपते ही रक्षामंत्री ने पाक के धुर्रे उड़ा दिए। राजनाथ ने आतंकवाद का प्रायोजक ठहराते हुए जवाबदेह ठहराने की अपील की। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवाद पर दोहरे मापदंड रखने वालों के खिलाफ एससीओ को भी भारत जैसी कड़ी नीति अपनानी चाहिए। अब आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का वक्त आ गया है। आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित और अपने संकीर्ण और निहित उद्देश्यों के लिए इसका इस्तेमाल करने वालों को परिणाम भुगतने ही होंगे। ऑपरेशन सिंदूर इसकी शुरूआत थी जिसके तहत भारत ने आतंकवाद से बचाव तथा सीमा पार से होने वाले हमलों को रोकने के अपने अधिकार का प्रयोग किया। आपरेशन से आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की भारत की नीति उसकी कार्रवाइयों के माध्यम से प्रदर्शित हुई है। भारत के इन प्रयासों को एससीओ के सदस्य देशों से निसंकोच भरपूर सहयोग और समर्थन मिलना ही चाहिए। दुनिया के इस भूभाग में इसी से शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त होगा तथा संगठन का उद्देश्य सार्थक हो सकेगा।

क्या अमेरिका-इजरायल खामेनेई को सत्ता से हटाने में सफल हो पाएंगे!

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद 'मेक ईरान ग्रेट अगेन' ये बयान दिया था। दरअसल अमेरिका ऐसा कह कर ईरान में सत्ता परिवर्तन की संभावना तलाश रहा है। अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, 'सत्ता परिवर्तन शब्द का उपयोग करना राजनीतिक रूप से सही नहीं है लेकिन अगर वर्तमान शासन ईरान को फिर से महान बनाने में समर्थ नहीं है तो सत्ता परिवर्तन क्यों नहीं होगा?

अमेरिका ने ईरान में सुप्रीम लीडर खामेनेई को सत्ता से हटाने की कई बार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोशिश की है लेकिन मुस्लिम शिया धर्म के सुप्रीम लीडर खामेनेई को हटाना संभव नहीं हो सका। इस वक्त भी ईरान में सत्ता परिवर्तन की माँग उठ रही है। खुद खामेनेई के परिवार से इसकी माँग उठने लगी है।

महमूद मोरादखानी ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के भतीजे हैं। वह 1986 में ईरान छोड़कर फ्रांस चले गए थे और निर्वासन की जिंदगी जी रहे हैं। महमूद मोरदखानी ने कहा है कि वह युद्ध के पक्ष में नहीं हैं लेकिन ईरानी सरकार का खात्मा ही यहाँ स्थायी शांति के लिए जरूरी है। महमूद मोरादखानी के अनुसार ह्यजो भी इस शासन को मिटा सके, वह जरूरी है।ह्व उनका मानना है कि कई ईरानी लोग खामेनेई के कमजोर होने से ईरान में खुश हैं।

ईरान के पूर्व शहजादे रजा पहलवी ने भी शासन में बदलाव पर जोर दिया है। उनका कहना है कि तेहरान में सत्ता पतन जरूरी है। रजा पहलवी ईरान के अंतिम पहलवी शासक मोहम्मद शाह पहलवी के बड़े बेटे हैं। उनका परिवार अमेरिका में निर्वासन की जिंदगी गुजार रहा है। 1979 में देश छोड़कर भागे पूर्व शाह के बेटे रजा पहलवी इस वक्त काफी सक्रिय हैं।

रजा अमेरिका में रहते हैं और खुद को ईरान के शासक के रूप में देखना चाहते हैं। 2016 में पहली बार जब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बने थे तो शाह ने ईरान में धर्मनिरपेक्ष सरकार बनाने और लोकतंत्र की बहाली की वकालत की थी।

इसके बाद फिर जब ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बने तो पहलवी ने ईरान में लोकतंत्र की वकालत करते हुए पश्चिमी राष्ट्रों से उसके संबंध सुधारने पर जोर दिया था। अब जब इजरायल ने ईरान पर हमला किया तो वह इजरायल का पक्ष लेते हुए नजर आए। उन्होंने कहा कि ईरान में अभी कई ऐसे लोग हैं जो इजरायल की इस कार्रवाई का समर्थन कर रहे हैं और खामनेई को सत्ताच्युत करना चाहते हैं। माना जा रहा है कि अब राष्ट्रपति ट्रंप ईरान में सत्ता परिवर्तन में रजा पहलवी को समर्थन दे सकते हैं और ईरान में लोकतंत्र की स्थापना की पहल कर सकते हैं। हालाँकि खामनेई ने अपने विकल्प के तौर पर तीन उत्तराधिकारियों को चुन लिया बताया जा रहा है। ये तीनों ही मौलवी हैं यानी ईरान को इस्लामिक राष्ट्र बनाए रखने की व्यवस्था खामेनेई ने कर दी है।

ईरान में अभी कई संगठन एक्टिव हैं जो चाहते हैं कि सत्ता परिवर्तन हो। इनमें पीपुल्स मुजाहिदीन या मोजाहिदीन ए खल्क यानी एमईके, ग्रीन मूवमेंट प्रमुख हैं। एमईके ऐसा संगठन है जिसे गोरिल्ला युद्ध लड़ने में महारत हासिल है लेकिन अमेरिका इसे नहीं पसंद करता क्योंकि ये संगठन रूस के नजदीक रहा है। अमेरिका विरोध के बावजूद खामेनेई को उखाड़ फेंकने की कोशिश में ये संगठन लगा हुआ है। जानकारी के अनुसार खामेनेई ने ही इस संगठन को कुचला था। धीरे-धीरे खुद को खड़ा करने के दौरान संगठन अमेरिका के संपर्क में भी आ गया। इस दल के नेता को अल्बानिया में स्थापित करने में अमेरिका ने अहम भूमिका निभाई हालाँकि आज की तारीख में ये कहना काफी मुश्किल है कि संगठन ईरान की इस्लामिक सत्ता को उखाड़ फेंकने में सक्षम है।

ग्रीन मूवमेंट ईरान में 2009 में सुर्खियों में आया। राष्ट्रपति चुनाव में धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए संगठन ने आंदोलन चलाया। देश में लोकतांत्रिक सुधारों की बात करने वाला ये संगठन खामेनेई को सत्ता से हटाना चाहता है और अक्सर विरोध प्रदर्शन करता रहता है। इस संगठन ने 2010 में बड़ा आंदोलन खड़ा किया था। इस्लामिक राष्ट्र का विरोध करने के कारण इसके आंदोलन को दबा दिया गया और इसके नेताओं को गिरफ्तार किया गया। आज की परिस्थिति में ये उम्मीद करना मुश्किल है कि ये संगठन ईरान में इस्लामिक सत्ता को हटा सकता है।

ईरान में इस्लामिक शासन के दौरान वर्षों से महिलाओं का दमन किया जाता रहा है। हिजाब के खिलाफ महिलाएँ सड़कों पर उतरती रही हैं और सरेआम इसे उतार कर फेंकती रही हैं। विरोध प्रदर्शन में हिजाब जलाना, खामेनेई की तस्वीर जलाकर 'मुल्ला भाग जाओ' का नारा बुलंद करना आम रहा है। अब इन महिलाओं को खामेनेई को सत्ता से हटाने का विकल्प सामने दिखने लगा है। इधर अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान में सत्ता परिवर्तन पर बड़ा बयान दिया। उनका कहना है कि वो ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना चाहते हैं। वे सत्ता परिवर्तन नहीं चाहते।

अमेरिका और इजरायल के अलावा भी कई देश हैं जो खामेनेई को सत्ता से बेदखल होते हुए देखना चाहते हैं। इनमें इराक, सऊदी अरब, लेबनान, मिस्त्र जैसे पड़ोसी इस्लामिक देश भी शामिल हैं। दरअसल इन राष्ट्रों का झगड़ा शिया-सुन्नी को लेकर है। ईरान एकमात्र शिया इस्लामिक देश है जबकि बाकी देश सुन्नी इस्लामिक राष्ट्र हैं।

रामस्वरूप रावतसरे

चिंतन-मनन

जीवन में दर्द अस्थायी होता है

एक राजा ने अपने सभी सलाहकारों को बुलाया और कहा, मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर बना रहूं। जीवन के उतार-चढ़ाव मेरा संतुलन बिगाड़ देते हैं। तुम कोई ऐसी चीज बताओ जिससे दुख की अवस्था से गुजरते हुए मैं खुशी पा सपूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं, तो वह चीज मुझे दुखों की याद दिलाती रहे। ऐसी चीज खोजो जो मैं अपने पास रख सपूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत-स्थिर रह सपूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने विचार-विमर्श किया। अंत में वे एक बक्सा लेकर राजा के पास गए- महाराज, आप इस बक्से को खोलें। राजा ने उसे खोला तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा, इस पर जो लिखा है,उसे पढ़ें। अंगूठी पर लिखा था- यह समय भी बीत जाएगा। इन पांच सादे लफ्जों से राजा को बड़ी मदद मिली। हमें भी संतुलन बनाए रखने में इनसे मदद मिल सकती है। जब हम बहुत आनंद में हों, तब याद रखने की जरूरत है कि चीजें हर समय ऐसी नहीं रहेंगी और जब खुशहाल वक्ति गुजर जाए तो हमें निराश या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हमें ये पांच सादे लफ्ज याद दिला सकते हैं कि दर्द अस्थायी है और खुशहाली फिर लौट आएगी। सभी जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये जीवन के अभिन्न अंग हैं। इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर अस्थिर हो जाना चाहेंगे ? अगर हम खुद को जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे लेकिन अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते।...

मुद्दा : समय पर न्याय मिलना जरूरी

डॉ. प्रभात दीक्षित

भारत की न्यायिक व्यवस्था अब बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ा चुकी है। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने अब महीने में दो अतिरिक्त कार्य दिवस जोड़ने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

यानी अब दूसरे और चौथे शनिवार को भी सुप्रीम कोर्ट खुलेगा और नियमित मामलों की सुनवाई करेगा। यह फैसला केवल अदालत के काम के घंटे बढ़ाने का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसे समय में आया है जब देशभर में न्याय का बोझ बहुत बढ़ गया है। देश में वर्तमान समय में करीब 5 करोड़ मुकदमे अदालतों में लंबित हैं। इनमें से अकेले सुप्रीम कोर्ट में 72,000 से अधिक मामले पेंडिंग हैं।

हाईकोर्ट में यह संख्या लगभग 60 लाख के करीब है और सबसे ज्यादा भार तो निचली अदालतों पर है, जहां 4 करोड़ 30 लाख से अधिक मुकदमे वर्षो से फैसले की राह देख रहे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की यह पहल एक संकेत है कि न्यायपालिका अब खुद भी अपनी कार्य संस्कृति को बदलने को तैयार है और यह बदलाव केवल अदालतों के भीतर नहीं, बल्कि पूरे समाज में फैलना चाहिए, लेकिन सवाल यहीं से शुरू होता है कि क्या अदालतों के कार्य दिवस बढ़ा देने भर से समस्या हल हो जाएगी? जवाब है नहीं।

जब तक समाज, सरकार, मीडिया, पुलिस, प्रशासन और आम नागरिक सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझेंगे, तब तक अदालतों पर बढ़ता बोझ कम नहीं होगा। आज जरूरत इस बात की है कि आम आदमी खुद यह सोचे कि क्या हर विवाद अदालत तक ले जाना जरूरी है? अक्सर मामूली झगड़े जैसे कि जमीन के छोटे विवाद, पारिवारिक तनाव, लेन-देन की छोटी बातें भी कोर्ट तक पहुंचा दिए जाते हैं, जिन्हें बातचीत, पंचायत, मीडिएशन या लोक अदालत के जरिये सुलझाया जा सकता है।

आम जनता को समझना होगा कि हर मामला न्यायालय में ले जाना ही समाधान नहीं, कई बार यह समस्या को और उलझा देता है। वकीलों की भूमिका भी कम अहम नहीं है। वे मुकदमे की दिशा तय करते हैं, मुकदमा लड़ा जाए या सुलझाया जाए। अगर वे केवल जीत-हार की सोच से ऊपर उठकर न्याय दिलाने की भावना से काम करें, तो लाखों मामले अदालत तक पहुंचने से पहले ही सुलझ सकते हैं। साथ ही, यह भी जरूरी है कि वकील फर्जी या दुर्भावनापूर्ण मामलों को दर्ज करने से परहेज करें और मुवक्किल को वास्तविक कानूनी रास्ता दिखाएं। इसी तरह पुलिस और जांच एजेंसियों की भी सीधी भूमिका है। जब समय पर चार्जशीट दाखिल नहीं होती, जब जांच अधूरी रहती है, जब गवाहों की सुरक्षा नहीं होती, तब मामला खिंचता चला जाता है। न्याय प्रक्रिया तभी प्रभावी हो सकती है जब जांच समयबद्ध, निष्पक्ष और तकनीकी रूप से मजबूत हो। कई मामलों में पुलिस की लापरवाही ही न्याय में देरी की सबसे बड़ी वजह बनती है। प्रशासनिक अधिकारियों को भी अपनी भूमिका को गंभीरता से लेना होगा।

जब भूमि विवाद, जाति प्रमाण पत्र, किराएदारी या राजस्व से जुड़े मामूली मसले प्रशासन द्वारा समय पर न सुलझाए जाएं, तो जनता के पास अदालत जाने के अलावा कोई चारा नहीं बचता है। ऐसे में तहसीलदार, एसडीएम और अन्य अधिकारी अपने स्तर पर सक्रिय रहेंगे तो कोर्ट का बहुत सारा भार हल्का किया जा सकता है।

वहीं मीडिया, जो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहलाता है, उसे भी जिम्मेदारी निभानी होगी। अक्सर देखा गया है कि मीडिया कुछ मामलों को इस तरह से उछाल देता है कि वह ह्यट्रायल बाय मीडियाह्व बन जाता है। इससे न केवल न्याय की प्रक्रिया प्रभावित होती है, बल्कि जनता का भ्रम भी बढ़ता है। मीडिया का काम है जनता को न्यायिक प्रक्रियाओं की जानकारी देना, कोर्ट के फैसलों को सही संदर्भ में प्रस्तुत करना और जन-जागरूकता फैलाना है।

यदि मीडिया सकारात्मक भूमिका निभाए, तो न्यायपालिका और समाज के बीच की दूरी को पाटने का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है। और अंत में, सरकार और नीति-निमार्ताओं की भूमिका इस पूरी तस्वीर में केंद्रीय है। यदि जजों की संख्या पर्याप्त नहीं

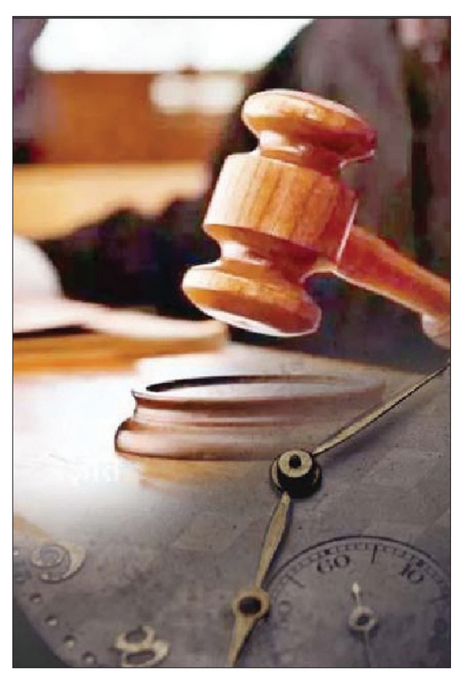

होगी, यदि अदालतों की इमारतें खस्ताहाल रहेंगी, यदि कोर्ट स्टाफ की ट्रेनिंग पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो कितने भी कार्य दिवस क्यों न बढ़ा दिए जाएं, नतीजे नहीं आएंगे। सरकार को न्यायिक बजट में बढ़ोतरी करनी चाहिए, ई-कोर्ट जैसी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाना चाहिए और न्यायिक नियुक्तियों को प्राथमिकता के साथ निपटाना चाहिए।

कॉफी पीने से 30 प्रतिशत घटती है मौत की आशंका

हाल ही में किए गए एक अध्ययन के अनुसार कॉफी पीने से मौत का खतरा 30 प्रतिशत कम हो जाता है। इसके साथ ही कॉफी पीने से तीव्र गुर्दे की चोट में भी फायदा होता है। रिपोर्ट के अनुसार, किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित निष्कर्ष बताते हैं कि जो लोग हर दिन किसी भी मात्रा में कॉफी पीते थे, उनमें एकेआई का 15 प्रतिशत कम जोखिम था, जो कि पीने वाले समूह में सबसे बड़ी कमी देखी गई थी।

शोधकर्ताओं ने पाया है कि कॉफी पीने से मृत्यु की आशंका घटती है। एनल्स ऑफ इंटर्नल मेडिसिन में प्रकाशित रिसर्च का निष्कर्ष है कि जिन लोगों ने एक चम्मच शुगर के साथ डेढ़ से लेकर साढ़े तीन कप कॉफी प्रतिदिन पी थी, उन लोगों के कॉफी ना पीने वालों की तुलना में मरने का खतरा 30 प्रतिशत कम रहा। शोधकर्ताओं ने ब्रिटेन में बड़े मेडिकल डेटा बेस यूके बायोबैंक से कॉफी पीने के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। उन्होंने सात वर्ष तक 37 से 73 वर्ष की आयु के बीच एक लाख 70 हजार लोगों की जीवनशैली, खानपान से सम्बन्धित जानकारी पर नजर डाली है।

शोध के अनुसार कैफीन युक्त और बिना कैफीन की कॉफी पीने वालों में मौत का खतरा कम पाया गया है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में मेडिसिन की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.क्रिस्टीना वी कहती हैं, ऐसी बहुत कम चीजें हैं जो मौत का खतरा 30 प्रतिशत घटाती हैं। पहले भी कई शोधों में कॉफी पीने से स्वास्थ्य को कई फायदों के संकेत मिले हैं। हम पहले से ही जानते हैं कि नियमित रूप से कॉफी पीने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग और यकृत रोग सहित पुरानी और अपक्षयी बीमारियों की रोकथाम के साथ जुड़ा हुआ है। कॉफी पीने से मृत्यु कम होने के साथ बुढ़ापे की बीमारी पार्किंसंस, दिल की बीमारियों, टाइप-2 डायबिटीज, लिवर प्रोस्टेट कैंसर सहित कई बीमारियों की आशंका घटती है। विशेषज्ञों का कहना है कि कॉफी में एंटीऑक्सीडेंट अधिक होने से शरीर की कोशिकाओं का नुकसान रुकता या कम होता है।

दिमाग से लेकर इम्यून सिस्टम के लिए जरूरी होता है विटामिन डी

विटामिन डी एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। जो हमारे दिमाग से लेकर इम्यून सिस्टम के लिए जरूरी होता है। इसकी कमी होने से शरीर का कामकाज बिगड़ जाता है। धूप को इसका सबसे बढ़िया सोर्स माना जाता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह रास्ता काम नहीं करता है। जिसकी वजह से इस विटामिन की कमी होने लगती है।

विटामिन डी की कमी से होने वाले रोग?

यह विटामिन हड्डी, नाखून, दांत के लिए काफी जरूरी होता है। इसके कम होने पर हड्डी में दर्द, जोड़ हटना, मसल्स में दर्द, बार-बार बीमार पड़ना, ऑस्टियोपोरोसिस कैल्शियम की कमी, डिप्रेशन के लक्षण आदि परेशान कर सकते हैं। इसलिए इसे बॉडी में कभी कम ना होने दें।

धूप में क्यों नहीं रहते लोग?

धूप को विटामिन-डी का बेस्ट सोर्स माना जाता है। लेकिन कुछ जगह धूप बहुत कम आती है या फिर कुछ लोगों की स्किन इसे ढंग से ग्रहण नहीं कर पाती है। वहीं, सेंसिटिव स्किन के लोग भी धूप से दूर रहते हैं। ऐसे में इन लोगों के लिए विटामिन डी लेने का अकेला रास्ता फल, सब्जियां, जूस, सप्लीमेंट खाना बच जाता है।

विटामिन डी की कमी का इलाज मशरूम

शाकाहारी लोगों में मशरूम से विटामिन डी की कमी खत्म की जा सकती है। एक स्टडी के अनुसार

इंसानों की तरह मशरूम भी धूप से विटामिन डी बनाता है। जिसे खाकर फायदा उठाया जा सकता है।

दूध, पनीर, दही

दूध और उससे बने पनीर, दही आदि में कैल्शियम होता है। इसके साथ आपको काफी विटामिन डी मिलता है। ये दोनों पोषक तत्व हड्डियों, दांत और नाखून को मजबूत बनाने के काम आते हैं। आप पनीर की भुर्जी बनाकर भी खा सकते हैं।

विटामिन डी बढ़ाएं - अंडा

प्रोटीन से भरा अंडा विटामिन डी भी देता है। इसके पीले हिस्से में फैटी एसिड, फैट और विटामिन डी होता है। आप इसे खाकर विटामिन डी की कमी पूरी कर सकते हैं।

विटामिन डी फल फोर्टिफाइड फूड

कुछ खाद्य पदार्थों में विटामिन डी अलग से डाला जाता है। आप मार्केट से संतरे का जूस, सीरियल, ओटमील, दूध आदि खरीद सकते हैं, जिसमें आर्टिफिशियल विटामिन डी डला हुआ हो।

हार्मोनल इंबैलेंस से जुड़ी दिक्कतें दूर करता है कपालभाति

ब्रीदिंग एक्सरसाइज को योग का खजाना कहा जाता है। इसे करने से न सिर्फ हार्मोनल इंबैलेंस बल्कि पाचन से जुड़ी कई दिक्कतें भी दूर हो सकती हैं। ऐसी ही एक एक्सरसाइज का नाम है कपालभाति। आइए जानते हैं कपालभाति प्राणायाम करने से शरीर को मिलते हैं कौन से फायदे।

डाइजेस्टिव सिस्टम को बनाएं मजबूत

कपालभाति डाइजेस्टिव सिस्टम को मजबूत बनाकर गैस, एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्याओं में भी राहत देता है।

दिल के लिए अच्छा

कपालभाति प्राणायाम फेफड़ों, स्प्लीन, लीवर, पैनक्रियाज के साथ-साथ दिल के कार्य में सुधार करता है। यह न केवल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है बल्कि धमनी के अवरोध को दूर करने में भी मददगार है।

नर्वस सिस्टम

यह नवर्स सिस्टम यानि तंत्रिका तंत्र के लिए भी बहुत अच्छा प्राणायाम माना जाता है। इसे करते समय होने वाली पंपिंग से ब्रेन के सेल्स में ऑक्सीजन का लेवल बढ़ जाता है। कई महिलाओं को कपालभाति करते समय बीच में उबासी आती है। उबासी आने का मतलब यह है कि ब्रेन के सेल्स बहुत थके हुए हैं और जब ऑक्सीजन जाता है तब वह रिलैक्स हो जाते हैं।

हार्मोंस बैलेंस

यह रिप्रोडक्टिव सिस्टम के लिए भी बहुत अच्छा होता है। इसके नियमित अभ्यास करने से ब्लड की सप्लाई यूट्रस, फैलोपियन ट्यूब और ओवरीज में बढ़ती है, जहां पर साफ-सफाई का काम हो जाता है। जैसे कि पीसीओडी होने पर सिस्ट बन जाते हैं। यह सिस्ट हार्मोनल इंबैलेंस के कारण बनते हैं। लेकिन जब कपालभाति प्राणायाम किया जाता है तब इससे हार्मोंस बैलेंस होते हैं।

ग्लोइंग त्वचा

कपालभाति शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करता है। जिससे आपकी त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार होता है और त्वचा ग्लोइंग बनती है।

कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर का पक्का इलाज है अनार

धरती पर विभिन्न तरह के फल पाए जाते हैं और हर फल के अपने अलग-अलग फायदे हैं। फलों में विभिन्न तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी हैं। फलों के नियमित से विभिन्न बीमारियों से बचने में मदद मिलती है। ऐसा ही एक जबरदस्त फल है अनार, जिससे सेहत को अनगिनत फायदे मिलते हैं। हार्वर्ड मेडिकल एक्सपर्ट्स इस बात पर चिंता जाहिर करते हैं कि अमेरिका में बहुत से लोगों को अनार के बारे में नहीं पता है और न ही खाया है।

क्लीवलैंड क्लिनिक की डाइटीशियन जूलिया जम्पानो ने बताया है कि अनार में न सिर्फ कम कैलोरी होती है बल्कि विभिन्न पोषक तत्वों से भरपूर यह फल कई रोगों का इलाज कर सकता है। एक अध्ययन में हार्वर्ड के डॉक्टरों ने भी माना है कि अनार एक एक शक्तिशाली फल है, जिसे खाने और इसका रस पीने से हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, कैंसर और दिल से जुड़े रोगों से बचने में मदद मिल सकती है। चलिए जानते हैं कि रोजाना अनार खाने से आपको क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

एंटीऑक्सिडेंट और कैंसर से लड़ने वाले गुण

जम्पानो कहती हैं कि अनार में एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो कोशिकाओं को विषाक्त पदार्थों से बचाने में मदद करते हैं और डीएनए को डैमेज होने से बचाते हैं, जिससे कैंसर हो सकता है।

गंदे कोलेस्ट्रॉल को करता है बाहर

हार्वर्ड की रिपोर्ट बताती है कि अध्ययनों से पता चलता है कि अनार का रस हानिकारक एलडीएल यानी गंदे कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने और हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन को बनाता है मजबूत

अनार की फाइबर सामग्री पाचन को स्वस्थ रखने में मदद करती है। आपको इसका रस पीने के बजाय पूरा फल खाना चाहिए। आधा कप अनार के दानों में 72 कैलोरी, 35 ग्राम फाइबर और 12 ग्राम शुगर होती है।

प्रोस्टेट को रखता है दुरुस्त

अनार के रस को प्रोस्टेट कैंसर वाले पुरुषों में प्रोस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन लेवल को स्थिर करने के लिए जाना जाता है। कुछ शोधों में पाया गया है कि अनार के रस में मौजूद घटक कैंसर कोशिकाओं के प्रसार को बढ़ावा देने वाले रासायनिक तत्वों को कमजोर करके उनकी गति को रोकने में मदद कर सकते हैं।

दिल को स्वस्थ रखने में मददगार

अनार के लाल दानों में मौजूद एलाजिक एसिड और एंथोसायनिन जैसे एंटीऑक्सिडेंट यौगिक हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम कर सकते हैं । इतना है नहीं यह धमनी की दीवारों पर जमा फैट, कोलेस्ट्रॉल और अन्य गंदे पदार्थों को हटा सकते हैं, जो रक्त वाहिकाओं को बंद करते हैं। एक दिन में एक कप अनार का रस पीने से दिल को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है।

घातक रोग का लक्षण हो सकता है हाथ पैर की झनझनाहट

पहले लोगों को तंबाकू के सेवन से कैंसर होता था लेकिन अब तंबाकू के अधिक सेवन से एक दुर्लभ बीमारी की पहचान हो गई है। इस बीमारी का नाम है बुर्जर रोग। बुर्जर की बीमारी को थ्रोम्बोआंगाइटिस ओब्लिटरन्स भी कहा जाता है। यह एक ऐसी बीमारी है जिसमें हाथों और पैरों की रक्त वाहिकाएं सूज जाती हैं और बाद में यह ब्लॉक हो जाती हैं।

नसों के ब्लॉक होने से हाथ-पैर की उंगलियों तक खून की सप्लाई रुक जाती है। ऐसा होने से आपके हाथ-पैरों में झनझनाहट या सुन्नता महसूस हो सकती है। आपको उंगलियों में पीलापन नजर आ सकता है। यह ऐसी खतरनाक बीमारी है जिसमें उंगलियां काम करना बंद कर देती हैं और किसी काम की नहीं रहती हैं। ऐसा माना जाता है कि यह बीमारी उन लोगों को ज्यादा होती है, जो स्मोकिंग करते हैं। जिन रोगियों को यह बुर्जर की बीमारी है, वे स्मोकिंग करने वाले हैं या किसी भी रूप में तंबाकू का उपयोग कर रहे हैं। इससे बचने का सबसे आसान तरीका स्मोकिंग की लत से छुटकारा पाना है। इसके अलावा कुछ रक्त वाहिकाओं और खून को पतला करने वाली दवाओं का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। गंभीर मामलों में हाथ-पैर की उंगलियां काटने की जरूरत हो सकती है। चलिए जानते हैं कि इस बीमारी के क्या कारण और लक्षण हैं और इसका किसको ज्यादा खतरा है।

क्या है बुर्जर की बीमारी

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, जिन रोगियों को यह बुर्जर की बीमारी है, वे स्मोकिंग करने वाले हैं या किसी भी रूप में तंबाकू का उपयोग कर रहे हैं। इससे बचने का सबसे आसान तरीका स्मोकिंग की लत से छुटकारा पाना है। इसके अलावा कुछ रक्त वाहिकाओं और खून को पतला करने वाली दवाओं का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। गंभीर मामलों में हाथ-पैर की उंगलियां काटने की जरूरत हो सकती है। चलिए जानते हैं कि इस बीमारी के क्या कारण और लक्षण हैं और इसका किसको ज्यादा खतरा है।

बुर्जर की बीमारी के कारण

ऐसा माना जाता है कि स्मोकिंग करने वालों में बुर्जर रोग विकसित होने का सबसे अधिक खतरा होता है। यह रोग भांग और तंबाकू का सेवन करने वालों में पाया गया है। यह एक दुर्लभ विकार है जो उन देशों में कम देखा गया है, जिन देशों में तंबाकू का कम सेवन किया जाता है।

बुर्जर की बीमारी के संकेत और लक्षण

- चलने से आपके निचले पैरों या पैरों में दर्द या जलन होना
- आपके हाथों या कलाइयों में दर्द या झनझनाहट
- रक्त में थक्के
- हाथ-पैर की उंगलियों पर अल्सर
- हाथ-पैर की उंगलियों पर त्वचा के रंग में पीला, लाल और कभी-कभी नीला पड़ जाना

अगर आप सोचते हैं कि आप जवान हैं और आपकी हड्डी अभी कमजोर नहीं हो सकती, तो आप बिल्कुल गलत हैं। जाने-माने हड्डी के सर्जन का कहना है कि आज कल लोगों को कम उम्र में ही ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डी विकार) होने का खतरा पहले की तुलना में ज्यादा बढ़ गया है। अगर आप कैल्शियम युक्त भोजन नहीं लेते तो आपके घुटने कुछ ही दिनों में कमजोर हो जाएंगे। अगर घुटना किसी भी प्रकार से क्षतिग्रस्त हो गया तो उसे ठीक करना बहुत मुश्किल है। अच्छा है कि आप अपने भोजन में कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल करें, जो आपके घुटनों के लिए अच्छे हों।

शरीर के जोड़ मजबूत रखने को खाएं...

बादाम, पपीता, सेब, ब्रोकली, बींस, अदरक और पिएं ग्रीन टी

- बादाम खाने से जोड़ों की आउटर मेंबरेन खराब होने से बची रहती है
- सेब खाने से आप जोड़ों के दर्द तथा जोड़ों के क्षतिग्रस्त होने से बच सकते हैं
- ब्रोकली शरीर से फ्री रैडिकल्स को बाहर निकालती है जिसकी वजह से जोड़ क्षतिग्रस्त नहीं होते
- ग्रीन टी जोड़ों के कार्टिलेज को क्षतिग्रस्त होने से रोकती है

आइए जानें उनके बारे में

1. बादाम : बादाम खाने से जोड़ों की आउटर मेंबरेन खराब होने से बची रहती है। इसमें विटामिन ''ई' और एंटीऑक्सीडेंट होता है जो सूजन और दर्द से बचाता है।

2. पपीता : पपीते में ढेर सारा विटामिन ''सी' होता है। रिसर्च में पाया गया है कि जिन लोगों के अदंर विटामिन ''सी' की कमी होती है उनमें जोड़ो का दर्द आम बात है।

3. सेब : सेब खाने से आप जोड़ों के दर्द तथा जोड़ों के क्षतिग्रस्त होने से बच सकते हैं। सेब जोड़ों में कोलाजन बनाने में मदद करता है जो कि घुटने को झटके लगने से बचाता है। जिससे घुटने खराब नहीं होते।

4. ब्रोकली : यह शरीर से फ्री रैडिकल्स को बाहर निकालती है जिसकी वजह से जोड़ क्षतिग्रस्त नहीं होते। इनमें काफी मात्रा में कैल्शियम होता है जिससे जोड़ों में मजबूती आती है।

5. काली बींस : यह मैग्नीज और अन्य तत्व से भरा हुआ होता है, जो जोड़ों के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। इसमें एंथोकायनिन्स होता है जो कि एक एंटीऑक्सीडेंट होता है। यह शरीर से फ्री रैडिकल्स को बाहर निकालता है और जोड़ों को खराब होने से रोकता है।

6. एक्सट्रा वर्जिन ऑइल : इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है जो कि जोड़ों के दर्द को दूर करता है। इसी की तरह से आप अखरोट का तेल भी प्रयोग कर सकते हैं।

7. अदरक : इसमें एक तत्व पाया जाता है जो तुरंत ही दर्द और सूजन को दूर करता है। आप चाहें तो इसकी चाय या फिर इसे भोजन में डाल कर पका सकते हैं।

8. ग्रीन टी : यह जोड़ों के कार्टलेंजि को क्षतिग्रस्त होने से रोकती है। ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट होता है जिससे फ्री रैडिकल्स हड्डियों को नुकसान नहीं पहुंचा पाते। रोजाना एक कप ग्रीन टी आपको जोड़ों के दर्द से बचा सकती है।

कैंसर, एचआईवी का पता लगाने की 10,000 गुना प्रभावी तकनीक

लॉस एंजिल्स। एचआईवी और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का पता लगाने के लिए एक नई और बहुत संवेदनशील जांच तकनीक का विकास किया गया है जो मौजूदा नैदानिक उपकरणों की तुलना में 10,000 गुना अधिक प्रभावी तरीके से बीमारी का पता लगाने में सक्षम है। शरीर में जब कैंसर और एचआईवी जैसे रोगों का विकास होने लगता है तो प्रतिरक्षा पण्राली एंटीबॉडी पैदा करने लगती हैं। रक्त में इन एंटीबॉडी और बॉयोमार्कर की मौजूदगी के आधार पर वैज्ञानिक यह अनुमान लगाते हैं कि रोग है या नहीं।

नई तकनीक में एक अणु का विकास करके उसे बायोमार्कर से जोड़ा जाता है जिसमें एक चिह्न भी लगा दिया जाता है।विशेष रासायनिक प्रतिक्रिया की एक श्रृंखला के जरिये अनुसंधानकर्ता उस चिह्न और उससे जुड़े बायोमार्कर को अलग कर सकेंगे। ऐसा रोग के परोक्ष मापन के लिए किया जा सकेगा। अमेरिका के स्टेनफोर्ड विविद्यालय में रसायन शास्त्र की प्रोफेसर कैरोलिन बतरेज्जी की प्रयोगशाला में इस नई तकनीक का विकास किया गया है। इस अध्ययन का प्रकाशन एसीएस सेंट्रल साइंस जर्नल में हुआ है।

मोटापा बच्चों की हड्डियों को कमजोर करता है

वॉशिंगटन। बच्चों में वसा वाली चीजों के प्रति काफी लगाव होता है जैसे चॉकलेट, केक, पीजा, बर्गर, पटेटो चीप्स आदि। इनमें वसा वाली और फैट करने वाली चीजें काफी मात्रा में पाई जाती हैं। इससे बच्चों में मोटापा काफी तेजी से बढ़ता है। जबकि मोटापा बच्चों की मांसपेशियों के साथ ही हड्डियों को भी कमजोर करता है। एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई है।अमेरिका की 'जार्जिया यूनिर्वसटिी' के शोधार्थी और इस अध्ययन के मुख्य लेखक किंडलर बताते हैं, 'मोटे बच्चों में मांसपेशियों का विकास अधिक होता है इसलिए हमारी धारणा है कि इन बच्चों की हड्डियां लंबी, मजबूत और बड़ी होनी चाहिए।' शोधकर्ताओं ने अध्ययन के दौरान देखा कि मांसपेशी कैसे बच्चों की हड्डियों की ज्यामिति और ताकत की विभिन्न विशेषताओं को प्रभावित करती हैं। पहले हुए शोध अध्ययनों का आकलन करते हुए वैज्ञानिकों ने पाया कि बचपन से लेकर किशोरावस्था तक मांसपेशियों का हड्डियों के विकास में अहम योगदान होता है। हालांकि मोटापे से ग्रस्त बच्चों में यह संबंध अलग पाया गया है। अध्ययन के अनुसार, मोटापे से जुड़ा हुआ अतिरिक्त वसा मांसपेशियों में जमा हो जाती है और यही वसा बच्चों की हड्डियों की कम वृद्धि के लिए जिम्मेदार होती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसे में इन स्थितियों से निपटने के लिए बच्चों को उचित आहार और शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से एक स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित करना चाहिए। (एजेंसी) दमोटापे से जुड़ी हुआ अतिरिक्त वसा मांसपेशियों में जमा हो जाती है और यही वसा बच्चों की हड्डियों की कम वृद्धि के लिए जिम्मेदार होती है

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग ज़ोन

पहला दोस्त (दूसरे दोस्त से)- क्या तुम कोई ऐसा शब्द बता सकते हो, जिसमें 1000 से भी ज्यादा लेटर हो?

दूसरे दोस्त (पहले दोस्त से)- अरे इसका जवाब तो बिल्कुल आसान है 'पोस्ट ऑफिस'.

☺ ☺ ☺

दो पागल आपस में बात कर रहे थे. एक ने हवा में मुट्ठी लहराते हुए कहा- क्या तुम बता सकते हो कि इसमें क्या है?

पहले ने कहा- शायद ताजमहल.

दूसरे ने मुस्कराकर कहा- ओह! मुट्ठी बंद करने के बाद भी तुमने देख ही लिया.

☺ ☺ ☺

चिड़ियाघर में हाथी के बाड़े के बाहर दो पहरेदार जोर-जोर से रो रहे थे. एक व्यक्ति ने उनसे रोने का कारण पूछा तो एक ने कहा- हाथी मर गया है.

व्यक्ति - ओह, लगता है आप दोनों हाथी को बहुत चाहते थे.

तभी दूसरे ने झट से कहा- ऐसी कोई बात नहीं है. हम तो इसलिए रो रहे हैं, क्योंकि हाथी की कब्र खोदने का काम हमें दिया गया है.

☺ ☺ ☺

दो दोस्तों में किसी बात पर तू-तू-मै-मै हो गई. पहला ने दूसरे से कहा-'मै बेइज्जती कराने यहां नहीं आया हूं.'

दूसरे ने कहा- 'तो आमतौर पर आप कहां जाते है?'

काकुरो पहेली - 4097

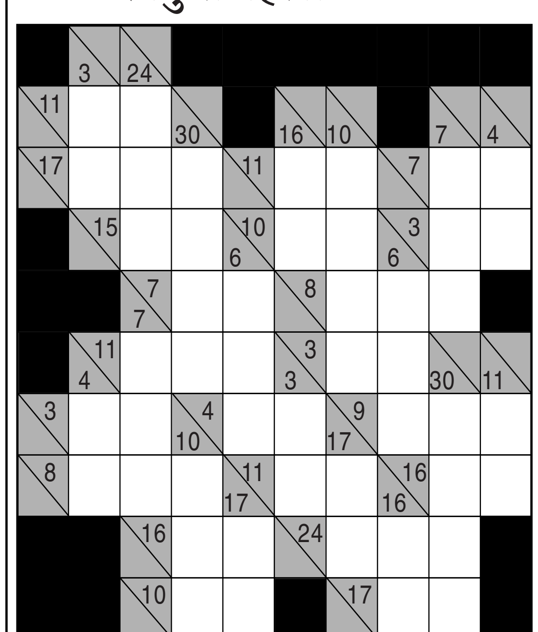

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

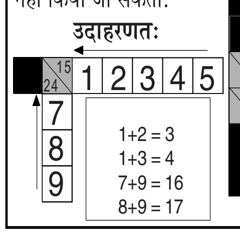

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4096 हल

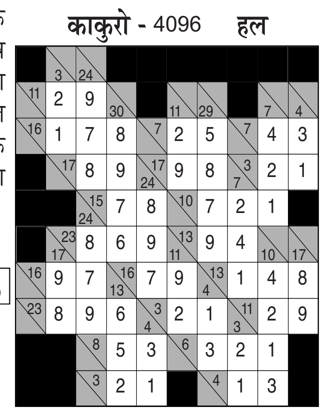

फिल्म वर्ग पहेली- 4097

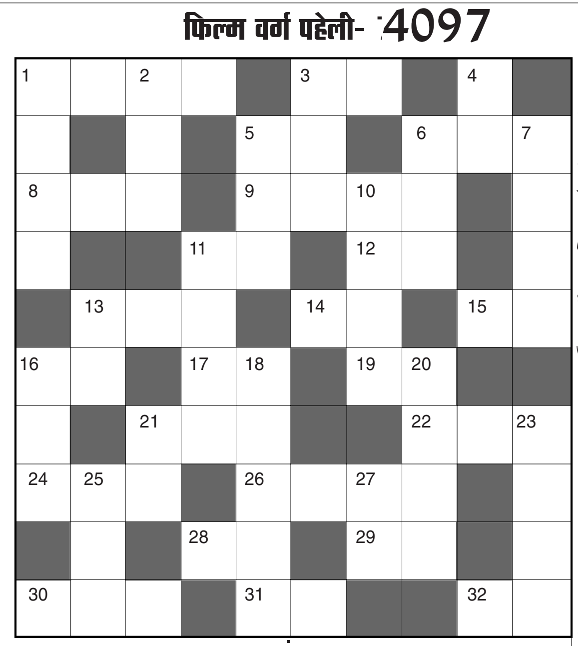

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4096

सूडोकु -4097

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -'4096 हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

शब्द पहेली -4097

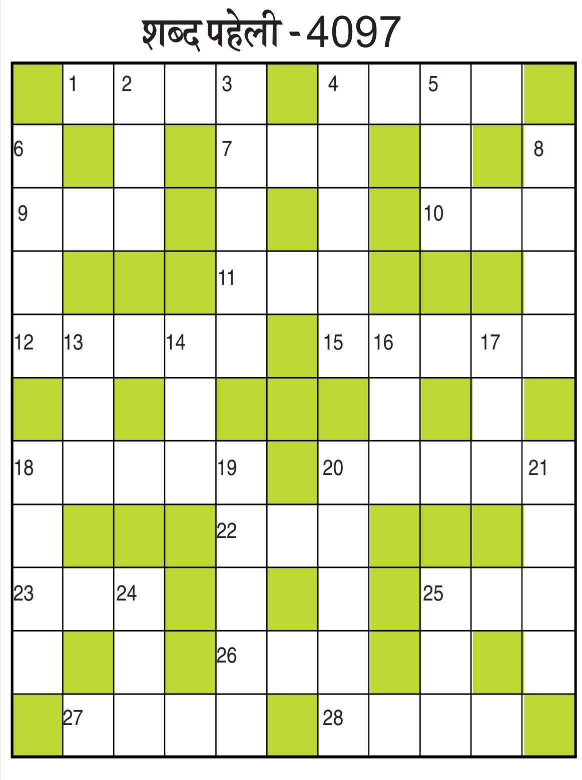

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -4096 हल

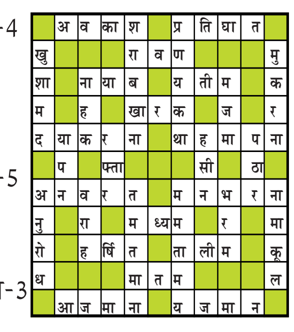

कायम है कांग्रेस का घमंड, भाजपा की सोच राष्ट्र प्रथम : ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी
गुना। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आपातकाल की 50वीं बरसी पर कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला है। सिंधिया ने भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित युवा संसद को संबोधित करते हुए कहा कि सत्ता के लिए देश पर आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस 50 साल में भी नहीं बदली है। कांग्रेस का घमंड और अहंकार आज भी कायम है। जहां कांग्रेस के लिए सत्ता, पार्टी और नेता है, वहीं भाजपा के लिए नेशन फर्स्ट है। सिंधिया ने कहा कि 25 जून, 1975 का दिन भारत के इतिहास में काले अक्षरों में दर्ज किया जाएगा। यह वो रात है जिसे कोई भी देशवासी भुला नहीं सकता। कारण इस दिन कांग्रेस पार्टी की कुर्सी हिल रही थी और सत्ता के नशे में चूर कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगा दिया था। उस दौर में इंदिरा इज इंडिया को जो नारा निकला था वो कांग्रेस पार्टी के घमंड की पराकाष्ठा थी। जो आज 50 साल बाद भी नहीं बदली। इंडिया गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, जो आज कांग्रेस के साथ मंच साझा कर रहे हैं, वे वो कभी उसी इमरजेंसी के दौरान कांग्रेस की जेलों में बंद किए गए थे। कांग्रेस पार्टी संविधान और बाबा साहेब अंबेडकर का नाम खूब लेती है। अभी हाल ही में कांग्रेस पार्टी ने ग्वालियर में संविधान और बाबा साहेब की मूर्ति को लेकर सत्याग्रह किया था, लेकिन उसी कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहेब अंबेडकर को मंत्री पद छोड़ने के लिए मजबूर किया था।

छत्तीसगढ़ में 47 हजार करोड़ की रेल विकास परियोजनाएं प्रगति पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए नई-नई रेल परियोजनाओं को मंजूरी मिल रही है। वर्ष 2014 से पूर्व छत्तीसगढ़ में केवल 1100 रूट किलोमीटर रेल लाइन बिछाई गई थी। वहीं, वर्ष 2014 से 2030 तक प्रदेश में रेल नेटवर्क दोगुना बढ़कर 2200 रूट किलोमीटर हो जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के बजट में छत्तीसगढ़ को 6925 करोड़ की राशि आवंटित की गई है। वर्तमान में केन्द्र सरकार की मदद से छत्तीसगढ़ में 47 हजार करोड़ की लागत से रेल विकास परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है। राज्य को दो नई वंदे भारत ट्रेन रायपुर-विशाखापटनम और रायपुर-नागपुर की सौगात मिली है। इसके अलावा राज्य सरकार ने मेट्रो ट्रेन के लिए सर्वे कराने का भी निर्णय लिया है। राज्य के 32 स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। हाल में ही प्रधानमंत्री मोदी ने अमृत भारत रेल्वे स्टेशन योजना के तहत राज्य के 5 पुनर्विकसित अंबिकापुर, उरकुरा, भिलाई, भानुप्रतापपुर एवं डोंगरगढ़ स्टेशनों का लोकार्पण किया गया है।

बिहार के रोहतास जिले में मोहर्रम जूलुस के दौरान विद्युत तार की चपेट में आने से एक की मौत, चार की हालत नाजुक

डेहरी आन सोन। बिहार में रोहतास जिले के रोहतास थाना के समीप निमिया टिकारी में मोहर्रम की पहली तारीख को आज निकली मातमी जुलूस के दौरान हाई टेंशन ग्यारह हजार की चपेट में आने से एक दर्जन लोग झुलस गए , जबकि एक की अस्पताल ले जाने के क्रम में मौत हो गई। चार युवकों की हालत नाजुक बताई जा रही है। सभी घायलों को सासाराम सदर अस्पताल रेफर किया गया । पुलिस के अनुसार इस्माइल खान 20 वर्षीय पिता पीकू खान की मौत हो गई है। जबकि अफजल खान 18 वर्षीय पिता हाकिम खान ,दारानगर के आजम खान, हसन रजा, नमीर खान गंभीर रूप से घायल है। अन्य युवकों को हल्की फुल्की चोट आई है। घटना के बाद उग्र लोगों ने डेहरी रोहतास एनएच 119 मुख्य पथ को जाम कर आगजनी करने लगे। उग्र लोगों का कहना है कि बिजली विभाग की सबसे बड़ी लापरवाही है,पूर्व में ही जुलूस की सूचना विभाग के लोगों दे दी गई थी उसके बाद भी विद्युत आपूर्ति सेवा बहाल रही,बिजली विभाग के अधिकारियों पर एफआईआर की मांग पर अड़े हुए है। घटना के बाद रोहतास नगर पंचायत बाजार की सभी दुकानों को बंद कर दिया गया। रोहतास नगर पंचायत को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। लोग सड़को पर जमकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं ।स्थानीय लोगों का कहना है कि शांति समिति के बैठक में तय होने के बाद भी इतनी बड़ी चुक कहीं ना कहीं पुलिस प्रशासन की बड़ी लापरवाही दिख रही है।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने किन्नौर के पूह में रखी इंडोर स्टेडियम की आधारशिला

किन्नौर। केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने अपने चार दिवसीय हिमाचल प्रदेश दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को किन्नौर जिला का दौरा किया और प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत स्थानीय लोगों को कई विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इस अवसर पर उनके साथ मंडी से सांसद एवं अभिनेत्री कंगना रनौत भी मौजूद रहीं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने पूह में बनने वाली राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला तथा गैयाबोंग में प्रस्तावित इंडोर स्टेडियम की आधारशिला रखी। जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार का उद्देश्य देश के दूरदराज और जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करना है, ताकि वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। मंडी संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत किन्नौर, लाहौल-स्पीति और अन्य दुर्गम क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार हर संभव मदद कर रही है।

शाहदरा युवक हत्याकांड : लव एंगल आया सामने, यश की मां बोलीं- लड़की से करता था प्यार, साजिश के तहत उसे मारा

एजेंसी
नई दिल्ली । शाहदरा के गीता कॉलोनी में 19 वर्षीय यश की हत्या के मामले में प्राथमिक जांच में पुलिस ने इसे रोडरेज से जोड़ा था। लेकिन यश की मां के बयान के अनुसार, हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग का एंगल सामने आया है। मां का दावा है कि यश का एक लड़की से प्रेम संबंध था, जिसके चलते साजिश के तहत उसकी हत्या की गई। 19 वर्षीय यश की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन संदिग्धों को शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया, जिनमें से एक नाबालिग है। कुछ रिपोर्ट्स में तीसरे संदिग्ध की भी बात सामने आई है। आरोप है कि तीनों ने यश का गीता कॉलोनी पुस्ता फ्लाईओवर पर पीछा किया, फिर उसकी पीठ पर चाकू से कई बार वार किया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने

हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रेम प्रसंग की पुष्टि को लेकर सबूत जुटाए जा रहे हैं। समाचार एजेंसी से बातचीत करते हुए मृतक की मां ने कहा, मेरा इकलौता बेटा था। मुझे और मेरे बेटे को इंसाफ चाहिए। इसीलिए, इस पूरे मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। सीबीआई जांच से ही सारी बात सामने आएगी।मां ने कहा, यश ने बताया था कि जिस लड़की से प्यार करता था, वह कई और लड़कों से बात करती थी। इस वजह से वह काफी परेशान था। हालांकि, मैंने उसे समझाया था। मेरा बेटा जिस लड़की से प्यार करता था, हम उसकी शादी कराने के लिए भी तैयार थे। मृतक की मां ने कहा कि आरोपी और उसका परिवार यश के पिता की फैक्ट्री में काम कर चुके हैं। वहीं, दूसरी ओर स्थानीय विधायक ने मृतक की मां को भरोसा दिलाया है कि आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दिलाई जाएगी। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि केस इतना मजबूत बनाया जाएगा कि आरोपियों को कोर्ट से सख्त से सख्त सजा दिलाई जाए। बावजूद इसके मृतक की मां सीबीआई जांच की मांग कर रही है।

मणिपुर में हथियारों का जखीरा बरामद

एजेंसी
इंफाल। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के कई जिलों में संवेदनशील और सीमांत क्षेत्रों में अपने अभियान को तेज कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप हथियारों और गोला-बारूद की महत्वपूर्ण बरामदगी हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि काकचिंग जिले में, वांगू पुलिस स्टेशन के अंतर्गत वांगू तरुंग ममांग चिंग क्षेत्र से हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया। जब्त की गई वस्तुओं में एक इंसास राइफल (बिना मैगजीन), मैगजीन के साथ एक संशोधित एके-56 राइफल, एक बोल्ट-एक्शन सिंगल-बैरल फायरआर्म, एक और सिंगल-बैरल बंदूक और मैगजीन के साथ एक .32 पिस्तौल शामिल हैं। अतिरिक्त बरामदगी में एक इंसास एलएमजी मैगजीन, कवर के साथ एक 51 मिमी मोर्टार बम, लगभग एक किलोग्राम वजन वाले तीन आईईडी, एक जीवित .32 राउंड, 20 खाली इंसास राइफल केसिंग और तीन एलआर-135 एमटीआर आंसू गैस के गोले शामिल हैं। इसके अलावा सामरिक और संचार उपकरण चार्जर के साथ एक बाओफेंग हैंडसेट, छद्म वस्त्र, जूते, एक रेनकोट और बिना प्लेट वाली बुलेटप्रूफ जैकेट भी बरामद किए गए। बिष्णुपुर जिले में फोगाकचाओ इखाई पुलिस स्टेशन के अंतर्गत तोरबंग सबल ममांग लेईकाई में चलाए गए अभियान में एक सेल्फ-लोडिंग राइफल (एसएलआर), मैगजीन और पांच जिंदा राउंड, एक संशोधित एके राइफल खाली मैगजीन और तीन सिंगल-बैरल बंदूकें बरामद की गई। इसी तरह इम्फाल पश्चिम जिले में एक अलग अभियान में तीन पिस्तौल जिन पर मेड इन बर्मा लिखा था, जिनमें से प्रत्येक में एक मैगजीन थी, तीन 36 एचई हैंड ग्रेनेड के साथ बरामद की गई।

कोलकाता लॉ कॉलेज कांड : टीएमसी नेताओं के साथ मुख्य आरोपित की तस्वीरें

एजेंसी
कोलकाता। कोलकाता के कसबा स्थित लॉ कॉलेज में एक छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। इस सनसनीखेज मामले में गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपितों के संबंध तृणमूल कांग्रेस के छात्र संगठन तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) से पाए गए हैं। पुलिस सूत्रों और छात्रों ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मुख्य आरोपित मनोजित मिश्रा (30) लॉ कॉलेज का पूर्व छात्र है, जिसे हाल ही में कॉलेज प्रबंधन ने अस्थायी स्टाफ के तौर पर नियुक्त किया था। बाकी दो आरोपित प्रमित मुखोपाध्याय (20) और जैब अहमद (19) वर्तमान छात्र हैं और टीएमसीपी की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। इस घटना को लेकर राजनीतिक घमासान तब और तेज हो गया जब मनोजित मिश्रा की तस्वीरें तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। इन तस्वीरों में वह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी, राज्य की स्वतंत्र प्रभार वित्त राज्यमंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य और कोलकाता नगर निगम की पार्षद कजरी बनर्जी (मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भाभी)

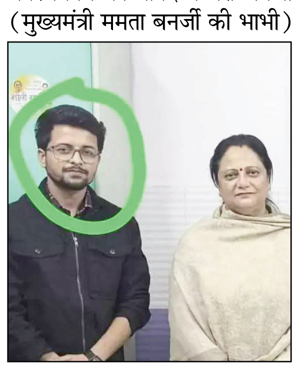

के साथ नजर आ रहा है। इसके अलावा पार्टी के कई अन्य विधायकों के साथ भी उसकी तस्वीरें हैं। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, यह चौंकाने वाला है कि कसबा में कॉलेज छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मुख्य आरोपित के सीधे संबंध तृणमूल कांग्रेस के सबसे ताकतवर नेताओं से हैं। वारदात के समय कॉलेज के गेट बंद करवा दिए गए थे। यह केवल अपराध नहीं, बल्कि बड़े स्तर पर की गई साजिश और संरक्षण का मामला है। टीएमसी दुष्कर्मियों की पार्टी बन चुकी है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने भी अभिषेक बनर्जी के साथ मनोजित की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, अपराध का साम्राज्य यूं ही खड़ा नहीं होता, यह वर्षों की संगति और संरक्षण से फलता-फूलता है। वहीं, टीएमसी के राज्य महासचिव कुणाल घोष ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि केवल तस्वीरों के आधार पर किसी संबंध को साबित नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लागते हुए कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं जहां भाजपा नेताओं की तस्वीरें भी बाद में ऐसे मामलों में फंसे नेताओं के साथ सामने आई थीं। सार्वजनिक हस्तियों के साथ ऐसे फोटो खिंचवाना सामान्य बात है। अगर टीएमसी को सफाई देनी है, तो भाजपा को भी देना होगा।

मध्य प्रदेश की विमानन नीति वैल्यू चेन आधारित : उप सचिव डॉ. बुंदेला

एजेंसी
भोपाल। केंद्रीय उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू की अध्यक्षता में पुणे (महाराष्ट्र) में 'हेलीकॉपटर्स एवं स्माल एयरक्राफ्ट्स समिट' हुई। मध्यप्रदेश इस समिट का स्टेट स्पॉन्सर रहा। समिट में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, असंगबा चुबा एओ, संयुक्त सचिव, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारत सरकार फैज़ अहमद किदवई, महानिदेशक, डीजीसीए भी उपस्थित थे। समिट में 20 राज्य शामिल हुए।'हेलीकॉप्टर्स एवं स्माल एयरक्राफ्ट्स समिट' में मध्यप्रदेश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए उप सचिव, विमानन विभाग, मध्यप्रदेश शासन डॉ. कैलाश बुंदेला द्वारा किया गया। मध्यप्रदेश नागर विमानन नीति-2025 की जानकारी दी। उन्होंने निवेशकों से आव्हान किया कि वे मध्यप्रदेश की उड़ान में सहभागी बनें। प्रदेश की विमानन नीति वैल्यू चैन के समस्त पहलुओं को ध्यान में रखकर बनाई गई है तथा नीति में प्रदेश स्थित एयरपोर्ट्स से नवीन गंतव्यों के लिए हवाई सेवाएं, मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहॉल (एमआरओ), उड़ान प्रशिक्षण संस्थान (एफटीओ) स्थापित करने के लिए निवेश प्रोत्साहन सहायता का प्रावधान है। उन्होंने निवेशकों ने बताया कि प्रदेश में प्रति वर्ष 200 कॉमर्शियल पायलट्स तैयार किये जा रहे हैं, जो देश में सर्वाधिक है। उप सचिव डॉ. बुन्देला ने बताया की मध्यप्रदेश में 1 वर्ष से यह सेवा संचालित है तथा गत वित्तीय वर्ष में इस सेवा के 58 लाभार्थी रहे। उन्होंने बताया कि केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ने प्रदेश सरकार के प्रयासों की सराहना की तथा इस सेवा का अधिक से अधिक उपयोग करने पर बल दिया।

उल्लेखनीय है कि पायलट्स हेतु देश का एक मात्र ट्रेनिंग संस्थान खजुराहो में है तथा देश में हेलीकॉप्टर पायलट्स की आवश्यकता है। उप सचिव, विमानन डॉ. बुन्देला ने समिट में मध्यप्रदेश में जिन हवाई पट्टियों का उन्नयन कर एयरपोर्ट में विस्तार किया जाना प्रस्तावित है उन पर यथाशीघ्र एयरपोर्ट निर्माण कार्य शुरू करने का अनुरोध किया।

आपातकाल की अवधि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के सबसे काले अध्यायों में से एक है : डॉ. जितेन्द्र सिंह

एजेंसी
जम्मू। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उनके साथ भाजपा जम्मू एवं कश्मीर के अध्यक्ष सत शर्मा (सीए), भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं विधायक डॉ. नरिंदर सिंह, पूर्व उपमुख्यमंत्री कविन्द्र गुप्ता और विधायक चौ. विक्रम रंधावा भी थे। प्रेस को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि आपातकाल की अवधि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के सबसे काले अध्यायों में से एक है लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए इसे बार-बार याद रखना महत्वपूर्ण है कि आने वाली पीढ़ियां इसके परिणामों

से अवगत हों और ऐसी किसी भी पुनरावृत्ति के खिलाफ सतर्क रहें। उन्होंने कहा कि उन वर्षों के दौरान, 1975 से 1977 तक अनगिनत व्यक्तियों ने राज्य प्रायोजित अत्याचारों का अनुभव किया क्योंकि कई लोगों को बिना मुकदमे के जेल में डाल दिया गया, क्रूर लाठीचार्ज का सामना करना पड़ा, उन्हें नजरबंद कर दिया गया, या भूमिगत होने के लिए मजबूर किया गया। बड़े पैमाने पर जबरन नसबंदी भी की गई जिसने सार्वजनिक आघात को और बढ़ा दिया। आपातकाल केवल राजनीतिक अधिकारों का निलंबन नहीं था बल्कि नागरिक स्वतंत्रता और मानवीय गरिमा पर एक व्यापक हमला था। डॉ. सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे उस दमनकारी युग ने मजबूत नेताओं और नए विचारों को जन्म दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि इस अवधि के दौरान वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी जयप्रकाश नारायण लोकतंत्र के रक्षक के रूप में उभरे। उन्होंने बताया कि कैसे नानाजी देशमुख ने जेपी को बचाने के लिए अपनी जान तक जोखिम में डाल दी थी। उन्होंने कहा कि देश को उनसे ज्यादा जयप्रकाश नारायण की जरूरत है।

आतंकी रिंदा ने रची थी गुरदासपुर ग्रेनेड हमले की साजिश

एजेंसी
चंडीगढ़। पंजाब के गुरदासपुर में पुलिस स्टेशन पर ग्रेनेड हमले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सात आरोपितों के विरूद्ध चार्जशीट दायर की है। यह हमला दिसंबर 2024 में हुआ था। इस केस में तीन आरोपित अभी भी फरार हैं। पंजाब के गुरदासपुर जिले के बटाला में घनी के बांगर पुलिस स्टेशन पर हुए आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से बीकेआई के कार्यकर्ताओं हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया और गुरप्रीत उर्फ गोपी ने जिम्मेदारी ली थी। इस मामले में अमेरिका में रहने वाले पासिया, पाकिस्तान में रहने वाले आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा और शमशेर सिंह उर्फ शेरा उर्फ हनी, तीन फरार आरोपित हैं, जिनके खिलाफ एनआईए ने आरोप पत्र दाखिल किया है। आतंकवाद निरोधी एजेंसी द्वारा आरोपित किए गए चार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कुलजीत सिंह, अभिजोत सिंह, गुरजिंदर सिंह और शुभम के रूप में हुई है, जो सभी पंजाब के बटाला के किला लाल सिंह गांव के निवासी हैं। गुरदासपुर ग्रेनेड हमले की जांच एनआईए को इस साल 23 मार्च को सौंपी गई थी। एनआईए ने जांच के दौरान पाया कि रिंदा के कहने पर हैप्पी पासिया ने आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए आर्मेनिया में अपने नोड शमशेर सिंह उर्फ शेरा उर्फ हनी के जरिए अभिजोत सिंह को भर्ती किया था। अभिजोत को चंडीगढ़ के सेक्टर 10 में लक्षित शूटिंग से संबंधित एक अलग मामले में भी एनआईए ने गिरफ्तार किया है।

अमित शाह ने गांधीनगर स्थित इन्फॉर्मेशन एंड लाइब्रेरी नेटवर्क सेंटर का दौरा किया, मोबाइल एप का शुभारंभ

एजेंसी
गांधीनगर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गांधीनगर स्थित इन्फॉर्मेशन एंड लाइब्रेरी नेटवर्क सेंटर का दौरा किया और आवश्यक सुझाव दिए। इस अवसर पर उन्होंने सस्ता साहित्य वर्धक कार्यालय मोबाइल एप्लिकेशन का भी शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि पूरे गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में पुस्तकालयों को समृद्ध बनाने तथा प्रत्येक पुस्तक को उसके पाठक और प्रत्येक पाठक को उसकी मनपसंद पुस्तक प्राप्त हो, इस दिशा में शाह का जोर रहा है। उन्होंने गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के पुस्तकालयों को भी इस परियोजना के माध्यम से समृद्ध, सुसज्जित और अत्याधुनिक बनाने की जरूरत बताई। साथ ही, उन्होंने सेंटर की सेवाओं और

प्रस्तावित मॉडल ई-पब्लिक लाइब्रेरी परियोजना की भी सराहना की। इस अवसर पर गुजरात सरकार के खेल, युवा और सांस्कृतिक गतिविधियों विभाग के अधिकारी, गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के ग्रंथपाल, INFLIBNET के निदेशक तथा वैज्ञानिकगण उपस्थित रहे। गांधीनगर स्थित इन्फॉर्मेशन एंड लाइब्रेरी नेटवर्क (INFLIBNET) सेंटर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का एक स्वायत्त अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र (आईयूसी) है। इसे 27 फरवरी 1991 को आईयूसीएए के अंतर्गत एक राष्ट्रीय परियोजना के रूप में शुरू किया गया था। INFLIBNET सेंटर भारत में विश्वविद्यालय पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण में मदद करते हुए आधुनिकतम तकनीकों का उपयोग कर जानकारी के बेहतर उपयोग में सहायक बन रहा है। यह केंद्र शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और अध्ययनरत वर्ग के लिए विश्वभर की पुस्तकें, पत्रिकाएँ और शोध-जर्नल्स को डिजिटल रूप में उपलब्ध कराता है।

कांग्रेस ने अभी तक आपातकाल के लिए देश से माफी नहीं मांगी : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी
वाराणसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आपातकाल के बहाने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आपातकाल की याद दिलाते हुए कहा कि इंदिरा गांधी ने सिर्फ कुर्सी के लिए लोकतंत्र की हत्या की। सिर्फ अपनी सत्ता बचाने की चाहत में इंदिरा ने देश में आपातकाल लगाया। बाह्य सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा को उस समय कोई ऐसा खतरा नहीं था। केंद्रीय मंत्री चौहान यहां सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि 12 जून 1975 को हाई कोर्ट ने ये फैसला दिया था कि इंदिरा गांधी ने भ्रष्टाचार का सहारा लिया है और गलत तरीके से चुनाव जीता था। कोर्ट ने छह वर्ष तक इंदिरा गांधी के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज

50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है। आज भी सिर्फ तरीकों का बदलाव हुआ है, नीयत आज भी वैसी ही तानाशाही वाली है। तानाशाही कांग्रेस के डीएनए में है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की मनमोहन सिंह की सरकार थी तब कैबिनेट का एक फैसला हुआ था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस फैसले की प्रति को प्रेस के सामने फाड़कर फेंक दिया था। तब सिर्फ फैसले की प्रति नहीं फाड़ा था, संविधान का फैसला फाड़ा था, ये संविधान की हत्या थी। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि लोकतंत्र का अपमान करने वाली कांग्रेस को देश से अपनी ऐतिहासिक गलती के लिए माफी मांगनी चाहिए। अभी तक कांग्रेस ने आपातकाल के लिए देश से माफी नहीं मांगी है। तब हजारों परिवार तबाह हो गए, एक लाख से अधिक लोग जेलों में थे। शिवराज सिंह ने राहुल गांधी का नाम न लेकर तंज कसते हुए कहा कि वह जो संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं, उन्हें जवाब देना पड़ेगा।शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ये संविधान की हत्यारिन कांग्रेस भाजपा की बात करती है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संविधान को जीते हैं।

पटना जा रहे इंडिगो विमान का रांची एयरपोर्ट पर टायर हुआ पंक्चर, यात्रियों में हड़कंप

एजेंसी
रांची। राजधानी रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर शुक्रवार की दोपहर को उस समय अचानक अफरा-तफरी मच गई जब पटना जा रहे इंडिगो एयरलाइंस के विमान का टायर पंक्चर हो गया। इसके बाद इस विमान को रांची में ही ग्राउंडेड करना पड़ा। विमान में लखनऊ जाने वाले यात्री भी सवार थे। घटना का पता चलते ही सभी यात्रियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद इस उड़ान को रद्द कर दिया गया, जिसके चलते इसमें सवार लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार यह विमान दोपहर 3¬15 बजे कोलकाता से रांची में लैंड हुआ था। लैंडिंग के बाद जब एप्रन पर विमान की नियमित जांच की गई तो अगले पहिए में तकनीकी खराबी पाई गई। ऐसे में इस उड़ान को रद्द कर दिया गया और पटना जाने वाले सभी यात्रियों को टैक्सी से पटना के लिए रवाना किया गया, जबकि पटना से लखनऊ जान वाले यात्रियों को कनेक्टिव फ्लाइट से दिल्ली भेजा गया। इंडिगो एयरलाइंस के मुताबिक विमान देर रात को रांची से उड़ान भरेगा। हालांकि, किसी प्रकार की जनहानि या नुकसान की खबर नहीं है। एयरपोर्ट प्रबंधन और एयरलाइंस स्टाफ ने यात्रियों को स्थिति की जानकारी दी और वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसे लेकर विमानन सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है।

यूपी में नकली नोट छापने का भंडाफोड, 3.90 लाख के नकली नोट जब्त, तीन गिरफ्तार

एजेंसी
लखनऊ। उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने नकली नोट छापने व तस्करी करने वाले गिरोह के तीन अपराधियों को हापुड़ जिले से गिरफ्तार किया है। उनके पास से 3.90 लाख रुपये के नकली नोट के अलावा अन्य सामान जब्त किया गया है। एटीएस ने बताया कि हापुड़ जिले के पिलखुआ क्षेत्र स्थित दिनेश नगर कॉलोनी में नकली नोट छापने और नोटों को प्रदेश के विभिन्न जिलों में सप्लाई करने की सूचना मिली थी। एटीएस ने गुरुवार को भोजपुर रोड पिलखुआ के पास एक कार से नकली नोटों के साथ गजेंद्र यादव और उसके साथी सिद्धार्थ झा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार यह लोग लाखों रुपये के जाली नोटों किसी सप्लायर को देने जा रहे थे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान हापुड़ जिले के रहने वाले गजेंद्र यादव और नई दिल्ली निवासी सिद्धार्थ झा और बुलंदशहर निवासी विजय वीर चौधरी के रूप में हुई है। इस गिरोह का सरगना गजेंद्र यादव लखन रेलवे स्टेशन पिलखुआ में

पोस्टमैन के पद पर तैनात था। पुलिस के अनुसार गजेन्द्र नकली नोट छापने के लिए विजय वीर चौधरी से वाटरमार्क और सिक्योरिटी थ्रेड वाला स्पेशल पेपर लेता था। विजय वीर ने बताया कि वह ऑनलाइन पोर्टल अलीबाबा डॉट कॉम से पेपर मंगवाता था। नकली नोट तैयार करने के बाद वे गुर्गों की मदद अन्य जिलों में सप्लाई करते थे। इन आरोपितों की निशानदेही पर एटीएस ने पिलखुआ में किराए के फ्लैट पर छापा मारकर नकली नोट छापने का पूरा सेटअप बरामद किया है। पुलिस ने 500 रुपये के 400 नकली नोट, 200 रुपये के 800 नोट और 100 रुपये के 300 नकली और पांच अर्धनिर्मित नोट बरामद किए। एटीएस ने गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ एटीएस थाना लखनऊ में मुकदमा दर्ज कराया है। उन्हें कोर्ट में पेश कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। एटीएस अब नकली नोट खरीदने वाले की तलाश में जुट गई है।पैसा दूंगी। इस पर विशाल ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी नेवी और अन्य रक्षा संबंधी सूचनाएं महिला पाक हैंडलर को दी थी।

प्रमुख म्यूज़िक लेबल के साथ नए गाने में नज़र आएंगी जॉर्जिया एंड्रियानी

जॉर्जिया एंड्रियानी ने हिंदी गानों और संगीत के प्रति अपने प्यार को कभी नहीं छिपाया है, और उन्होंने कई बार यह स्वीकार किया है कि भारत के सिनेमा और मनोरंजन जगत के प्रति उनके प्रेम ने ही उन्हें कुछ साल पहले अपना सब कुछ समेट कर भारत आने के लिए प्रेरित किया। भारतीय मनोरंजन जगत में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत तेलुगु एक्शन-कॉमेडी सीरीज़ कैरोलाइन कमाक्षी में एक चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाकर की। इसके बाद उन्होंने नॉन-स्टॉप धमाल और मार्टिन जैसी फिल्मों में विशेष गानों के ज़रिए खुद को स्थापित किया और अपनी प्रतिभा तथा परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया। अब एक बार फिर मनोरंजन के लिए तैयार, खबरों के मुताबिक जॉर्जिया ने कथित तौर पर इंडस्ट्री के एक प्रमुख संगीत लेबल के साथ एक और गाना साइन किया है। यह गाना वही सब कुछ लेकर आ रहा है जिसके लिए जॉर्जिया जानी जाती हैं - दिलकश बोल, कर्णप्रिय धुन और दमदार डांस मूव्स। जॉर्जिया के कुछ चर्चित डांस नंबर्स जिसमें मीका सिंह के साथ 'रूप तेरा मस्ताना' और जुबिन नौटियाल की आवाज़ में 'दिल जिससे ज़िंदा हैं' शामिल हैं, जिन्हें दर्शकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली थी। यह नया गाना उनके करियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। विभिन्न शैलियों को अपने अंदाज़ में पेश करने की क्षमता ने उन्हें उनकी समकालीन कलाकारों से अलग पहचान दिलाई है। जबकि उनके पहले के गाने और डांस नंबरों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, उनके नवीनतम प्रोजेक्ट को एक ऐसे प्रोजेक्ट के रूप में देखा जा रहा है जो जॉर्जिया के करियर की दिशा बदल सकता है।

बिग बॉस फेम ऐश्वर्या शर्मा ने तलाक की अफवाहों पर लगाया विराम

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर जोड़ी ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट अक्सर अपने अभिनय के साथ-साथ अपने रिश्ते को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। 'गुम है किसी के प्यार में' जैसे लोकप्रिय शो और 'बिग बॉस' में अपनी मौजूदगी से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाले इस कपल को इंडस्ट्री के 'गोल्डन कपल्स' में गिना जाता है। लेकिन बीते कुछ दिनों से इन दोनों के रिश्ते को लेकर कई तरह की अफवाहें सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट गॉसिप में सामने आ रही थीं। अब ऐश्वर्या शर्मा ने पति से अलग होने की खबरों पर एक बार फिर अपनी चुप्पी तोड़ी है।

ऐश्वर्या शर्मा ने शेयर किया पोस्ट

ऐश्वर्या ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि उनकी चुप्पी को लोग उनकी कमजोरी समझ बैठे हैं, जबकि वो अपनी मानसिक शांति की रक्षा के लिए शांत थीं। उन्होंने ये भी साफ किया कि उन्होंने किसी मीडिया हाउस को कोई इंटरव्यू, बयान या क्लिप नहीं दी है और उनके नाम से जो भी मनगढ़ंत बातें कही जा रही हैं, वे पूरी तरह से झूठ हैं। उन्होंने लिखा, अगर किसी के पास कोई असली सबूत है - मैसेज, ऑडियो या वीडियो तो सामने लाएं। नहीं है, तो मेरे नाम से झूठ फैलाना बंद करें।

इस पूरे बयान में ऐश्वर्या ने सबसे जरूरी बात ये कही कि मेरी जिंदगी तुम्हारा कंटेंट नहीं है और मेरी चुप्पी तुम्हारी मंजूरी नहीं है। ये लाइन उनके पूरे पोस्ट की भावनात्मक गहराई को दर्शाती है। एक्ट्रेस ने ये साफ किया कि उनका सम्मान और गरिमा उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है और वो शोर की बजाय शांति को चुनना पसंद करती हैं।

ऐश्वर्या के पोस्ट पर लोगों का रिएक्शन

फैंस और दर्शकों के बीच ऐश्वर्या के इस बयान ने जबरदस्त प्रतिक्रिया पाई। कई लोगों ने उनकी ईमानदारी और गरिमामय जवाब देने की सराहना की। कुछ यूजर्स ने कमेंट करते हुए लिखा, ऐश्वर्या का जवाब उन सभी ट्रोल्स के मुंह पर तमाचा है जो बिना तथ्यों के अफवाहें फैलाते हैं। वहीं, कई लोगों ने उल्टा ऐश्वर्या को ही खरी-खोटी सुनाना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा- आपको बिग बॉस के बाद से कोई काम नहीं मिल रहा है।

गलवान घाटी झड़प पर बनने जा रही सलमान खान की नई फिल्म

बॉलीवुड के एक्टर सलमान खान की फिल्म सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा नहीं दिखा पाई। इसके बाद सलमान अपनी अपकमिंग फिल्म की तैयारी कर रहे हैं। उनकी यह फिल्म गलवान घाटी में भारत-चीन के बीच हुई झड़प पर आधारित है। इस फिल्म में अपना रोल निभाने के लिए सलमान खान ने तैयारी शुरू कर दी है। सलमान खान हर दिन कई घंटों की ट्रेनिंग कर रहे हैं।

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म का टाइटल तो अभी सामने नहीं आया है। लेकिन इस फिल्म में सलमान खान एक बड़े अफसर की भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म शिव अरूर और राहुल सिंह के उपन्यास इंडियाज मोस्ट फियरलेस 3 पर आधारित है। फिल्म में कथित तौर पर सलमान खान कर्नल बिकुमल्ला का किरदार निभाएंगे। इस किरदार को निभाने के लिए सलमान खान आर्मी की ट्रेनिंग ले रहे हैं। सलमान खान की अपकमिंग फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस भी फाइनल हो गई है। इंडिया टुडे की एक खबर के मुताबिक फिल्म में सलमान खान के विपरीत चित्रांगदा सिंह को लिया गया है। यह पहली बार है, जब दोनों बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। चित्रांगदा सिंह को हजारों ख्वाहिशें ऐसी के लिए जाना जाता है। सलमान खान की अपकमिंग फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। खबरों की मानें तो जुलाई में सलमान खान का लुक फाइनल हो जाएगा और फिल्म की शूटिंग अगस्त में शुरू हो सकती है।

तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद क्या इस एक्ट्रेस को डेट कर रहे विजय

हाल ही में एक्टर विजय वर्मा का तमन्ना भाटिया से कथित तौर पर ब्रेकअप हुआ। ऐसा लगता है कि अब विजय वर्मा को दोबारा प्यार मिल गया है। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसी वीडियो वायरल हो रही है, जिसके आधार पर यह दावा किया जा रहा है कि विजय वर्मा दोबारा रिश्ते में हैं। खबरें हैं कि विजय वर्मा दंगल गर्ल फातिमा सना शेख को डेट कर रहे हैं। हाल ही में पैपराजी ने एक कैफे के बाहर एक वीडियो शूट की है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि विजय वर्मा और फातिमा सना शेख हंस रहे हैं और एक दूसरे से गले मिल रहे हैं। इसके बाद दोनों पैपराजी को पोज दे रहे हैं।

विजय और फातिमा के फैंस हैं उत्साहित

विजय वर्मा और फातिमा सना शेख की वीडियो वायरल होने के बाद कई यूजर्स हैरान हैं और कयास लगा रहे हैं कि दोनों रोमांटिक रिश्ते में हैं। हालांकि अब तक न तो विजय वर्मा ने और न ही फातिमा सना शेख ने अपने रिश्ते के बारे में कोई बात कही है। बहरहाल दोनों के फैंस उनके वायरल वीडियो को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

आपको बता दें कि विजय वर्मा पहले तमन्ना भाटिया के साथ रिश्ते में थे। दोनों ने साल 2023 में सीरीज लस्ट स्टोरीज में एक साथ काम किया था। काई महीनों तक एक दूसरे को डेट करने के बाद तमन्ना भाटिया ने फिल्म कंपेनियन को दिए इंटरव्यू में विजय के साथ रिश्ते में होने की बात कबूली थी। हालांकि इस साल मार्च में कथित तौर पर दोनों अलग हो गए।

एक साथ काम कर रहे हैं तमन्ना और विजय

यह गौरतलब है कि विजय वर्मा और फातिमा सना शेख अपकमिंग फिल्म गुस्ताख इश्क में एक साथ काम कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन विभु पुरी कर रहे हैं। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह और शारिब हाशमी हैं।

अपनी शर्तों पर जीने की शुरुआत करने के लिए कोई उम्र नहीं होती

आर. माधवन और फातिमा सना शेख की आगामी फिल्म आप जैसा कोई का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। यह एक प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। इसमें प्यार, इमोशन्स और रिश्तों की कहानी देखने को मिलेगी। इस फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है, जिन्होंने इससे पहले फिल्म मीनाक्षी सुंदरेश्वर बनाई थी। इस फिल्म में आर. माधवन और फातिमा सना शेख के अलावा, आयशा रजा, मनीष चौधरी और नमित दास जैसे कलाकार अहम किरदार में हैं। फिल्म आप जैसा कोई में आर. माधवन श्रीरेणु त्रिपाठी के किरदार में हैं, वहीं फातिमा मधु बोस नाम की महिला के रोल में है। कहानी में दोनों एक ऐसे रिश्ते में हैं, जहां दोनों एक-दूसरे को समझते हैं और बराबर सम्मान देते हैं।

अपने किरदार श्रीरेणु के बारे में बात करते हुए आर. माधवन ने कहा, आप जैसा कोई अब तक की मेरी बाकी लव स्टोरीज से बहुत अलग है। यह कहानी शांत, थोड़ी अजीब और मानवीय है। मेरा किरदार श्रीरेणु एक ऐसा इंसान है जो प्यार और साथ चाहता है, लेकिन अपने दिल की बात कह नहीं पाता। बाहर से भले ही वह चुप और झिझकता हुआ लगे, लेकिन अंदर से वह बहुत इमोशनल है। कहानी की खासियत बताते हुए माधवन ने आगे कहा, फिल्म उन लोगों के लिए है जो प्यार या जिंदगी में नजरअंदाज किए गए हैं। यह फिल्म संदेश देती है कि अपनी शर्तों पर जीने की शुरुआत करने के लिए कोई उम्र नहीं होती। यह कहानी कमजोरी और हिम्मत की, खुद को फिर से खोजने की और दिल खोलकर दोबारा प्यार करने के बारे में है।

फातिमा सना शेख ने फिल्म को लेकर अपने अनुभव साझा किए और कहा, मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। मैं आर. माधवन की बहुत बड़ी फैन रही हूं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका पाकर बेहद खुशी हो रही है। फिल्म में मेरा किरदार मधु मेरे लिए बेहद खास है। आमतौर पर हम हिम्मत और आत्मविश्वास को मर्दों से जोड़ते हैं, लेकिन मेरा किरदार मधु इन गुणों को नारीत्व और कोमलता के साथ निभाती है। उन्होंने आगे कहा, इस फिल्म के जरिए मुझे प्यार के कई रंगों को महसूस करने और निभाने का मौका मिला। यह मेरे लिए थेरेपी जैसा अनुभव रहा, जिसने दिल और दिमाग को सुकून दिया। फातिमा ने आगे कहा, डायरेक्टर विवेक सोनी के साथ काम करने का अनुभव शानदार था। उनका कहानी कहने का अपना अलग अंदाज है। मुझे खुशी है कि मैं नेटफ्लिक्स, धर्मेटिक एंटरटेनमेंट, विवेक और माधवन जैसे कलाकारों के साथ इतनी खास कहानी का हिस्सा बन पाई। आप जैसा कोई फिल्म 11 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

गोरी चली गांव की यात्रा रणविजय सिंह के लिए व्यक्तिगत

अभिनेता और होस्ट रणविजय सिंह ने अपने अपकमिंग रियलिटी शो गोरी चले गांव को व्यक्तिगत यात्रा बताया है। उनके लिए ये शो पुराने दिनों में लौटने का जरिया बना, उस दौर में ले गया जब वो गांव की गलियों में, बाग बगीचों में और खेत खलिहानों में घूमा फिरा करते थे। अभिनेता ने बताया कि यह शो उन्हें ग्रामीण परिवेश में बिते बचपन की याद दिलाता है। रणविजय ने बताया, जब मुझे इस शो का कॉन्सेप्ट बताया गया, तो मुझे यह बहुत दिलचस्प लगा। उन्होंने मुझे बताया कि वे यह शो मराठी में पहले बना चुके हैं, जो कि लोगों को काफी पसंद आया था। अब वे इसे पूरे भारत में ले जाना चाहते हैं। कॉन्सेप्ट अपने आप में ही काफी अच्छा है। शो में बारह शहरी लड़कियां होती हैं, जो आलीशान जिंदगी जीती हैं, लेकिन अचानक उन्हें गांव में आकर रहना पड़ता है, जो आसान नहीं होता। रणविजय कहते हैं कि मैं यह नहीं कह रहा हूं कि वहां के लोग संघर्ष कर रहे हैं, बल्कि यह उनका सामान्य जीवन है। लेकिन वहां सबको अपना काम खुद करना होता है, वहां बटन दबाने से कुछ नहीं होता है, गांव में आपको चाय खुद बनानी पड़ती है, अपना पानी खुद लाना पड़ता है। आप वहां यह नहीं कह सकते हैं कि मैं यह ऑर्डर करूंगा।

अभिनेता ने कहा, शहरी जीवन में बहुत सी सुविधाएं हैं जो गांव में नहीं हैं। लेकिन ग्रामीण जीवन के अपने फायदे हैं- ऑर्गेनिक खाना, स्वच्छ हवा, स्वस्थ वातावरण। वहां आप कभी अकेले नहीं होते हो; अगर साथ में जश्न मनाते हो तो शोक भी मनाते हो। ऐसी संस्कृति, एकता शहर में देखने को कम मिलती है। अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए, 'रोडीज' के होस्ट ने शेयर करते हुए बताया, मुझे याद है कि बचपन में मैं गांव जाता था और मुझसे कहा जाता था, तुम मौज-मस्ती करोगे, लेकिन कुछ काम भी करोगे। वो मौज-मस्ती और जिम्मेदारी मेरे लिए यादगार पल थे। मुझे लगता है कि इस शो में लड़कियों के अनुभव के माध्यम से मैं उन पलों को फिर से जी पाऊंगा। शायद मैं गांव में नई चुनौतियों का भी सामना करूं जो मुझे आगे बढ़ने में मदद करेंगी।

जब रणविजय से पूछा गया कि क्या वह हमेशा के लिए गांव में रहने का विचार करेंगे, तो उन्होंने कहा, जी हां, बिल्कुल, मैं गांव में रहना पसंद करूंगा। मैं वहां जैविक खेती करना चाहूंगा, बास्केटबॉल कोर्ट बनाऊंगा, और शायद पास में ही ऑफ-रोडिंग भी करूं। गांव का पर्यावरण अच्छा होता है और बच्चे भी सेहतमंद और ताकतवर बनते हैं। वो प्रदूषण और स्क्रीन की लत से भी दूर रहते हैं, जो शहरों में बहुत आम होता है। अगर मेरा काम मुझे लगातार शहर वापस आए बिना कमाने की अनुमति देता, तो मैं उस जीवन को पूरी तरह से अपना लेता। मेरे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी, जो मजबूत मूल्यों पर आधारित होगी। ईमानदारी से कहूं तो इससे ज्यादा कोई और क्या मांग सकता है? बता दें, गोरिया चली गांव एक ग्रामीण से संबंधित रिएलिटी शो है जिसमें प्रतियोगी अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलकर ग्रामीण जीवन की चुनौतियों में खुद को डुबोते हुए दिखाई देंगे।

घाटी में पर्यटन को फिर से जीवंत बनाने के लिए हमारी सरकार नई नीति पर काम कर रही : उमर अब्दुल्ला

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्य को फिर से भारत के प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सरकार और पर्यटन उद्योग दोनों की साझेदारी अनिवार्य है। उमर अब्दुल्ला ने कहा, यह हमारा दायित्व है कि हम अपनी पूरी शक्ति और क्षमता के साथ प्रयास करें, ताकि घाटी अपनी पुरानी पहचान को फिर से हासिल कर सके और देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अग्रणी बना रहे। उन्होंने बताया कि सरकार राज्य में पर्यटन को फिर से जीवंत बनाने के लिए नई और समग्र रणनीति पर काम कर रही है, जिसका उद्देश्य पर्यटकों को बेहतर अनुभव देना है। इस दौरान उमर ने अपनी सरकार की प्राथमिकताएं बताई। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और सुविधाओं में सुधार, स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का संरक्षण, इको-टूरिज्म और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देना है। सीएम अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और अतुलनीय आतिथ्य परंपरा इसे विश्व स्तर पर एक अनोखा पर्यटन केंद्र बनाते हैं। उन्होंने सभी उद्योग संगठनों, निवेशकों और स्थानीय व्यवसायियों से आह्वान किया कि वे इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनें।

संसदीय समिति पहलगाम का दौरा करेगी, जम्मू में होगी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशासनिक एवं सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा करने एक संसदीय समिति पहलगाम आतंकी हमले के प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेगी। घटना के बाद यह पहला आधिकारिक दौरा होगा। वरिष्ठ भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की अध्यक्षता में कोयला, खान और इस्पात विभाग-संबंधित संसदीय स्थायी समिति एक व्यापक अध्ययन यात्रा करेगी। ये समिति मुंबई, कुर्ग और श्रीनगर में भी रुकेगी। अपनी यात्रा के कश्मीर चरण के हिस्से के रूप में समिति के सदस्य पहले जम्मू जाएंगे, जहां वे शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों के साथ प्रारंभिक बैठकें करेंगे। जम्मू में अपने प्रवास के दौरान प्रतिनिधिमंडल का श्रीनगर जाने के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार होने से पहले माता वैष्णो देवी मंदिर का दौरा करने का भी कार्यक्रम है। श्रीनगर में समिति क्षेत्रीय विकास, सुरक्षा चिंताओं और नागरिक जीवन और पर्यटन पर आतंकवाद के प्रभाव पर चर्चा करने के लिए आगे की बैठकें आयोजित करेगी। श्रीनगर में अपनी बैठकों के बाद, समिति बैसरन घाटी में आतंकवादी हमले के वास्तविक स्थल का दौरा करने के लिए पहलगाम की यात्रा करेगी। इस हाई-प्रोफाइल दौरे के सुचारू समन्वय को सुनिश्चित करने के लिए, जम्मू-कश्मीर सरकार ने भूविज्ञान और खनन निदेशक एस.पी. रुकवाल को आधिकारिक समन्वयक नियुक्त किया है।

इंडिगो फ्लाइट में आई खराबी, मलेशिया में उतारा, कई यात्री फंसे

लुधियाना(एजेंसी)। सिंगापुर से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट की तकनीकी खराबी के चलते मलेशिया में आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। यह घटना से यात्री घबराए गए। विमान में सवार 227 यात्री कई घंटों से मलेशिया में फंसे हैं और अब तक एयरलाइंस की ओर से कोई ठोस जानकारी नहीं दी गई है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि तकनीकी खराबी के कारण विमान को मलेशिया में उतारा गया है और तब से सभी यात्री वहीं इंतज़ार कर रहे हैं। अब खबर मिल रही है कि इंडिगो ने आधिकारिक घोषणा किए बिना ही बेंगलुरु से एक नया विमान मलेशिया भेजा है, ताकि फंसे यात्रियों को वापस भेजा जा सके। फंसे यात्रियों और उनके परिजनों ने सोशल मीडिया पर इंडिगो की अनदेखी और गैर-जिम्मेदाराना रवैये को लेकर नाराजगी जताई है। कई लोगों ने पूछा है कि आखिर एयरलाइंस इतने बड़े संकट में भी अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम क्यों है।

महिला ने साधु पर दुष्कर्म करने और गर्भपात कराने का लगाया आरोप

कोलकाता, (एजेंसी)। बंगाल में एक साधु के महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। महिला ने स्वामी प्रदिप्तानंदा पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। स्वामी प्रदिप्तानंदा को कार्तिक महाराज के नाम से भी जाना जाता है। कार्तिक महाराज भारत सेवाश्रम संघ की मुर्शिदाबाद स्थित बेल्डांगा यूनिट से जुड़े हुए हैं। पुलिस के मुताबिक यह मामला करीब 12 साल पुराना है। वहीं, कार्तिक महाराज ने महिला के आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने इसे उन्हें बदनाम करने की साजिश बताया है। बता दें हाल ही में कोलकाता में एक लॉ कॉलेज में छात्रा के साथ गैंगरेप का मामला गर्माया हुआ है और अब एक महिला ने साधु पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पुलिस में दर्ज एफआईआर के मुताबिक महिला ने दावा किया है कि यह मामला साल 2012 का है। तब वह पहली बार महाराज से मिली थी और उन्होंने टीचर की नौकरी ऑफर की थी। महिला के मुताबिक उसने यह नौकरी स्वीकार कर ली थी। महिला के मुताबिक उसे स्कूल के अंदर ही पांचवीं मंजिल पर एक कमरा दिया गया था। कार्तिक महाराज उसे अक्सर अपने ऑफिस में बुलाया करते थे। कई मौकों पर उन्होंने उसका यौन उत्पीड़न किया। कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। साधु ने उसे हर महीने पैसे भेजने का भी वादा किया था।

स्कूटी टच होने पर 20 साल के युवक की चाकू से गोदकर हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के गीता कॉलोनी में स्कूटी टच होने पर एक 20 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों में एक आरोपी नाबालिग है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। इसी बीच गुस्साई भीड़ नाबालिग आरोपी के घर पहुंचकर मीटर, स्विच बोर्ड को तोड़ने के साथ घर में भी तोड़फोड़ कर दी। इतना ही नहीं भीड़ ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की।

कोलकाता के लॉ कॉलेज में छात्रा से गैंगरेप की मेडिकल जांच में हुई पुष्टि

-टीएमसी सांसद ने कहा घटना शर्मनाक, दोषियों को मिले सख्त सजा

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के एक लॉ कॉलेज में गैंगरेप की घटना सामने आई है। कॉलेज में पढ़ने वाली 24 साल की छात्रा ने तीन लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज का पूर्व छात्र है, उनसे दो मौजूदा छात्रों के साथ मिलकर 25 जून को लॉ छात्रा के साथ गैंगरेप की इस घटना को अंजाम दिया था। कोलकाता पुलिस ने बताया कि मेडिकल जांच में छात्रा के साथ गैंगरेप की पुष्टि हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज की प्रथम वर्ष की छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई कि 25 जून को कॉलेज के एक पूर्व छात्र और दो पढ़ाई कर रहे सीनियर छात्रों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्क किया। गुरुवार को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था और पीड़ित छात्रा का मेडिकल करवाया गया था। पुलिस ने बताया कि मेडिकल रिपोर्ट में जबरन शारीरिक संबंध बनाने, शरीर पर काटने के निशान और नाखूनों से खरोंचने के सबूत मिले हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी जो कॉलेज का पूर्व छात्र और एक प्रैक्टिसिंग क्रिमिनल लॉयर है उसने दुष्कर्म किया। जबकि अन्य दो कमरे के बाहर पहरा दे रहे थे। मुख्य सरकारी अभियोजक ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के मुताबिक अगर किसी गैंगरेप की घटना में एक व्यक्ति भी दुष्कर्म करता है, लेकिन बाकी लोग उसकी मदद करते हैं या उसके साथ साझा इरादा रखते हैं, तो वे भी समान रूप से दोषी हैं। इसलिए यह गैंगरेप का मामला है, और तीनों इस मामले में आरोपी हैं।

कोलकाता पुलिस कमिश्नर और जॉइंट सीपी (क्राइम) कसबा पुलिस स्टेशन पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने लॉ कॉलेज जाकर मामले की गहराई से जांच की। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि इस तरह की घटनाएं शर्मनाक हैं और दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जब एक दोस्त अपनी ही दोस्त के साथ अपराध करता है तो पुलिस हर स्कूल या कॉलेज में कैसे तैनात रह सकती है?

इस मामले को लेकर राज्य सरकार की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई है। पश्चिम बंगाल की मंत्री शशि पांजा ने कहा कि जैसे ही पुलिस को शिकायत मिली, 12 घंटे के अंदर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने साफ कहा कि राज्य सरकार और पुलिस इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रही है और ऐसे मामलों में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। गैंगरेप की घटना को लेकर सियासी तापमान भी बढ़ गया है। बीजेपी युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कसबा थाने के बाहर प्रदर्शन करते हुए सड़क पर टायर जलाए। जब पुलिस ने आग बुझाने की

कोशिश की तो पुलिस को बीजेपी कार्यकर्ताओं ने रोका, जिससे झड़प की स्थिति बन गई। इसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा और कई बीजेपी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी 2 जुलाई से करेंगे 5 देशों का दौरा, ब्रिक्स में भी होंगे शामिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 से 9 जुलाई, 2025 तक घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की आधिकारिक विदेश यात्रा पर रहेंगे। यह उनका कार्यकाल का सबसे लंबा विदेश दौरा माना जा रहा है। इस दौरान वह 6-7 जुलाई को ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित होने जा रहे

17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। अपनी यात्रा की शुरुआत प्रधानमंत्री घाना से करेंगे, जहां वह 2-3 जुलाई को राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ावा देंगे। इसके बाद 3-4 जुलाई को वह त्रिनिदाद एंड टोबैगो जाएंगे, जहां वह राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मिलकर द्विपक्षीय सहयोग को मजबूती देंगे। प्रधानमंत्री 4-5 जुलाई को अर्जेंटीना पहुंचेंगे और राष्ट्रपति जेवियर माइली से मुलाकात कर कृषि, ऊर्जा, व्यापार और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा करेंगे। 5-8 जुलाई को पीएम मोदी ब्राजील की राजकीय यात्रा पर रहेंगे और ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे। सम्मेलन के दौरान वे वैश्विक शासन, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य और एआई जैसे मुद्दों पर विचार साझा करेंगे। अंतिम चरण में, प्रधानमंत्री 9 जुलाई को नामीबिया की पहली आधिकारिक यात्रा करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और यहां वे संसद को संबोधित भी कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यह बहुपक्षीय और द्विपक्षीय यात्राएं वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका को और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताई जा रही हैं।

बाबा साहब ने संविधान दिया, पर कांग्रेस-बीजेपी ने उसे नहीं निभाया: मायावती का तीखा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। संविधान को लेकर छिड़ी राष्ट्रीय बहस के बीच बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख मायावती ने रविवार को केंद्र की मोदी सरकार और प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस, दोनों पर तीखा हमला बोला। प्रेस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान को इन दोनों ही दलों ने कभी पूरी ईमानदारी से लागू नहीं किया।

मायावती ने कहा, कि बाबा साहब ने भारत को ऐसा संविधान दिया, जो समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए था। लेकिन कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए और अब भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार, दोनों ने इसे केवल राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों दलों ने समय-समय पर संविधान के मूल स्वरूप के साथ छेड़छाड़ की है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक अवसरवाद के तहत इन पार्टियों ने संविधान में अनावश्यक संशोधन किए। यह

संविधान की आत्मा पर आघात है।

होसबले के बयान पर भी जताई आपत्ति

इसी दौरान मायावती ने आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबले के हालिया बयान की भी आलोचना की। दरअसल होसबले ने संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्दों की प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय बहस की वकालत की थी। मायावती ने इसे संविधान के सिद्धांतों पर हमला करार दिया और कहा, कि जो लोग बाबा साहब के संविधान की आत्मा को नहीं समझते, वही इस तरह की बहस छेड़ते हैं। यह बहुजनों के अधिकारों पर हमला है।

हिंदी विवाद पर फडणवीस का पलटवार बोले- खुद उद्धव सरकार ने मंजूर की थी रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। हालात ये हैं कि उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे ने स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य करने के कथित फैसले के खिलाफ 5 जुलाई को मुंबई में संयुक्त विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। बढ़ते विवाद के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावा किया है कि जब उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे, तब उनकी सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत एक ऐसी समिति की रिपोर्ट को स्वीकार किया था, जिसमें मराठी के साथ-साथ हिंदी और अंग्रेजी को अनिवार्य करने की सिफारिश की गई थी।

फडणवीस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जब एनईपी 2020 लागू की गई थी, तब उद्धव ठाकरे की माहा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार सत्ता में थी। उस समय एक 18 सदस्यीय समिति का गठन किया गया था, जिसने नीति का अध्ययन किया। जून 2021 में इस समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि मराठी के साथ हिंदी और अंग्रेजी को

अनिवार्य किया जाए। इस रिपोर्ट को 27 जनवरी 2022 को उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में स्वीकार किया गया और इस पर आगे की कार्रवाई भी की गई। उन्होंने सवाल उठाया, क्या इस रिपोर्ट को तैयार करने वाले डॉ. रघुनाथ माशेलकर, भालचंद्र मुंगेकर और सुखदेव थोराट जैसे लोग महाराष्ट्र विरोधी हैं? यह नीति उस समय स्वीकार की गई थी, जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे। अब वे इसका विरोध क्यों कर रहे हैं? फडणवीस ने यह भी कहा कि हमारी सरकार ने हिंदी को अनिवार्य नहीं किया है, बल्कि यह केवल एक वैकल्पिक भाषा के रूप में शामिल की गई है।

राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने भी ठाकरे भाइयों के विरोध का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, प्राथमिक स्तर पर छोटे बच्चों पर अतिरिक्त भाषाओं का बोझ डालना गलत है। नई भाषाओं को कक्षा 5 के बाद शुरू करना चाहिए। मातृभाषा पर प्रारंभिक शिक्षा में ध्यान देना जरूरी है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने भी इस मुद्दे को राज्य की सांस्कृतिक पहचान से जोड़ते हुए समर्थन जताया। यह विवाद ऐसे समय में उभरा है, जब मुंबई में नगर निगम चुनाव नजदीक हैं। ठाकरे भाइयों का यह संयुक्त प्रदर्शन मराठी वोट बैंक को एकजुट करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह प्रदर्शन उद्धव और राज ठाकरे के बीच 2006 के बाद पहली बार राजनीतिक एकता की ओर इशारा कर सकता है, जब राज ने शिवसेना छोड़कर एमएनएस का गठन किया था। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार ने इस विवाद को गलतफहमी करार देते हुए कहा, मराठी भाषा अनिवार्य है, हिंदी केवल वैकल्पिक है। हम मराठी का पूरे दिल से समर्थन करते हैं। यह बीजेपी की वजह से है कि मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिला। शेलार ने यह भी याद दिलाया कि तीन-भाषा नीति की शुरुआत उद्धव ठाकरे की सरकार के दौरान ही हुई थी। मराठी भाषा मंत्री उदय सामंत ने भी फडणवीस के दावे का समर्थन करते हुए कहा कि एनईपी 2020 के तहत गठित डॉ. रघुनाथ माशेलकर समिति ने मराठी, अंग्रेजी और हिंदी को कक्षा 1 से 12 तक अनिवार्य करने की सिफारिश की थी, जिसे उद्धव ठाकरे की सरकार ने मंजूरी दी थी।

अपने 11 साल के स्वर्णिम कार्यकाल में मोदी सरकार ने 421 बिल पास किए

कुल 1576 पुराने और निरर्थक कानूनों को निरस्त किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में मोदी सरकार ने केंद्र में अपने 11 साल पूरे किए है। इस दौरान सबसे बड़ी पंचायत संसद भी तमाम बदलावों को होकर गुजरी। मोदी सरकार का आगामी रोडमैप क्या है, इस पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बातचीत की।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि मोदी सरकार में कई महत्वपूर्ण संसदीय निर्णय हुए हैं। उदाहरण के लिए रेल और आम बजट को मिलाने और आम बजट को हर साल 1 फरवरी को पेश करने का ऐतिहासिक फैसला हुआ। इसी तरह, जम्मू-कश्मीर में समाज के सभी वर्गों के लिए समान मौके सुनिश्चित करने के लिए अनुच्छेद 370 और उसके तहत राष्ट्रपति के आदेशों के कुछ प्रावधानों को निरस्त किया गया। वहीं पीएम मोदी के भविष्यवादी दृष्टिकोण के चलते देश को सितंबर 2023 में नई संसद मिली, जब संविधान सभा से शुरू हुई 75 वर्षों की संसदीय यात्रा पर एक विशेष सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नीति निर्माण में जन प्रतिनिधियों के रूप में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 पारित किया गया। मोदी सरकार ने अपने 11 साल के स्वर्णिम कार्यकाल में अब तक 421 बिल पास किए। वहीं अब तक कुल 1576 पुराने और निरर्थक कानूनों को निरस्त किया।

उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान भारतीय संसद के लचीलेपन की परीक्षा हुई। तब अनुच्छेद 85 की संवैधानिक अपेक्षाओं को और अत्यावश्यक विधायी कामों को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सभी दिशा-निर्देशों का पालन कर तीन सत्रों का आयोजन हुआ। उस मुश्किल दौर में दूरी से जुड़े प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए लोकसभा और राज्यसभा के सत्र का आयोजन अलग-अलग में समय में सभी सुरक्षा मानदंडों के साथ हुआ।

उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्रालय युवा पीढ़ी में लोकतांत्रिक संस्कार विकसित करने के उद्देश्य से दिल्ली के स्कूलों, केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, यूनिवर्सिटी कॉलेजों के छात्रों के लिए पारंपरिक रूप से युवा संसद प्रतियोगिताएं आयोजित करता है और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता भी देता है। मोदी सरकार ने 2019 में संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय युवा संसद योजना के तहत डिजिटल प्लैटफॉर्म की शुरुआत की गई।

बिहार में चुनाव से पहले बीजेपी-कांग्रेस के बीच डिजिटल वॉर शुरु

पटना (एजेंसी)। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज हो रही है। अब राजनीतिक दलों के बीच डिजिटल वॉर बढ़ती जा रही है। कांग्रेस ने एआई आधारित तस्वीर के माध्यम से चुनाव आयोग पर सवाल उठाकर उस जिन्न की संज्ञा दी है, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष की चुनावी हार की हताशा करार दिया है।

बिहार यूथ कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक एआई जनित इमेज साझा की है, इसमें चुनाव आयोग को जिन्न के रूप में दिखाया है। चित्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिराग लिए हुए और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके बगल में खड़ा दिखाया गया है। जिन्न बना चुनाव आयोग कह रहा है, हुक्म मेरे आका'। साथ ही यूथ कांग्रेस ने टिप्पणी की, अब बिहार में आका का हुक्म ही आखिरी फैसला है...'

इस पर बीजेपी ने कांग्रेस व विपक्ष पर पलटवार कर कहा, 'चुनाव से पहले जब विपक्ष चुनाव आयोग, मतदान प्रणाली और ईवीएम पर हमले शुरू कर दे, तब माना लीजिए उनकी चुनावी गाड़ी का पहिया पंचर हो चुका है।'

तेजस्वी यादव पर निशाना साधकर भाजपा ने लिखा, '95 चुनाव हार चुके नेता के भरोसे चुनाव यात्रा पर न निकलें, ठीकरा फिर ड्राइवर पर ही फूटेगा।'

बीते सप्ताह कांग्रेस ने नीतीश कुमार को 'बेरोजगारी का बादशाह' बताकर एआई इमेज में उन्हें शाही मुकुट पहने दिखाया था। साथ में संदेश लिखा था 'नीतीश के राज में बर्बाद है बिहार', और उन्हें 'पलायन का राजा' कहा गया।

एक अन्य पोस्ट में कांग्रेस ने भाजपा और जेडीयू के गठबंधन को 'गुंडा राज' और 'लूटबंधन' बताया था। इसमें प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की एक काल्पनिक बातचीत को कार्टून के रूप में दिखाया गया, जिसमें भाजपा की क्रोनोलॉजी को व्यंग्यात्मक तरीके से पेश किया गया।

भारत-बांग्लादेश के बीच 2026 में खत्म हो रही गंगा जल संधि

-नई जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भारत चाहता है नया समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत, बांग्लादेश के साथ गंगा जल संधि में संशोधन को लेकर गंभीर है। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने के बाद भारत इस पर भी विचार कर रहा है। भारत अब अपनी विकास संबंधी नई जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बांग्लादेश के साथ एक नया समझौता करना चाहता है। 1996 में शेख हसीना के कार्यकाल में हुई गंगा जल बंटवारा संधि 2026 में खत्म हो रही है। इस संधि को आपसी सहमति से फिर से लागू किया जाना है, लेकिन अब भारत एक नई संधि चाहता है, जो उसकी वर्तमान विकास जरुरतों को पूरा करे।

पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा के कार्यकाल में भारत और बांग्लादेश के बीच 1996 में गंगा जल बंटवारा संधि हुई थी। यह संधि गंगा नदी के पानी को साझा करने के लिए की गई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत इस संधि में बदलाव चाहता है। भारत का कहना है कि उसे सिंचाई, बंदरगाह के रखरखाव और बिजली उत्पादन के लिए ज्यादा पानी की जरूरत है। इसलिए, वह मौजूदा संधि में संशोधन चाहता है।

सूत्रों का कहना है कि भारत को हर साल 1 जनवरी से 31 मई के बीच अब पहले से ज्यादा पानी की जरूरत है। मानसून की शुरुआत नहीं होने की वजह से इस समय गंगा नदी में पानी की कमी हो जाती है। इसका असर वाराणसी से पटना की ओर आगे बढ़ते ही दिखना शुरू हो जाता है। जैसे-जैसे और आगे बढ़ते हैं, स्थिति और बुरी होती जाती है। भारत चाहता है कि संधि में बदलाव करके उसे ज्यादा पानी मिले, ताकि गंगा में पानी का बहाव अच्छी स्थिति में बना रहे। कम पानी की वजह से गंगा में बालू जमा होने की समस्या बढ़ रही है। गंगा जल संधि पश्चिम बंगाल में फरक्का बैराज पर गंगा नदी के पानी के बंटवारे को लेकर है।

संधि के मुताबिक 11 मार्च से 11 मई तक भारत और बांग्लादेश दोनों को 10-10 दिनों के लिए 35,000 क्यूसेक पानी मिलता है, लेकिन अब भारत चाहता है कि उसे इस दौरान उसे 30,000 से 35,000 क्यूसेक पानी अतिरिक्त मिले। फरक्का बैराज 1975 में बनाया गया था। इसका उद्देश्य गंगा नदी से हुगली नदी में पानी भेजना था। इससे कोलकाता बंदरगाह में जहाजों की आवाजाही के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होता है, जिससे यह प्रक्रिया आसान है।

जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल सरकार भी केंद्र सरकार की मंशा से सहमत और संधि में संशोधन के पक्ष में है। पश्चिम बंगाल सरकार का मानना है कि संधि की वर्तमान व्यवस्था उसकी जरूरतों को पूरा नहीं करती है। गंगा जल संधि में कहा गया था, कि ऊपरी तटवर्ती राज्य, भारत, और निचला तटवर्ती राज्य, बांग्लादेश, फरक्का में गंगा के पानी को साझा करने के लिए सहमत हुए। फरक्का बांध बांग्लादेश सीमा से करीब 10 किलोमीटर दूर भागीरथी नदी पर बना है। फरक्का बैराज

कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के लिए एक फीडर नहर में 40,000 क्यूसेक पानी भेजने के लिए बनाया गया था। भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा नदी के पानी को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। यह संधि इस विवाद को सुलझाने की एक कोशिश थी। अब भारत इस संधि में बदलाव करके भारत अपनी जरूरतों को पूरा करना चाहता है।

जायसवाल की नजरें एजबेस्टन टेस्ट में सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ने पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाना है, जहां टीम इंडिया की नजरें सीरीज में वापसी पर होंगी। इस मुकाबले में खासतौर पर सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर सबकी निगाहें होंगी, जो भारतीय टेस्ट क्रिकेट में सुनील गावस्कर का करीब 50 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने के बेहद करीब हैं। इंग्लैंड दौरे की शुरुआत जायसवाल के लिए शानदार रही। उन्होंने पहले टेस्ट में शतक जमाकर टीम को मजबूत शुरुआत दी थी। हालांकि शुभमन गिल, केएल राहुल और ऋषभ पंत के शतक के बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में दूसरे टेस्ट में भारत के बल्लेबाजों से एक बार फिर बड़े स्कोर की उम्मीद होगी।

यशस्वी जायसवाल के अब तक के टेस्ट करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 20 मैचों में 52.86 की औसत से 1903 रन बनाए हैं। वह 2000 रन के मील के पत्थर से सिर्फ 97 रन दूर हैं। अगर वह एजबेस्टन टेस्ट में यह 97 रन बना लेते हैं तो वह सबसे कम मैचों में 2000 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बन जाएंगे। अभी यह रिकॉर्ड दिग्गज सुनील गावस्कर के नाम है, जिन्होंने 23 टेस्ट में 2000 रन पूरे किए थे। अगर यशस्वी एजबेस्टन में इस उपलब्धि से चूकते हैं तो उनके पास अगले मैच में भी गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका रहेगा।

सबसे तेज 2000 टेस्ट रन बनाने वाले अन्य भारतीयों में राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग भी शामिल हैं, जिन्होंने 25-25 टेस्ट में यह कारनामा किया था। हालांकि, पारियों के लिहाज से देखें तो राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग ने 40-40 पारियों में 2000 रन पूरे किए थे, जबकि गावस्कर को 44 पारियां लगी थीं। यशस्वी जायसवाल ने अब तक 38 पारियां खेली हैं और अगर वह दूसरे टेस्ट की पहली पारी में ही 97 रन बना लेते हैं तो वह सबसे कम पारियों में 2000 टेस्ट रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन जाएंगे। ऐसे में एजबेस्टन टेस्ट जायसवाल के लिए व्यक्तिगत और भारतीय क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में नया इतिहास रचने का बड़ा मौका साबित हो सकता है, साथ ही टीम इंडिया को भी उनकी बड़ी पारी से सीरीज में वापसी की मजबूत उम्मीद होगी।

पैट कमिंस ने फिर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया

बारबाडोस (एजेंसी)। यहां ब्रिजटाउन स्थित केंसिंग्टन ओवल में वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन पैट कमिंस ने कमाल कर दिया। अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर कमिंस ने एक बार फिर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया।

उन्होंने एक 62 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे लंबे समय से कायम था। पैट कमिंस ने केसी कार्टी को तीसरे दिन के पांचवें सत्र में आउट करके यह रिकॉर्ड बनाया और फिर चौथे दिन के दूसरे सत्र में रोस्टन चेज को आउट करके इसे और आगे बढ़ाया। वेस्टइंडीज के कप्तान चेज 44 रनों की मजबूत पारी खेलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाने की कोशिश कर रहे थे, तभी कमिंस ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। केसी कार्टी को आउट करते ही पैट कमिंस ने एक ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के रूप में टेस्ट विकेटों की संख्या में रिची बेनो के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

इसके बाद रोस्टन चेज को आउट करके उन्होंने बेनो को पीछे छोड़ दिया और कप्तान के रूप में टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सर्वकालिक सूची में दूसरे स्थान पर आ गए। इस प्रतिष्ठित सूची में कमिंस अब महान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इमरान खान के बाद दूसरे स्थान पर हैं। तुलनात्मक रूप से रिची बेनो ने ऑस्ट्रेलिया का 35 टेस्ट में नेतृत्व किया और इमरान खान ने कप्तान के रूप में 48 लाल गेंद के टेस्ट खेले। टेस्ट कप्तान के रूप में कमिंस ने ऑस्ट्रेलिया को शानदार जीत दिलाई है, जहां उन्होंने 2023 में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का खिताब जीता और 2025 में फिर से फाइनलिस्ट के रूप में क्वालीफाई किया।

बता दें कि कमिंस संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा पांच विकेट लेने वाले टेस्ट कप्तान भी हैं, जिनके नाम 9 पांच-विकेट हॉल हैं - इमरान खान के मौजूदा रिकॉर्ड 10 से एक कम। हालांकि, स्पिन गेंदबाज के रूप में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में रिची बेनो शीर्ष पर बने हुए हैं। पैट कमिंस ने 2021 में टिम पेन की जगह ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान बने और अब तक 28 मैचों में अपने देश का नेतृत्व किया है।

डब्ल्यूटीसी में 10 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले पहले खिलाड़ी ट्रेविस हेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मैच में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा और दोनों टीमों की पहली पारियां 200 रन से कम पर सिमट गईं। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 180 रन बनाए, जिसमें वेस्टइंडीज के जेडन सील्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट चटकाए।

हालांकि वेस्टइंडीज की टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी और 190 रन पर ऑलआउट होकर सिर्फ 10 रन की मामूली बढ़त हासिल कर पाई। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार वापसी करते हुए 310 रन बनाए। इसमें ट्रेविस हेड, वेबस्टर और एलेक्स कैरी की अर्धशतकीय पारियां अहम रहीं। इस पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 301 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम लड़खड़ा गई और सिर्फ 141 रन पर ढेर हो गई। इस जीत में ट्रेविस हेड का योगदान निर्णायक रहा। उन्होंने दोनों पारियों में अर्धशतक लगाए और अपनी पारी से मैच का रुख बदल दिया। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके साथ ही उन्होंने एक बड़ी उपलब्धि भी हासिल की।

ट्रेविस हेड विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 10 मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है और वह ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में चौथे स्थान पर हैं। उनसे आगे स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन और उस्मान ख्वाजा हैं। हेड ने अब तक 50 टेस्ट में 3199 रन बनाए हैं, जिसमें आठ शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 401 चौके लगाकर इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चौके लगाने के मामले में जो रूट, स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के बाद चौथा स्थान हासिल कर लिया है। जो रूट ने 119 पारियों में 576 चौके, स्मिथ ने 476 और लाबुशेन ने 443 चौके लगाए हैं, जबकि हेड ने 83 पारियों में यह उपलब्धि पाई है। इस जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही है और सीरीज में अपनी बढ़त को मजबूत करने के इरादे से अगले मुकाबले में उतरेगी।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर आउट! अर्शदीप सिंह को मिल सकता है डेब्यू का मौका

लीड्स (एजेंसी)। लीड्स टेस्ट गंवाने के बाद अब टीम इंडिया की एजबेस्टन में अग्निपरीक्षा है। दोनों टीमों के बीच 2 जुलाई से दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। पहले ये साफ नहीं था कि जसप्रीत बुमराह दूसरे टेस्ट मैच की प्लेइंग इलेवन में होंगे या नहीं लेकिन अब इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार बुमराह दूसरे टेस्ट की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे।

बुमराह के नहीं होने से टीम इंडिया की पेस अटैक दूसरे टेस्ट मैच में बेहद कमजोर लग रही है। लेकिन उनका वर्कलोड मैनेजमेंट भी जरूरी है। हालांकि, शुक्रवार को टीम इंडिया की प्रैक्टिस सेशन के दौरान देखा गया कि प्रसिद्ध कृष्णा प्रैक्टिस के लिए नेट में नहीं उतरे और टीम को फील्डिंग कोच व हेड कोच गौतम गंभीर अर्शदीप सिंह और आकाशदीप से काफी देर तक बातें करते रहे साथ ही दोनों ने जमकर प्रैक्टिस भी की। जिसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि, प्रसिद्ध कृष्णा भी दूसरे मैच में नहीं खेलेंगे।

अब अगर दूसरे टेस्ट मैच की प्लेइंग इलेवन में जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा नहीं होंगे तो उनकी जगह कौन लेगा? जिस तरह की स्थिति सामने आई है उससे कहा जा रहा है कि जसप्रीत बुमराह की जगह अर्शदीप ले सकते हैं जबकि प्रसिद्ध कृष्णा की जगह आकाशदीप को मौका मिल सकता है। वहीं भारतीय प्लेइंग इलेवन में शार्दुल ठाकुर की जगह कुलदीप यादव को दी जा सकती है और कई पूर्व क्रिकेटर कुलदीप को अंतिम ग्यारह में मौका देने की बात भी कर रहे हैं।

साई-करुण को मिल सकती है जगह

वहीं इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में शायद टीम इंडिया में 3 बदलाव देखना निश्चित तौर पर मिल सकते हैं। अब बल्लेबाजी की बात करें तो यहां पारी की शुरुआत केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ही करेंगे। तीसरे नंबर पर पहले टेस्ट में खराब प्रदर्शन करने वाले साई सुदर्शन पर एक बार फिर से भरोसा जताया जा सकता है। वहीं चौथे पर कप्तान शुभमन गिल होंगे जबकि पांचवें पर उपकप्तान ऋषभ पंत होंगे। छठे नंबर पर करुण नायर को फिर से टीम में शामिल किया जा सकेगा क्योंकि 8 साल के लंबे इंतजार के बाद उन्हें टीम में लाया गया है तो उन्हें एक और मौका दिया जाना चाहिए।

दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारत की संभावित प्लेइंग 11

केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल, ऋषभ पंत, करुण नायर, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आकाशदीप और मोहम्मद सिराज।

गंभीर को टीम को तैयार करने समय देना चाहिए : पनेसर

लंदन । टेस्ट मैच में टीम इंडिया की हार के बाद इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाज मोंटी पनेसर ने कहा गौतम गंभीर को टीम तैयार करने के लिए समय देना चाहिए। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज रोहित शर्मा और विराट कोहली के बिना खेली जा रही है क्योंकि दोनों ने दौरे से पहले इस प्रारूप से संन्यास ले लिया था और टीम की कप्तानी शुभमन गिल के हाथों में हैं। पनेसर ने मुख्य कोच का समर्थन करते हुए कहा, गौतम गंभीर को इस युवा टेस्ट टीम को तैयार करने के लिए कम से कम 12-18 महीने का समय दिया जाना चाहिए। कोहली और शर्मा जैसे खिलाड़ियों के बिना गंभीर के पास कोई विकल्प नहीं है। आप उनसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने की उम्मीद नहीं कर सकते। टी20 विश्व कप 2024 के बाद गौतम गंभीर को राहुल द्रविड़ की जगह टीम इंडिया के मुख्य कोच के रूप में पदभार संभालने को मिला।

तय कार्यक्रम के अनुसार होने की उम्मीद हैं भारत-बांग्लादेश सीरीज

- कोहली और रोहित दिख सकते है मैदान पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और बांग्लादेश के बीच अगस्त में होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज को लेकर पिछले कुछ समय से कई अटकलें लगाई जा रही थीं। शेख हसीना सरकार के हटने के बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक रिश्तों में आई तल्खी के चलते दौरे के रद्द या स्थगित होने की आशंका जताई जा रही थी। लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने साफ कर दिया है कि फिलहाल सीरीज को लेकर कोई बदलाव नहीं किया गया है और यह तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगी। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा है कि इस दौरे को रद्द करने या स्थगित करने पर कोई चर्चा नहीं हुई है और न ही सरकार से ऐसा कोई निर्देश मिला है। अगर आगे कोई स्थिति बनती है तो उसी के अनुसार फैसला लिया जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अप्रैल में ही इस दौरे का कार्यक्रम जारी कर दिया था। इसके मुताबिक तीन मैचों की वनडे सीरीज 17 अगस्त से मीरपुर में शुरू होगी और 23 अगस्त को चटगांव में खत्म होगी। इसके बाद तीन मैचों की टी20 सीरीज 26 अगस्त से शुरू होकर 31 अगस्त तक चलेगी। यह दौरा इसलिए भी अहम है क्योंकि विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पहली बार वनडे टीम में वापसी करने के संकेत दिए हैं।

टेस्ट मैच में टीम की गेंदबाजी से मोहम्मद शमी असंतुष्ट

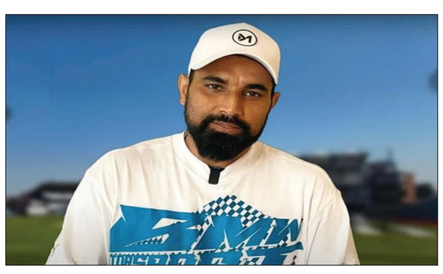

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स के हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में टीम की गेंदबाजी से भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी असंतुष्ट हैं। भारतीय गेंदबाजों ने सभी पारियों में 4.5 रन प्रति ओवर से अधिक रन लुटाए जिसमें केवल जसप्रीत बुमराह ही प्रभावी दिखे। बुमराह ने पहली पारी में 5 विकेट लिए लेकिन दूसरी इनिंग में कोई विकेट नहीं ले पाए। इंग्लैंड ने 371 रन के लक्ष्य के जवाब में आखिरी दिन 350 रन बनाए और 5 विकेट से जीत दर्ज की। शमी ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, गेंदबाजी में अन्य भारतीय गेंदबाजों को बुमराह से बात करनी चाहिए और उनसे सीखना चाहिए। उन्हें उनके साथ योजना बनाने और उनका समर्थन करने के बारे में बात करनी चाहिए। अगर वे बुमराह का समर्थन करेंगे, तो हम आसानी से मैच जीत सकते हैं। अगर मैं पहले मैच की बात करूं, तो मुझे लगता है कि हमें गेंदबाजी में थोड़ा काम करने की जरूरत है। शमी ने शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा के विकेटों का खेल पर कोई प्रभाव ना पड़ने की भी बात की। उन्होंने कहा, शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा ने दूसरी पारी में दो-दो विकेट लिए, लेकिन जब तक शार्दुल ने इंग्लैंड के दो बल्लेबाजों को आउट किया, तब तक मैच भारत की पहुंच से बाहर हो चुका था। नई गेंद से विकेट लेना बहुत जरूरी है। उन्हें बुमराह का समर्थन करना चाहिए। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट इसलिए जीता क्योंकि हमने बहुत सारे आसान रन दिए।

हर गेंद पर चौका-छक्का नहीं जरूरी : शेफाली वर्मा

– सचिन से प्रेरित होकर मजबूत लौटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम में वापसी कर रहीं 21 वर्षीय शेफाली वर्मा ने स्वीकार किया है कि टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने अपनी बल्लेबाजी के नजरिए में बड़ा बदलाव किया। खराब फॉर्म के चलते बाहर होने के बाद शेफाली ने टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर की पारियां देख-देखकर यह समझा कि हर गेंद को उसकी मेरिट पर खेलना कितना जरूरी है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच से पहले बीसीसीआई के एक वीडियो में शेफाली ने कहा, ÷पहले मैं हर गेंद पर चौका या छक्का मारने के बारे में सोचती थी लेकिन फिर मुझे समझ में आया कि अच्छी गेंद का सम्मान करना जरूरी है। मैंने सचिन सर की टेस्ट पारियां देखीं और उनसे काफी प्रेरणा मिली।÷

शेफाली ने बताया कि सचिन को देखते हुए उन्हें अपने बचपन के दिन याद आ गए। ÷उस समय मैं उनका एक भी मैच मिस नहीं करती थी। इस बार मैंने उनके हर मैच को फिर से देखा और सीखा कि अच्छी गेंद को सम्मान देना ही लंबी और अच्छी पारी खेलने की कुंजी है।÷ शेफाली का यह आत्मचिंतन उनके खेल में भी दिखा। घरेलू क्रिकेट और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शानदार प्रदर्शन कर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह वापस पक्की की।

हालांकि, यह सफर आसान नहीं रहा। शेफाली ने खुलासा किया कि पिछले साल टीम चयन से ठीक दस दिन पहले उनके पिता को दिल का दौरा पड़ा था, जिसने उनके लिए हालात और मुश्किल कर दिए। ÷जब भी आप टीम में वापसी करते हैं तो हालात मुश्किल होते ही हैं, लेकिन टीम के माहौल में लौटकर अच्छा लगता है। मुझे खुशी है कि मैं फिर से टीम का हिस्सा बनी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के चयन से दस दिन पहले पापा को दिल का दौरा पड़ा था। उस समय मैं बेहद परेशान थी और मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि हो क्या रहा है।÷

शेफाली ने बताया कि बाहर रहने के दौरान उन्होंने अपनी फिटनेस पर भी काफी ध्यान दिया। ÷मैंने फिटनेस पर कड़ी मेहनत की। करीब 20-25 दिन बाद जब बल्ला हाथ में लिया तो बेहद अच्छा लगा और मुझे अलग ही ऊर्जा मिली। समय बहुत कुछ सिखा देता है। अब मेरा ध्यान सिर्फ अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रहेगा, बाकी किस्मत पर छोड़ दूंगी।÷ शेफाली की ईमानदार स्वीकारोक्ति बताती है कि वह सिर्फ प्रतिभा ही नहीं बल्कि लगातार सीखने और खुद को बेहतर करने की चाहत भी रखती हैं, जो किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ी ताकत होती है।

श्रीलंका ने बंगलादेश को पारी और 78 रनों से हराया

कोलंबो, । प्रभात जयसूर्या (पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट के चौथे दिन शनिवार को बंगलादेश को पारी और 78 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली है। आज यहां एसएससी ग्राउंड पर बंगलादेश ने छह विकेट पर 117 रन से आगे खेलना शुरू किया और उस समय वह श्रीलंका के दूसरी पारी में बनाये गये स्कोर से 94 रनों से पीछे थी। आज के दिन का पहला शिकार जयसूर्या ने लिटन कुमार दास (14) को विकेटकीपर कुसल मेंडिस के हाथों कैच आउट कराकर की। इसके बाद जयसूर्या ने नईम हसन (पांच) को विकेटकीपर के हाथों स्टंप करा दिया। कंधे में दर्द के कारण तीसरे दिन मैदान से बाहर रहने के बाद विकेटकीपर मेंडिस ने स्टंप के पीछे सहायक भूमिका निभाई। तैजुल इस्लाम (छह) और इबादत हुसैन (छह) रन बनाकर आउट हुये। बंगलादेश ने सुबह के सत्र में मात्र 16 रन जोड़कर अपने चार विकेट गवां दिये। श्रीलंकाई गेंदबाजों ने बंगलादेश की पूरी टीम 44.2 ओवर में 133 रन पर ढ़ेर कर मुकाबला पारी और 78 रनों से जीत लिया। इस जीत ने टेस्ट इतिहास में बंगलादेश पर श्रीलंका की नौवीं पारी की जीत दर्ज की और उन्हें विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के बहुमूल्य अंक दिलाए। इसी के साथ श्रीलंका ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

स्पिनर एडम जम्पा ने सरे के साथ किया अनुबंध

सरे । ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जम्पा ने चार टी20 ब्लास्ट मैच खेलने के लिए सरे के साथ अनुबंध किया है। एडम अगले महीने 6 जुलाई को द ओवल में एसेक्स के खिलाफ सरे के डबल-हेडर मैच से पहले पहुंचेंगे। लेग स्पिनर जम्पा ने अपने करियर में 350 से अधिक टी20 विकेट लिए हैं जिसने उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग , बिग बैश और द हंड्रेड सहित दुनिया भर की सभी सबसे बड़ी फ्रैंचाइजी लीगों में ले जाया है, जहां उन्होंने 2023 और 2024 में ओवल इनविंसिबल्स को लगातार खिताब दिलाने में मदद की। सैम कुरेन की सरे प्रतियोगिता में शानदार फॉर्म में है, उसने केंट के खिलाफ आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत हासिल की, जिसमें क्रिस जॉर्डन ने अंतिम गेंद पर चौका लगाकर जीत सुनिश्चित की। इसके बाद ससेक्स और मिडलसेक्स के खिलाफ घरेलू मैदान पर व्यापक जीत हासिल की। जम्पा का पहला मैच 6 जुलाई को एसेक्स के खिलाफ डबल-हेडर होगा, इसके बाद ग्लॉस्टरशायर से भिड़ने के लिए ब्रिस्टल की यात्रा होगी। वह 11 जुलाई को ओवल में सरे के ग्लैमरगन से भिड़ने से पहले लाइट्स के नीचे फिर से एक्शन में होंगे, उसके बाद 13 जुलाई को ग्रुप लीडर समरसेट के खिलाफ एक और डबल-हेडर में थ्री फेदर्स में अपने शुरुआती स्पेल को समाप्त करेंगे। यदि सरे प्रतियोगिता के नॉकआउट चरणों में पहुंचता है, तो जम्पा क्वार्टर फाइनल और फाइनल डे के लिए उपलब्ध होंगे। सरे में हाई-परफॉर्मेंस क्रिकेट सलाहकार एलेक स्टीवर्ट ने कहा, एडम जम्पा विश्व क्रिकेट में सबसे बेहतरीन टी20 स्पिनरों में से एक हैं और मैं विटैलिटी ब्लास्ट के लिए सरे में उनका स्वागत करने के लिए उत्साहित हूं। वह मैदान पर अनुभव और तकनीकी कौशल का खजाना लेकर आते हैं और मैदान के बाहर शानदार चरित्र रखते हैं। एडम जम्पा ने सरे से जुड़ने पर कहा, मैं सरे के लिए खेलने और एक बार फिर किआ ओवल की भीड़ के सामने खेलने के लिए बेताब हूं। यह मैच खेलने के लिए दुनिया के सबसे बेहतरीन मैदानों में से एक है और मैं जानता हूं कि सरे के लिए खेलना लड़कों के लिए कितना मायने रखता है, इसलिए मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि यह सब क्या है। बता दें कि 33 वर्षीय जम्पा टी20 क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिन्होंने 117 विकेट लिए हैं। वह 100 टी20आई विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई थे और 2021 में टी20 विश्व कप और 2023 में 50 ओवर का विश्व कप जीतने वाली टीमों का हिस्सा थे।

प्रज्ञानन्दा बने उजचैस कप शतरंज 2025 के विजेता, रैंकिंग में पहुंचे विश्व नंबर 4 और भारत नंबर 1

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए उजचैस कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया है। प्रज्ञानन्दा हमेशा से शानदार खिलाड़ी रहे हैं और यह बात उन्होंने अपने खेल जीवन में कई बार साबित की है, पर अब वह वहाँ पहुँच रहे हैं जहां शायद उनके कदम विश्व चैंपियनशिप की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। 2024 को अगर गुकेश का वर्ष कहा जाता है तो शतरंज की दुनिया में भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें निश्चित तौर पर 2025 का वर्ष अभी से ही अपने नाम कर लिया है। टाटा स्टील, सुपरबेट क्लासिक और अब उजचैस कप का खिताब अपने नाम करते हुए उन्होंने फीडे कैंडिडेट 2026 में फीडे सर्किट के रास्ते अपनी दावेदारी को बेहद मजबूत कर लिया है।

उजचैस कप के आखिरी दिन प्रज्ञानन्दा नें कमाल का खेल दिखाया। पहले क्लासिकल मुक़ाबले में उन्होंने मेजबान देश के सबसे प्रबल दावेदार नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव को काले मोहरों से मात दी और फिर टाईब्रेक में सिंदारोव और अब्दुसत्तारोव दोनों को पीछे छोड़ते हुए खिताब हासिल कर लिया।

प्रभावशाली वापसी

जब टूर्नामेंट का अंतिम राउंड शुरू हुआ तो खिताब के कई दावेदार थे, लेकिन सबसे मुश्किल स्थिति में थे प्रज्ञानन्दा, जिन्होंने लगातार दो राउंड (6 और 7) में हार का सामना किया था। हालांकि उन्होंने आठवें राउंड में अर्जुन एरिगासी को हराकर जोरदार वापसी की।

नवम राउंड में उनका सामना सबसे आगे चल रहे अब्दुसत्तारोव से था, जो अपने ही देश में यह खिताब जीतने के बेहद करीब थे और उन्हें सिर्फ एक ड्रॉ चाहिए था। वहीं प्रज्ञानन्दा के सामने दोहरी चुनौती थी - उन्हें काले मोहरों से जीतना था और वह भी दुनिया के शीर्ष 5 खिलाड़ियों में से एक के खिलाफ।

लेकिन प्रज्ञानन्दा ने कमाल का धैर्य और आक्रामकता दिखाते हुए सिसिलियन ओपनिंग में अब्दुसत्तारोव की बड़ी किलेबंदी पर दबाव बनाया और 49 चालों में जीत दर्ज की। इसके साथ ही वह न केवल संयुक्त पहले स्थान पर पहुँचे बल्कि लाइव रेटिंग में भारत के नंबर 1 और दुनिया के नंबर 4 खिलाड़ी भी बन गए।

टाईब्रेक में उठा रोमांच

अंतिम राउंड के बाद प्रज्ञानन्दा, अब्दुसत्तारोव और सिंदारोव तीनों के 5.5 अंक हो गए और खिताब का फैसला टाईब्रेक से हुआ।

पहले डबल राउंड रॉबिन फॉर्मेट में तीनों के बीच ब्लीट्ज मुकाबले हुए, जहां प्रज्ञानन्दा नें पहले अब्दुसत्तारोव को हराया, फिर एक बाजी हारे और सिंदारोव से भी एक जीत और एक हार दर्ज की। टाईब्रेक के पहले चरण के बाद तीनों खिलाड़ी 2-2 अंक पर बराबरी पर थे।

इसके बाद एक और टाईब्रेक रखा गया – इस बार 1-1 राउंड का राउंड रॉबिन। पहले ही मुकाबले में प्रज्ञानन्दा ने अब्दुसत्तारोव को पराजित कर बढ़त बना ली। इसके बाद सिंदारोव के खिलाफ निर्णायक मुकाबले में उन्होंने शानदार एंडगेम खेलते हुए सेंटर काउंटर गेंबिट में जीत हासिल की और खिताब पक्का कर लिया।

युवा निशानेबाजों को निखारने में लगे हैं जसपाल राणा

नई दिल्ली। निशानेबाज जसपाल राणा आजकल देश की युवा निशानेबाजी प्रतिभाओं को निखारने में लगे हैं। ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर के भी वह कोच हैं। 49 साल के राणा ने भारत के शीर्षनिशानेबाज रहे हैं। इस निशानेबान की कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन कर निशानेबाजी को लोकप्रिय लोकप्रिय बनाने में भी अहम भूमिका रही। राणा ने साल 1988 में 31वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने के बाद से ही पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 1994 में इटली के मिलान में आयोजित विश्व निशानेबाजी प्रतियोगिता में जूनियर स्तर पर उन्होंने विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। राणा ने 1996 में अटलांटा ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। राणा ने 1994 एशियन गेम्स में 1 जबकि 2006 एशियन गेम्स में 3 स्वर्ण पदक जीते थे। 2006 में उन्होंने एक रजत भी जीता था। 1998 एशियन गेम्स में सिल्वर, 1994 और 1998 एशियन गेम्स में उन्होंने कांस्य पदक अपने नाम किया। राष्ट्रमंडल खेलों भी जसपाल राणा का शानदार प्रदर्शन रहा है। 1994 से लेकर 2006 के बीच उन्होंने चार राष्ट्रमंडल खेलों में 9 स्वर्ण जीते। 2002 में मेलबर्न में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल में उन्होंने 4 स्वर्ण पदक अपने नाम कियो। एशियन चैंपियनशिप 1995 में भी उन्होंने स्वर्ण जीता था। संन्यास के बाद से ही राणा कोचिंग क्षेत्र में उतर गये। उनके मार्गदर्शन में ही मनु ने पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतकर इतिहास रच दिया था। राणा को उनकी उपलब्धियों के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। 21 साल की उम्र में उन्हें पद्मश्री पुरस्कार मिला।